मूल्य-20

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा का मासिक पत्र

जांगिड ब्राह्मण

JANGID BRAHMIN

अंगिराऽसि जंगिडः

वर्षः 116, अंकः 6, जून-2023 ई., तारीख 22-27 प्रति माह

श्री विश्वकर्मणे नमः

POSTED UNDER LICENCE NO. U(DN)39/2023 OF POST WITHOUT PREPAYMENT OF POSTAGE

केनरा बैंक Canara Bank

भारत सरकार का उपक्रम

सिंडिकेट Syndicate

A Government of Undertaking

19689546024572@cnrb

BHIM UPI

BHARAT INTERFACE FOR MONEY

UNIFIED PAYMENTS INTERFACE

Scan using any BHIM UPI enabled APP

महासभा द्वारा शिक्षा- कल्याण कोष की स्थापना

शिक्षा मनुष्य में ज्ञान की ज्योति प्रज्ज्वलित करने के साथ ही सर्वांगीण विकास का रास्ता प्रशस्त करने के पश्चात जीवन में आने वाली चुनौतियों का सामना करने में भी सक्षम बनाती है। महासभा द्वारा शिक्षा को बढावा देने के लिए **'एक शिक्षा कल्याण कोष की स्थापना'** की गई है। इस कोष में केनरा बैंक में क्यू आर कोड के माध्यम से अपनी श्रद्धा के अनुसार दिल खोलकर दान करके महापुण्य के भागी बने ताकि समाज के बच्चों का भविष्य उज्ज्वल बनाया जा सके।

प्रधान रामपाल शर्मा

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के प्रथम प्रेरक

पं. बाबू गोरधनदास जी शर्मा, मथुरा

डॉ. इन्द्रमणि जी शर्मा, लखनऊ

पं. पालाराम जी शर्मा, रायपुरवल-पंजाब

पत्र के जन्मदाता

पं. डालचन्द जी शर्मा, जहाँगीराबाद-उ.प्र.

समाज के महापुरूष

गुरूदेव पं. जयकृष्णजी मणीठिया, दिल्ली

महासभा भवनदानकर्ता, दिल्ली

स्व. श्रीमती सुन्दरदेवी, दिल्ली

बारा नानग अजाड़ी कलां, झुन्झुनू में आयोजित प्राण प्रतिष्ठा समारोह

INTERIO CRAFT

MERGER OF **ROYAL, SG AND KRISHNA INTERIORS**

Our Management Team

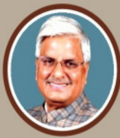

Rampal Sharma

Deepak Sharma

Jagmohan Sharma

Amith Sharma

With its existence over three and half decades, we have carved a niche in the segment of providing complete interior solutions to various corporates houses, retail stores & residences pan India.

OUR STRENGTHS

- QUALITY OF WORK
- SERVICE COMMITMENT
- ON TIME COMPLETION
- PRICING

Our Sister Concerns:

- Krishna Ventures
- Krishna Retails
- SG Ventures
- NR Retails

Our Franchise Stores

- N R Retails, Uspolo Store, Kammanahalli, BANGALORE
- Uspolo Store, Vega City Mall, BANGALORE
- Krishna Retails, Uspolo Store, USPA-Forum Sujana Mall, HYDERABAD
- Flying Machine, FM-Forum, Sujana Mall, HYDERABAD
- Uspolo Kids, USPA kids-Sarat City Mall, HYDERABAD
- Uspolo Denim, USPA Denim - Sarat City Mall, HYDERABAD
- Flying Machine, FM -Sarat City Mall, HYDERABAD
- Krishna Ventures, Mega Mart, Mega Mart - Kotputli, JAIPUR
- Third Wave Coffee, Bel Road, BANGALORE
- Wrogn Store, L&T Mall, HYDERABAD
- Swish Salon, BANGALORE

OUR SERVICES

ON SITE

- Carpentry
- Painting
- Tiling
- Marble Work
- Electrical & Lighting
- Civil
- Plumbing...

OFF SITE

- Production of Furniture
- Metal Works

WE ARE TURNKEY INTERIOR SOLUTION PROVIDERS

WE MAKE THEM LOOK AESTHETICALLY RICH AND BEAUTIFUL

Some of our Valuable Clients

FLYING MACHINE, U.S. POLO ASSN., AEROPOSTALE, ARROW, LP LOUIS PHILIPPE, PETER ENGLAND, NAUTICA, GAP, trueblue, GANT, Allen Solly, VAN HEUSEN, lifestyle, max, homecentre, ZOYA, TANISHQ, TANEIRA, TITAN, Helios, fastrack, TITAN eyeplus, Mia, MELORRA, CENTRO, BIRKENSTOCK, THIRD WAVE COFFEE, SWAYAMVAR, SHOPPERS STOP, BLUESTONE, SBEAUTY, SWISH, TASVA, Manyavar

Reach us:

Corporate Office: No 13/14 Royal Chambers, 3rd Floor, Dodda Banaswadi, Outer Ring Road, Near Vijaya bank Colony, Bengaluru, Karnataka 560043

080 2542 6161

projects@interiocraft.com

www.interiocraft.com

BHARAT WHEEL

Manufacturer of Rims for Tractor,
Motor Vehicle, Earthmoving Machine.

Our valued customers

VECTRA MANITOU GROUP JCB ESCORTS

Bharat Wheel Private Limited
Muzaffarnagar Road, Shamli - 247776, UP, India
Email : info@bharatwheel.com
www.bharatwheel.com

"जांगिड ब्राह्मण महासभा पत्रिका" के नियम एवं उद्देश्य

1. समाज के सभी वर्ग के व्यक्तियों के सर्वागीण विकास के लिए नवाचार करना।
2. साहित्य सृजन, आध्यत्मिक चेतना एवं आत्मविश्वास को प्रोत्साहन देना।
3. सामाजिक गतिविधियों के अन्तर्गत केन्द्रीय, प्रादेशिक, क्षेत्रीय एवं स्थानीय समाचारों को प्रकाशित करना।
4. सामाजिक शिक्षा, वैज्ञानिक तकनीकी एवं शिल्पोन्नति संबंधी निबंध तथा लेखों आदि को प्रकाशित करना।
5. समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करना तथा उन्मूलन के लिए विकास की ओर उन्मुख होने का संचरण करना।
6. पत्रिका प्रत्येक अंग्रेजी माह की 22-27 तारीख को प्रकाशित होती है।
7. लेखों व अन्य प्रकाशनार्थ भेजी गयी सामग्री को छापने, न छापने तथा घटाने-बढ़ाने का पूर्ण अधिकार सम्पादक के पास सुरक्षित है।
8. व्यक्तिगत तथा विवादास्पद लेख पत्रिका में प्रकाशित नहीं किए जाएंगे।
9. लेखन सामग्री भेजने वाले स्वयं उसके लिए उत्तरदायी होंगे।
10. नमूने का अंक उपलब्ध होने पर ही भेजा जा सकता है।

स्वामित्व एवं सर्वाधिकार सुरक्षित

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा

प्रधान कार्यालय

440, हवेली हैदर कुली, चांदनी चौक, दिल्ली-110006

दूरभाष:- 011-42420443, 011-42470443

Website: www.abjbmahasabha.com

E-mail: jangid.mahasabha@gmail.com

सम्पर्क सूत्र

प्रधान-पं.रामपाल शर्मा "जांगिड"	-	09844026161
महामंत्री-पं.सांवरमल "जांगिड"	-	09414003411
सम्पादक-प.रामभगत शर्मा "जांगिड"	-	09814681741

'जांगिड ब्राह्मण' महासभा की सदस्यता दर

(01-10-2018 से)

सदस्यता		रुपये
प्लैटिनम सदस्य	-	1,00,000/-
स्वर्ण सदस्य	-	51,000/-
रजत सदस्य	-	25,000/-
विशेष सम्पोषक	-	21,000/-
सम्पोषक सदस्य	-	11,000/-
संरक्षक (पत्रिका सहित)	-	2,100/-
संरक्षक (पत्रिका रहित)	-	500/-
वार्षिक पत्रिका शुल्क	-	240/-
मासिक पत्रिका शुल्क	-	20/-

विज्ञापन शुल्क की दरें

टाईटल का अंतिम पृष्ठ (रंगीन)
मासिक 10000/-,वार्षिक 100000/-

अन्दर का पूरा पृष्ठ (रंगीन)
मासिक 6000/-,वार्षिक 61000/-

अन्दर का आधा पृष्ठ (रंगीन)
मासिक 4000/-, वार्षिक 41000/-

अन्दर का पूरा पृष्ठ (साधारण)
मासिक 3000/-, वार्षिक 31000/-

अन्दर का आधा पृष्ठ (साधारण)
मासिक 1500/-, वार्षिक 17000/-

अन्दर का चौथाई पृष्ठ (साधारण)
मासिक 750/-,वार्षिक 8500/-

वैवाहिक विज्ञापन
मासिक 201/-

महासभा बैंक खाता

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया खाता नं. **61012926182 (IFSC Code: SBIN0030139)** में किसी भी स्थान से बैंक (शाखा-एसबीआई, एसएमई टाऊन हॉल, चांदनी चौक, दिल्ली-06) में 25000/- रू. प्रतिदिन नकद जमा करवाए जा सकते हैं। जमाकर्त्ता से अनुरोध है कि जमापर्ची की काउण्टर फाईल मय सम्पूर्ण विवरण (पाने वाले का नाम "अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा" अवश्य लिखें) सहित महासभा को आवश्यक रूप से प्रेषित करें तथा प्रत्येक लेन-देन पर 60/- रूपये बैंक चार्जेज के रूप में अतिरिक्त जमा करायें, अन्यथा महासभा उस कार्य को करने में असमर्थ रहेगी। क्योंकि बैंक चार्जेज का आर्थिक बोझ महासभा पर पड़ता है।महासभा को दिया गया दान आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80-G के तहत छूट के लिए मान्य है।दानदाता अपनी आयकर विवरणी में दान पर आयकर छूट के लिए दावा कर सकते है।

गजेन्द्र जांगिड
सह-कोषाध्यक्ष महासभा, 9811482174

सत्यनारायण जांगिड
कोषाध्यक्ष महासभा, मो. 9810075654

अनुक्रमणिका

07. सम्पादकीय.....

09. प्रधान की कलम से ....

11. साक्षी शर्मा का भारतीय प्रशासनिक सेवा में चयन हुआ

13. नरेन्द्र कुमार जांगिड यूनियन बैंक कृषि फिल्ड अधिकारी बने

14. प्रशांत शर्मा ने संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित....

16. नैतिक जांगिड ने उ0प्र0 के आयोजित खेलों इण्डिया प्रतियोगिता..

17. रिया जांगिड ने इण्डिया बुक ऑफ रिकार्ड मे नाम दर्ज.....

18. संतों और महात्माओं के सानिध्य में सम्पन्न हुआ...

21. संत परम्परा के कोहिनूर स्वामी कल्याण देव जी......

24. शानव जांगिड भारतीय नौसेना सब लेफ्टिनेंट.....

25. खुशी रानी जांगिड ने खेलों इण्डिया खेल.....

26. महासभा के प्रधान बनने का सपना कभी भी नही रहा..

31. हमारे राम सबके राम मानवता...

32. महात्मा बुद्ध के अनमोल विचार...

33. किताब और ग्रन्थ में क्या फर्क है....

34. मानवता के कल्याण के लिए समर्पित संत शिरोमणि मकड़ीनाथ जी..

35. महासभा की राष्ट्रीय निर्वाचन समिति की बैठक जयपुर में..

36. तहसील सभा लवाण का 28 मई का शपथ ग्रहण समारोह...

37. मण्डावर जिला दौसा का शपथ ग्रहण समारोह...

38. कबीर जयंती पर हार्दिक शुभकामनाएं..

39. आर्य नगर के रजत जांगिड स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया में परिवीक्षा...

40. रमन कुमार जांगिड ने यूजीसी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय पात्रता....

41. प्रवीण कुमार जांगिड ने राजमार्ग पर दुर्घटना को रोकने के....

42. अमन जांगिड एक वर्ष में 5 नौकरी हासिल करके....

43. जयपुर के भीमराज शर्मा को मिला वर्ष 2023 को नैशनल अवार्ड...

44. अ.भा.जांगिड अधिवक्ताओं का प्रदेश स्तरीय सम्मेलन जीन्द में सम्पन्न..

45. सुनील कुमार जांगिड को उसकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए वर्ष 2022..

46. पदस्थापन एवं नियुक्ति और होनहार प्रतिभाएं

47. महासभा के एक लाख रू0 के प्लेटिनम सदस्य

50. महासभा के इक्यावन हजार रू0 के स्वर्ण सदस्य

50. महासभा के पच्चीस हजार रू0 के रजत सदस्य

51. मुण्डका भवन दानदाताओं की सूची..

59. शोक सन्देश

प्रचार सामग्री (विज्ञापन)

कृष्णा इंटीरियर

भारत व्हील

शर्मा एण्ड कम्पनी

शोक सन्देश ...

ओमकारा ट्रान्सपोर्ट

भागीरथ मोटर्स

न्यायिक क्षेत्र

सभी न्यायिक मामलों में महासभा के किसी भी पदाधिकारी के विरूद्ध महासभा सम्बन्धी मामले में कानूनी कार्यवाही के लिये न्यायिक क्षेत्र दिल्ली ही होगा।

विनम्र निवेदन

(1) 'जांगिड ब्राह्मण' पत्रिका हर माह की 22 से 27 तिथि तक नियमित रूप से भेज दी जाती है, जो आपको 3-7 दिन में मिल जानी चाहिए।

(2) जिन आदरणीय सदस्यों को पत्रिका नहीं मिल पा रही हैं वे कृपया अपने सम्बन्धित डाक घर में लिखित शिकायत करें और इसकी एक प्रति महासभा कार्यालय में भी भेजें ताकि महासभा कार्यालय भी अपने स्तर पर मुख्य डाकपाल अधिकारी को यह शिकायत आप की फोटो प्रतियों के साथ भेज सके।

हमारे पास बहुत सारी पत्रिकाएं डाक कर्मचारी की इस टिप्पणी के साथ वापिस आ रही हैं, कि 'पते में पिता का नाम नहीं', 'इस पते पर नहीं रहता', 'पता अधूरा है', 'पिन कोड' बिना भी पत्रिका वापिस आ रही हैं। यदि आपके पते में उपरोक्त अशुद्धियाँ हैं तो लिखित रूप में महासभा कार्यालय में भेजें ताकि शुद्ध किया जा सके। हम आपको विश्वास दिलाते हैं कि प्रत्येक सदस्य को कार्यालय से प्रतिमाह 22 से 27 तिथि को पत्रिकाएं भेज दी जाती हैं।

(3) समाज के प्रबुद्ध लेखकों, विद्ववानों से निवेदन है कि रचनाओं की छाया प्रति न भेजें, वास्तविक प्रति ही सुस्पष्ट, सुन्दर लेख में लिखकर या टाइप कराकर भेजें। वैवाहिक विज्ञापन एवं इसका शुल्क, अन्य लेख व प्रकाशन सम्बन्धी सभी प्रकार की सामग्री हर माह की 10 तारीख तक महासभा कार्यालय में अवश्य पहुंच जानी चाहिए।

कृपया ध्यान दें- बार बार निवेदन करने पर भी लेखक अपनी रचनाएँ अस्पष्ट हस्तलिखित तथा छोटे से कागज पर भेज रहे हैं। जिससे हमेंशा पढ़ने में असुविधा हो रही है। ऐसे लेख प्रकाशित नहीं हो पाएंगे।

(4) आपसे यह भी निवेदन है कि प्रत्येक रचना के अंत में यह घोषणा अवश्य करें कि यह रचना मेरी मौलिक रचना है और अभी तक कहीं प्रकाशित या प्रसारित नहीं हुई है। यदि किसी अन्य स्रोत से ली गई है तो उसका संदर्भ अवश्य दे तथा लेख के अन्त में अपना नाम, पता, फोन नम्बर हस्ताक्षर सहित अवश्य लिखें।

(5) पत्रिका के विषय में प्रबुद्ध लेखकों के सुझाव सादर आमंत्रित है।

(6)अस्वीकरण-पत्रिका में प्रकाशित लेखों में लेखकों के व्यक्तिगत विचार होते हैं। महासभा का उनसे सहमत होना आवश्यक नही है।

-सम्पादक

इस पत्रिका में अभिव्यक्त विचारों से सम्पादक अथवा महासभा का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। इसमें प्रकाशित सभी रचनाओं में अभिव्यक्त विचारों, तथ्यों आदि की शुद्धता तथा मौलिकता का पूर्ण दायित्व स्वयं लेखकों का है।

उदात्त गुण ही एक व्यक्ति को महान बनाते हैं।

सबसे पहले तो मैं समाज के उन दो होनहार युवाओं जिनमें साक्षी शर्मा और प्रशांत शर्मा शामिल हैं को अन्तर्मन की गहराइयों से बधाई और शुभकामनाएं देता हूं जिन्होंने अपने अथक परिश्रम और सतत पुरुषार्थ के माध्यम से संघ लोक सेवा आयोग की वर्ष 2022 की परीक्षा में 220 वां तथा 259 वां रैंक हासिल करके समाज का नाम गौरवान्वित किया है।

इसके साथ ही समाज में शिक्षा को बढावा देने के स्तुत्य प्रयास के अंर्तगत महासभा ने समाज के गरीब बच्चों के कल्याण का बीड़ा उठाया है और इसके लिए शिक्षा कल्याण कोष की स्थापन की गई है। महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने, जिसको मैं साधुवाद और बधाई देता हूं और इसके लिए एक बार कोड जारी किया गया है। जिसका उपयोग आप अपनी सामर्थ्य के अनुसार इसके माध्यम से शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए अपनी श्रद्धा के अनुसार पैसा जमा करवाकर पुण्य के भागी बन सकते हैं।

अब यहां पर उन उदात्त गुणों का उल्लेख करते हैं, जिनके कारण एक व्यक्ति का व्यक्तित्व महान बनता है। यह जीवन परमात्मा की प्रदान की हुई अनमोल धरोहर है और इस धरोहर को जो भी व्यक्ति संजोकर और संभाल कर रखता है उसका जीवन एक अनमोल हीरे के समान देदीप्यमान और प्रकाशमान हो जाता है तथा जो मनुष्य मानव रुपी अनमोल धरोहर को उदात्त संस्कारों और श्रेष्ठ आचरण तथा बेहतर गुणों से पल्वित और पुष्पित करता है तो उसका जीवन ध्रुव तारे के समान देदीप्यमान हो जाता है और मानव जीवन के मूल्यों की सार्थकता इसी में निहित है।

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है और जो व्यक्ति अपना आचरण, व्यवहार तथा परोपकाराय पुण्ययाय के सिद्धांत का पालन करते हुए अपने दायित्व का निर्वहन भली भांति करता है तो उसके उदात्त गुणों के कारण ही उसकी ख्याति चारों ओर फैल जाती है। भगवान श्री राम को इसी लिए मर्यादा पुरुषोत्तम कहा जाता है कि वह उदात्त गुणों और उच्च संस्कारों से परिपूर्ण थे। उनके महान् संस्कारों और गुणों ने उनको एक ऐसा आयाम प्रदान किया, जिस पर चलकर सांसारिक लोग अपने आप को धन्य समझते हैं। भगवान श्रीराम के जीवन के उदात्त और महान गुणों के कारण ही वह इस धरा पर परम पूजनीय बन गए और उनके उदात गुणों की हजारों वर्ष बीत जाने के बाद भी, आज भी, वही सार्थकता उसी प्रकार से बनी हुई है।

गुणों को धारण करने वाला व्यक्ति चाहे कितना भी कुरुप हो या सुंदर हो तथा उसका रंग गोरा या काला हो, वह गरीब या अमीर हो या उच्च प्रतिष्ठित कुल में पैदा हुआ हो तो उसका कोई महत्व नहीं है, अगर उसमें नैतिक और उदात्त गुणों और संस्कारों रूपी गुणों का समावेश नहीं है। इसलिए मैं समझता हूं कि एक मनुष्य, जो भी कार्य करता है उसका परिणाम भी उसके गुणों और दोष के आधार पर ही आता है। जो व्यक्ति परमार्थ की भावना से अभिप्रेरित में होकर अपनी स्वार्थ सिद्धि के लिए कार्य करता है तो उसके सभी प्रयास व्यर्थ हैं । ऐसा व्यक्ति परिवार, समाज और देश और परिवार का भला तभी कर सकता है जिस समय वह नि:स्वार्थ भाव से समाज कल्याण के लिए कार्य करता है।

इसीलिए कहा गया है कि व्यक्ति का समाज से और समाज के बिना व्यक्ति का कोई अस्तित्व नहीं है। समाज का विकास तभी संभव है जब उस में रहने वाले व्यक्ति गुणवान हो और सदाचार और नैतिक मूल्यों का पालन करें। कोई भी कार्य करते समय व्यक्ति को हमेशा ही इस बात का ध्यान अवश्य ही रखना होगा कि इस कार्य से किसी का अहित तो नहीं हो रहा है। धर्म का मूल ही यही है। जिस प्रकार से भगवान ने इस संसार से दुराचार और अत्याचारों को समाप्त करने के लिए तथा धर्म की स्थापना करने के लिए ही अनेकों बार अवतार ग्रहण करके इस विश्व का कल्याण किया है।

अधर्म का मूल ही पाप है और प्रत्येक व्यक्ति इस जीवन में सुख की अभिलाषा रखता है, लेकिन बेहतर मनुष्य वही है जो अपने स्वार्थ का परित्याग करके सभी को समान रुप से देखना चाहता है। अगर किसी व्यक्ति में ज्ञान का प्रकाश है और वह अपने ज्ञान से किसी अज्ञानी को रास्ता नहीं दिखला सकता है तो उसके ज्ञान का कोई फायदा नहीं है जीवन में प्रशंसा केवल उसी की होती है जिसमें उदात्त गुणों का समावेश हो और जो दूसरों के हित को ध्यान में रखते हुए ही समर्पित भाव से कार्य करते हुए सादा जीवन और उच्च विचारों में विश्वास रखते हैं और ऐसे लोग धन्य हैं और ऐसे लोग बहुत कुछ पा लेते हैं।

अपने कर्तव्य का पालन करना और दिखावे से दूर रहना ही सादगी का उदाहरण है। आज का युवा भव्यता तथा पैसे की चकाचौंध में दिग्भ्रमित हो रहा है लेकिन इससे एक व्यक्ति को थोड़ी देर के लिए तो खुशी मिलती है, लेकिन स्थाई सुख नहीं मिलता है। इस संसार में ऐसे बहुत से व्यक्ति हैं जिन्होंने अपने त्याग तपस्या परिश्रम और सादगी के बल पर बहुत कुछ पाया है और दूसरी तरफ ऐसे भी बहुत से मनुष्य है जिन्होंने भव्यता और दिखावे के नाम पर बहुत कुछ खोया है।

आज के इस चकाचौंध रुपी युग में इस मानव जीवन में सादगी और उच्च विचारों की परम आवश्यकता है । आप सभी जानते हैं कि ईश्वर ने अपनी श्रेष्ठ कृति के रूप में इस मानव की रचना की है और पूर्व जन्मों के पाप और पुण्य का लेखा जोखा देखकर ही और उसके पुण्यों को ध्यान में रखते हुए ही मनुष्य का जन्म होता है। इसीलिए कर्मो के आधार पर ही हम अपने सांचे को संवार सकते हैं । अगर एक व्यक्ति गुणों की खान है तो चाहे वह कुरुप भी हो तो उसका हृदय से, सभी सम्मान करेंगे और ऐसे गुणवत्तापूर्ण व्यक्ति के प्रति लोगों का आकर्षण होना सहज और स्वाभाविक ही है।

चाणक्य बहुत सुंदर नहीं थे लेकिन अर्थशास्त्र के महान ज्ञाता थे, जिनके गुणों के आधार पर विश्व विख्यात हुए इसी प्रकार जीवन के किसी भी क्षेत्र को व्यक्ति चुने, रूप और यौवन चाहे कैसा भी हो लेकिन उसमें सात्विक गुण होने चाहिए। सारा संसार उनको नमन करता है। आज के परिवारों एवं समाज में मां-बाप बच्चों में सादगी एवं संस्कारों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, क्योंकि बच्चों में जो उदासीनता आ रही है वह उत्तम संस्कारों के अभाव के कारण ही आ रही है। इसलिए मेरा सुझाव है कि आप अपने बच्चों को भव्यता की ओर नहीं, अपितु संस्कारों की ओर अग्रसर करें । जीवन में भव्यता से नहीं सादगी से ही सब कुछ प्राप्त होता है और इसके लिए हमें अपने आप को तैयार करना होगा। हमारे धर्म ग्रंथ और धार्मिक पुस्तकें हमें बहुत कुछ सिखाती है और ऐसे अनेकों उदाहरण हैं, जिन्होंने कई मनुष्यों का जीवन ही बदल दिया। दूसरे का परोपकार करके उसे जताने की आवश्यकता नहीं है। किसी की मदद करके उसका बखान करने से उसकी महत्ता कम हो जाती है।

जैसा कि आप सभी जानते हैं की सुदामा एक गरीब ब्राह्मण परिवार में पैदा हुए थे, लेकिन उनमें जो सात्विक गुण और शुद्ध आचरण तथा भगवान के प्रति आस्था और विश्वास था जिसके कारण वह भगवान श्री कृष्ण के सखा बन गए। इसलिए जीवन में उदात्त संस्कारों को आत्मसात करें और अपने बच्चों को भी नैतिकता का पाठ पढ़ाएं। मनुष्य की उसके रंग रूप जाति से नहीं बल्कि मनुष्य के गुणों से ही पहचान होती है और जिस मनुष्य में जितने महान और उदात्त गुण होंगे और श्रेष्ठ आचरण होगा वह व्यक्ति उतना ही महान होगा । इसलिए अपने बच्चों को बेहतर संस्कार और उनमें उदात्त गुणों का समावेश करें। आज के इस प्रतिस्पर्धा के युग में परिव्याप्त परिवेश में यह जरूरी है कि बच्चों को बचपन से ही उत्तम गुणों से ओतप्रोत करके उन्हें उत्तम संस्कार प्रदान किए जाए ताकि आने वाले समय में वह इन गुणों को आत्मसात करके अपने जीवन को सार्थक बना सकें ।

धन्यवाद।

प्रधान की कलम से---

प्रधान रामपाल शर्मा

महासभा द्वारा शिक्षा-कल्याण कोष की स्थापना।

सबसे पहले तो, मैं केन्द्रीय लोक सेवा आयोग द्वारा भारतीय प्रशासनिक सेवा और इसकी अनुषांगिक सेवाओं का जो परिणाम 23 मई को घोषित किया गया है और इस प्रतिष्ठित परीक्षा में महासभा रुपी परिवार के दो सदस्यों का चयन हुआ है। इस अवसर पर मैं मैरिट में 220 वां स्थान हासिल करने वाली बहादुरगढ़, जिला झज्जर की रहने वाली साक्षी जांगिड और जिला झज्जर के ही सिलानी गांव के लाडले प्रशांत शर्मा ने 259 वां रैंक हासिल करके इस प्रतिष्ठित परीक्षा की सूची में अपना नाम दर्ज करवाया है। महासभा रुपी परिवार की तरफ से इन दोनों उदीयमान प्रतिभाओं को मैं अपनी ओर से हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं और इसके साथ ही इनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता हूं।

जहां तक जयपुर में आयोजित होने वाले प्रस्तावित महाकुंभ का प्रश्न है इस बारे में सभी समाज बन्धुओं की जिज्ञासा का समाधान हो गया है और 14 मई को जयपुर में प्रदेश अध्यक्ष संजय हर्षवाल की अध्यक्षता में सभी जिला अध्यक्षों की हुई एक बैठक में यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है कि 3 सितम्बर को विद्याधर नगर स्टेडियम जयपुर में महाकुंभ का आयोजन किया जायेगा, साथ ही आप सभी के कंधों पर एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी आ गई हैं और इस महायज्ञ में न केवल राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली और उत्तर प्रदेश तथा मध्य प्रदेश के प्रदेशाध्यक्षों का दायित्व बहुत अधिक बढ़ गया है । इसलिए मेरी सभी समाज बन्धुओं से करबद्ध प्रार्थना है कि अपने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य को ध्यान में रखते हुए ही इस महाकुंभ को सफल बनाने के लिए सभी के द्वारा आपसी तादात्म्य और सहयोग की भावना का परिचय देते हुए एक नया इतिहास रचने का प्रयास किया जाना चाहिए।

इसके अतिरिक्त महासभा ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है जिसके दूरगामी परिणाम सामने आएंगे और वह निर्णय है समाज के बच्चों का और विशेषकर आर्थिक रूप से कमजोर उन बच्चों के लिए यह योजना एक रामबाण सिद्ध होगी। महासभा ने शिक्षा के प्रसार और प्रचार के लिए महासभा द्वारा एक शिक्षा कल्याण कोष की स्थापना की गई है और इस उद्देश्य के लिए एक अनूठी पहल करते हुए केनरा बैंक से क्यू आर कोड लेकर समाज के युवाओं के उज्ज्वल भविष्य और उनके सपनों को साकार करने और मूर्त रूप देने के लिए एक महायज्ञ की शुरुआत की गई है। मैं आपको याद दिलाना चाहता हूं कि घोषणा पत्र में भी इसका उल्लेख किया गया था और जिस प्रकार से आपने महासभा की सदस्यता अभियान में सक्रिय भूमिका निभाते हुए महासभा की सदस्यता एक लाख से अधिक करने में सक्रिय भूमिका निभाई है उसी प्रकार से अब शिक्षा को बढावा देने के आपके विश्वास और भरोसे पर ही महासभा द्वारा शिक्षा-कल्याण कोष की स्थापना की गई है जो एक मिल का पत्थर सिद्ध होगा।

आप सबको विदित है कि आधुनिक युग में शिक्षा ही एक मात्र ऐसा अचूक मंत्र जिसके माध्यम से अज्ञानता का अंधेरा तिरोहित हो जाता है और शिक्षा मनुष्य के जीवन में आने वाली सभी चुनौतियों का दक्षतापूर्वक सामना करने में सक्षम बनाती है। **विधा ददाति विनय** अर्थात विधा एक मनुष्य को विनयशीलता प्रदान करने के साथ-साथ उसमें ज्ञान की ज्योति प्रज्ज्वलित होने से उसके मन का अंधेरा विलुप्त हो जाता है।

आज प्रतिस्पर्धा के इस युग में टैक्नोलॉजी के आविष्कार के साथ-साथ जहां शिक्षा के क्षेत्र में नए-नए अविष्कार हो रहे हैं और आज दुनिया सिमट कर बहुत छोटी हो गई है। आज प्रतिस्पर्धा के इस युग में केवल

वही समाज प्रगति करेगा जो अपने बच्चों को बेहतर संस्कार और शिक्षा प्रदान करे। मुझे पता है कि जाट समाज ने राजस्थान में एक तेजा फाउंडेशन स्थापित की हुई है और इसके माध्यम से हर साल कई बच्चे आई. ए.एस. और आई.पी.एस. और अनेक सेवाओं में प्रतियोगिता के माध्यम से आगे निकलते हैं। इसी प्रकार से जैन समाज ने भी एक जीतू नाम की संस्था बना रखी है और इस संस्था के माध्यम से भी अनेक बच्चे प्रतिष्ठित सेवाओं में चयनित होकर देश सेवा करने के साथ-साथ अपने समाज की सेवा भी कर रहे हैं।

जहां तक शिक्षा के महत्व का प्रश्न है शिक्षा को बढ़ावा देने की परिकल्पना को मैंने अपने पिताजी से ही सीखा है क्योंकि मेरे पिता जी की एक ही सोच थी कि गरीब से गरीब व्यक्ति की किस प्रकार से सहायता की जाए और किस प्रकार से शिक्षा को बढ़ावा दिया जाए ताकि समाज के गरीब बच्चे पढ़ लिख कर अपना मुकाम हासिल कर सके और उनके इन आदर्शों को आत्मसात करते हुए ही मैंने गांव सोडावास में कन्या विद्यालय स्थापित किया है और इसके अतिरिक्त अपने जीवन में कई गरीब बच्चों की शिक्षा के क्षेत्र में सहायता की है और अब भी मेरी धर्मपत्नी अपनी सामर्थ्य के अनुसार सहायता कर रही है। वह विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट की अध्यक्ष भी रही है। यह सब पिताजी द्वारा दिए गए संस्कार और और उनकी सकारात्मक सोच का ही परिणाम है कि आज कई बच्चे शिक्षा ग्रहण करके करके जीवन में आशातीत प्रगति कर रहे हैं ।

शिक्षा के क्षेत्र में विशेषकर आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को सहायता की सबसे अधिक जरुरत है और इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए ही महासभा द्वारा शिक्षा-कल्याण कोष की स्थापना करके एक नए अध्याय की शुरुआत की गई है जिसके माध्यम से सर्वाधिक सहायता प्रदान करने का प्रयास किया जाएगा।

आपके द्वारा दिए जाने वाले दान देने के माध्यम को और अधिक से अधिक विद्यार्थियों की जरूरतों को पूरा करते हुए उनका सपना साकार किया जा सकेगा। आपका दिया हुआ दान का एक-एक पैसा पुण्य के काम में खर्च होगा। सन्त कबीर दास जी ने कहा है कि:- **चिड़ी चोंच भर लें गई, नदी घटयो ना नीर।**
दान दिए धन ना घटे, कह गए सन्त कबीर।।

अत: मेरी समाज के संभ्रांत और आर्थिक रूप से सम्पन्न लोगों से अपील है कि इस पुण्य के महायज्ञ में अपनी श्रद्धा और हैसियत के अनुसार गरीब और जरूरतमंद बच्चों के कल्याण के लिए महासभा के शिक्षा कोष में सहायता राशि क्यू आर कोड के माध्यम से जमा करवाकर इस हवन में अपनी और अपने सहयोगियों को प्रेरित करके आहुति डालने का सौभाग्य प्राप्त करे और हमारे बच्चे जीवन में आगे बढ़कर प्रगति करें और आप सभी लोगों के सहयोग से मुंडका में महासभा का जो भवन तैयार हो रहा है उसमें ऐसे गरीब बच्चों को प्राथमिकता दी जाएगी जो पढ़ाई में अव्वल होने के साथ-साथ जो बच्चे आर्थिक रूप से कमजोर है ऐसे बच्चों की सहायता की जाएगी जो अपनी प्रतिभा के बल पर आईएएस आईपीएस और उस सेवाओं कई तैयारी करके जीवन में आगे बढ़ना चाहते हैं ऐसे बच्चों का यह सपना अगले साल तक पूरा हो जाएगा।

अन्त में, मेरी मनस्कामना है कि आप लोगों के साथ मिलकर कर शिक्षा की एक अलख जगाई जाए ताकि आने वाली पीढियों का भविष्य उज्ज्वल और गरिमामय बन सके । मैं समझता हूं कि हमने जो प्रयास किए हैं उसके भविष्य में आशातीत परिणाम आप सबके सामने आएंगे। जिस प्रकार से तिनके को सहारा मिलने के पश्चात समुद्र से पार उतर जाता है उसी प्रकार से अगर गरीब बच्चों की थोड़ी सी मदद की जाए तो वह बच्चा भी अपने जीवन का रास्ता अपने आप तय कर लेता है।

आइए, हम सभी मिलकर, संगठित होकर और एकजुट होकर आनी वाली पीढियों के उज्ज्वल भविष्य की नीव रखने का स्तुत्य प्रयास करेंगे।

धन्यवाद।

साक्षी शर्मा का भारतीय प्रशासनिक सेवा में चयन हुआ।

भारतीय प्रशासनिक सेवा के परीक्षा परिणाम के बारे में निश्चित रूप से कोई भी भविष्यवाणी नहीं की जा सकती है हां इतना अवश्य है कि जो परिश्रम करता है उसे कभी भी निराशा हाथ नही लगती है ऐसा मानना है जांगिड समाज का गौरव और विनम्रता की प्रतिमूर्ति बहादुरगढ़ जिला झज्जर की रहने वाली साक्षी शर्मा का जिन्होंने 17 मई को भारतीय प्रशासनिक सेवा और इसकी अनुषांगिक सेवाओं के लिए घोषित परीक्षा परिणाम में साक्षी शर्मा ने 220 वां रैंक हासिल करके आई.ए.एस. बनने का सपना साकार किया है।

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने 5 जून को संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में सफल हुए प्रदेश के होनहार अभ्यर्थियों के प्रतिभा सम्मान समारोह में साक्षी शर्मा को सम्मानित करते हुए।

साक्षी का मानना है कि इस जीवन में परिश्रम का कोई भी सानी नहीं है और अगर जीवन में लक्ष्य निर्धारित करके तन्मयतापूर्ण तरीके से प्रयास किए जाएं तो सफलता अवश्य ही मिलती है। उन्होंने कहा कि मेरा बचपन से ही यही सपना रहा है कि मैं आई.ए.एस. या आई.पी.एस. बन कर देश सेवा करना चाहती हूं और आई.ए.एस. बनने के उपरांत महिलाओं के सशक्तिकरण और स्वास्थ्य सेवाओं के सुधार के लिए कार्य करना चाहती हूं और विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाली महिलाओं के उत्थान के लिए कार्य करना चाहती हूं।

उन्होंने कहा कि इस सफर में मुझे अपने परिवार का अप्रत्याशित समर्थन मिला है और इस सफलता का श्रेय भी वह अपने परिवार को ही देना चाहती है और विशेषकर अपने दादा रामचन्द्र जांगिड और दादी श्रीमती बसन्ती देवी जांगिड जिनकी गोद में खेलकर मैं बड़ी हुई हूं और मेरे को बेहतर संस्कार देकर इस योग्य बनाया है। मेरे पिता अशोक जांगिड का प्रेरणा से परिपूर्ण उद्‌बोधन मुझे निराशा में हमेशा शक्ति देता रहा है। जिस समय आई.ए.एस. की पहली बार प्री में ही फेल हो गई तो मेरे पिता और मां श्रीमती मधुबाला जांगिड ने मुझे ढांढ़स बंधाया कि तुम लक्ष्य के इतने नजदीक हो और यह शब्द आज भी मेरे कानों में गूंज रहें हैं और इसी मूल मंत्र को आत्मसात करते हुए ही मैंने और अधिक मेहनत शुरू कर दी और इसका आज सुखद परिणाम मिला है।

भारतीय प्रशासनिक सेवा का अपना सपना साकार और फलीभूत होते देखकर साक्षी ने पुरानी विस्मृतियों की याद करते हुए कहा कि जिस समय वह सैंट थॉमस स्कूल में पढ़ती थी उस समय धनाढ्य व्यक्तियों के बच्चे बड़ी बड़ी गाड़ियों में स्कूल आते थे तब मैंने संकल्प लिया कि मैं भी बड़ी होकर अपने माता-पिता का बड़ी गाड़ियों में घूमने का सपना साकार करुंगी और परमात्मा ने यह संकल्प पूरा कर दिया है और दिल्ली विश्वविद्यालय के हिन्दू कालेज से मैंने बी.एस.सी आनर्ज मैथ करते समय दूसरे छात्रों को सिविल सेवा परीक्षा करते हुए देखा तो मेरी अभिरुचि भी भारतीय प्रशासनिक सेवा की तरफ हो गई और मैंने भारतीय प्रशासनिक सेवा की तैयारी करनी शुरू कर दी और सन् 2020 में जिस समय कोरोना के कारण हालत बड़े ही भयावह हो गए थे और लॉकडाऊन लगा तो भारतीय प्रशासनिक सेवा की आनलाईन तैयारी शुरू कर दी और उस समय मुझे अपने परिवार का भरपूर प्यार और समर्थन मिला और मेरे माता-पिता और दादा-दादी ने प्रेरणा देते हुए कहा था कि परिस्थितियां चाहे कैसा भी हो अपने लक्ष्य से ध्यान कभी भी विमुख नहीं होने देना और परिश्रम का फल सदैव ही मीठा होता है और उनके द्वारा प्रोत्साहित करने का ही यह परिणाम है कि पहले हरियाणा सिविल सर्विस की परीक्षा पास की जिसमें तीसरा स्थान हासिल किया और इससे मेरा कॉनफीडन्स लेवल काफी बढ़ गया और मैंने पहले से भी अधिक मेहनत करनी शुरू कर दी और इससे एक बात तो सिद्ध हो गई कि मेहनत का परिणाम हमेशा ही सुखद मिलता है। भारतीय प्रशासनिक सेवा में प्राप्त रैंक के बारे में कहा कि इस परीक्षा के परिणाम के बारे में सब कुछ अनप्रडीकटेबल होता है। लेकिन मुझे खुशी है कि मेरी

मेहनत सफल रही है।

साक्षी के दादा रामचन्द्र जांगिड ने बताया कि साक्षी शर्मा ने पहले प्रयास में ही हरियाणा लोक आयोग द्वारा आयोजित एच.सी.एस. की परीक्षा पास कर ली थी और सबसे बड़ी बात यह है कि साक्षी ने इस परीक्षा में तीसरा स्थान हासिल किया था वह भी नम्बर तो प्रथम स्थान पर आने वाले उम्मीदवार के बराबर ही थे लेकिन प्वाइंट का फर्क था । साक्षी ने इस प्वाइंट के फर्क को कम करने के लिए और अधिक मेहनत और परिश्रम किया जिसका फल आज उसे मिल गया है। उन्होंने कहा कि हमने कभी भी लड़की और लड़के में भेदभाव नहीं किया वह गुजरें जमाने की बात हो गई है।

उनकी दादी श्रीमती बसन्ती देवी जांगिड ने बताया कि उनकी लाडली पोती साक्षी शर्मा ने पहले हरियाणा लोक सेवा आयोग की मैरिट सूची में तीसरा स्थान हासिल करके समाज का गौरव बढ़ाया और अब वर्ष 2022 की आई.ए.एस. की परीक्षा में 220 वां रैंक हासिल करके यह सिद्ध कर दिया कि अगर इस जीवन में आगे बढ़ने की जिजीविषा और उत्कृष्ट लगन हो तो उसके रास्ते में आने वाली सभी बाधाएं और कठिनाइयां अपने आप ही तिरोहित हो जाती हैं और मुझे खुशी है कि आज साक्षी ने न केवल इस परिवार का अपितु जांगिड समाज का भी नाम भी गौरवान्वित किया है। उन्होंने कहा कि वह हमेशा ही परमपिता परमेश्वर से यही प्रार्थना करती रहती थी कि परमात्मा उसे अपना लक्ष्य हासिल करने में सफलता प्रदान करना और मेरी साधना सफल हो गई और भगवान ने उसे अपना आशीर्वाद दे दिया।

साक्षी के पिता अशोक जांगिड, जोकि दिल्ली विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग में अनुभाग अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं, ने बताया कि उनकी बेटी प्रारम्भ से ही मैरिट सूची में रही है और स्कूल में उसने हमेशा ही टॉप किया और सी.बी.एस.सी. में उसने 97 प्रतिशत अंक हासिल किए और हिन्दू कालेज से बी.एस.सी. ओनर्ज मैथ किया है और उसे भारत सरकार से तीन वर्ष तक छात्रवृत्ति मिली है। उसने अपने भारतीय प्रशासनिक सेवा में जाने के सपने को साकार करने के लिए स्नातक से ही अपनी तैयारी करनी शुरू कर दी थी और उसे यह सौभाग्य प्राप्त है कि उसको अपने माता-पिता के साथ साथ दादा से भी उदात्त संस्कार मिले हैं, जिनको आत्मसात करने से साक्षी में एक विशेष प्रकार का आत्मविश्वास पैदा हुआ और जीवन में आगे बढ़ने की जिजिविषा पैदा हुई और यह उनकी लगन का ही परिणाम था कि वह दूसरे प्रयास में सफल हुई है और एक पिता के लिए इससे अधिक गर्व की बात और क्या हो सकती है कि उसकी बिटिया पिता से भी बड़े पद पर नियुक्त हो और वह सभी माता-पिता के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण बने और साक्षी ने यह सब करके दिखलाया है।

साक्षी की मां श्रीमती मधुबाला जांगिड है,ने बताया कि साक्षी बचपन से ही खेलने कुदने की बजाय अपने पढ़ने का विशेष ध्यान रखती और उसकी इसी मेहनत करने की प्रवृत्ति ने सफलता के द्वार तक पहुंचाया है और आज वह भारत देश की सबसे प्रतिष्ठित सेवा आई.ए.एस. बनने की लाईन में लग गई है और कुछ दिन के पश्चात् यह स्पष्ट हो जाएगा कि उसको कौन सी सेवा अलाट होती है। लेकिन अधिकतर सम्भावना आई.ए.एस. मिलने की भी है।

उन्होंने कहा कि इससे पहले भी साक्षी अपनी प्रतिभा का परिचय दे चुकी है जिस समय 2 फरवरी को घोषित हुए एच.सी.एस. परीक्षा के परिणाम में अपने प्रथम प्रयास में ही उसने तीसरी रैंक हासिल करके एक कीर्तिमान स्थापित किया था और इसकी उम्र तो खुद साक्षी को भी नहीं थी कि उसका इतना बेहतर रैंक प्राप्त होगा, लेकिन यह सब उस सर्वेश्वर परमात्मा भगवान की अनुकम्पा से ही संभव हो पाया है। मुझे अपनी बेटी पर गर्व है जिसने अपनी सफलता का एक नया इतिहास लिखा है। भगवान ऐसी बेटियां सब को प्रदान करे।

राज्य सभा सांसद रामचन्द्र जांगड़ा ने साक्षी शर्मा की अप्रतिम सफलता पर बधाई देते हुए कहा है कि

उसने चार महीनों में ही यह सिद्ध कर दिया कि अगर हौसला बुलंद हो तो लहरें भी रास्ता छोड़ देती हैं और इन लहरों में से इन लहरों में से रास्ता बनाया है साक्षी शर्मा जिन्होंने अपनी मेहनत और परिश्रम तथा लगन के बल पर असम्भव को सम्भव करके दिखलाया है। मैंने पहले ही भविष्यवाणी की थी कि वह भविष्य में भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी बन कर समाज और देश का नाम गौरवान्वित करेगी और यह भविष्यवाणी सत्य साबित हुई है। मैं साक्षी के उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करता हूं।

महासभा के, प्रधान रामपाल शर्मा ने कहा कि साक्षी शर्मा ने भारतीय प्रशासनिक सेवा की प्रतिष्ठित परीक्षा पास करके यह सिद्ध कर दिया कि लक्ष्य को आत्मसात करके अगर सार्थक प्रयास किए जाएं तो उसके परिणाम सदैव ही सकारात्मक ही रहता है और साक्षी ने इसी मूल मंत्र को आत्मसात करते हुए पहले एच.सी.एस.ओ और अब आई.ए.एस. बनकर यह साबित कर दिया कि कठोर परिश्रम और सतत पुरुषार्थ का कोई भी सानी नहीं है।मैं साक्षी शर्मा के उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करता हूं।

सम्पादक रामभगत शर्मा।

नरेन्द्र कुमार जांगिड यूनियन बैंक में कृषि फिल्ड अधिकारी बने।

कहते हैं जहां चाह होती है वहां पर राह होती है और इस उक्ति को चरितार्थ करके दिखलाया है आर्य नगर जिला हिसार के रहने वाले नरेन्द्र कुमार जांगिड ने जो हाल ही में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में कृषि फिल्ड अधिकारी के रूप में चयनित हुए हैं।

नरेन्द्र कुमार जांगिड का जन्म 7 जुलाई 1998 को गांव आर्य नगर जिला हिसार में पिता अध्यापक बलजीत जांगिड और माता श्रीमती सुनीता देवी जांगिड के घर हुआ। उल्लेखनीय है कि आर्य नगर हिसार शहर के साथ लगता हुआ वह गांव है जहां से समाज के प्रति समर्पित और समाज के उत्थान के लिए अपना अमूल्य योगदान देने वाले, सदाश्यता की प्रतिमूर्ति और गरीबों की सहायता को अपना ध्येय समझने वाले पंडित जी के नाम से विख्यात पंडित रामजीलाल दो बार राज्य सभा के सांसद रहे। वह हरियाणा के मुख्यमंत्री चौधरी भजन लाल के परम मित्र थे।

पूर्व आई.ए.एस.अधिकारी चन्द्र प्रकाश जांगिड की जन्म स्थली भी यही स्थान है जहां पर वह अपने माता-पिता की गोद में खेल कर बड़े हुए हैं। इसके साथ ही इस गांव में अनेक अधिकारी और कर्मचारी हैं जिन्होंने अपनी मेहनत और परिश्रम तथा प्रतिभा के बल पर इस आर्य नगर का प्रदेश में नाम गौरवान्वित किया है।

अपनी शिक्षा का का उल्लेख करते हुए नरेंद्र जांगिड ने कहा कि उन्होंने अपनी 10 वीं कक्षा आशा वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल पनिहार चौक से सन् 2013 में पास की और उसके पश्चात सन् 2019 में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय हिसार से कृषि में बी.एस.सी. ओनर्ज किया और उसके पश्चात इसी विश्वविद्यालय से कृषि में स्नातकोत्तर की डिग्री हासिल की और उसके पश्चात प्रतियोगिता की परीक्षाओं की तैयारी शुरू कर दी और अब उनका चयन यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में कृषि फिल्ड अधिकारी ग्रेड 1 के रूप में चयनित हुए हैं।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने नरेंद्र जांगिड की सफलता पर बधाई देते हुए कहा है कि परिश्रम और पुरुषार्थ कभी भी व्यर्थ नहीं जाता है और यह इससे सिद्ध होता है कि इनका चयन एक साथ दो पदों के लिए हुआ है। मुझे आशा है कि आप भविष्य में भी इसी प्रकार से अपनी प्रतिभा का परिचय देते हुए जीवन में उन्नति का मार्ग प्रशस्त करेगें। मै आपके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करता हूं।

मदनलाल जांगिड,
आर्य नगर।

प्रशांत शर्मा ने संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित की गई वर्ष 2022 की परीक्षा पास करके 259 वां रैंक हासिल किया।

23 मई को आई ए एस का परीक्षा परिणाम आने के प्रशांत शर्मा यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन के सामने खड़े हुए हैं।

निरन्तर साधना, अथक प्रयास और सतत परिश्रम ये ऐसे अचूक रामबाण है जिसको आत्मसात करने से बड़े-बड़े कार्य भी सिद्ध हो जाते हैं और इसी मूल मंत्र को अपने जीवन का लक्ष्य बनाते हुए प्रशांत शर्मा ने देश की सबसे प्रतिष्ठित सेवा भारतीय प्रशासनिक सेवा और इसकी अनुषांगिक सेवाओं में अपना नाम एक बार फिर शामिल करवाकर सफलता का परचम लहराया है। विनयशील, सच्चाई और सादगी के प्रतीक और अनुशासन में रहने वाले प्रशांत शर्मा ने अपने रैंक में सुधार करते अब 259 वां रैंक हासिल किया है और इससे पहले वह वर्ष 2020 के बैच में डानिक्स में चयनित हुए थे और आज कल वह दिल्ली में ट्रेनिंग कर रहे हैं।

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर 5 जून को हरियाणा सरकार द्वारा आयोजित एक प्रतिभा सम्मान समारोह में प्रशांत शर्मा को सम्मानित करते हुए। उनके साथ खड़े हैं हरियाणा के मुख्य सचिव संजीव कौशल।

प्रशांत शर्मा के दादा लेखराम जांगिड ने कहा कि 23 मई को जिस दिन संघ लोक सेवा आयोग का परिणाम घोषित हुआ और उनको प्रशांत के रैंक के बारे में पता चला तो मेरी खुशी का कोई पारावार नहीं रहा और यह कहते-कहते वह बड़े ही भावुक हो गए और कहा कि परमात्मा का लाख-लाख शुक्र है कि वह कितने सौभाग्यशाली हैं कि आज इस परिवार की दो पीढियों, पहले बेटा नरेन्द्र कुमार और अब उनका चिरंजीवी पोता, प्रशांत शर्मा ने संघ लोक सेवा आयोग की प्रतिष्ठित परीक्षा में सफल होकर इस परिवार को धन्य कर दिया है हरियाणा प्रदेश के इतिहास में ही नहीं अपितु देश के जांगिड समाज में यह पहला अवसर होगा कि एक पिता-पुत्र की जोड़ी भारतीय राजस्व सेवा का हिस्सा बन कर अपने सर्वोच्च दायित्व का निर्वहन करेंगे।

प्रशांत की दादी रेवती जांगिड, जो कि धार्मिक विचारों से ओतप्रोत है, वह अपने पोते की सफलता पर फूली नहीं समा पा रही है और उन्होंने कहा कि मेरे पास परमात्मा का आभार व्यक्त करने के लिए शब्द कम पड़ गए हैं। प्रशांत बचपन से ही अनुशासन में रहने वाला बच्चा रहा है और इसके माता-पिता ने इसे तराश कर हीरा बना दिया है। माता-पिता और दादा-दादी ने जो भी संस्कार प्रशांत को दिए हैं वह अनुकरणीय हैं।

प्रशान्त के पिता सौम्य स्वभाव और शालीनता की प्रतिमूर्ति आयकर विभाग में प्रधान आयुक्त के पद पर सूरत में कार्यरत, डॉ. नरेन्द्र कुमार शर्मा ने अपने बेटे की सफलता पर कहा कि उन्हें आज अपार खुशी हो रही है कि बेटा अपने पिता के बराबर पहुंच गया है। किसी भी माता-पिता के लिए इससे बड़ी उपलबधि नहीं हो सकती है। उन्होंने कहा कि उनकी परमात्मा पर अडिग श्रद्धा और विश्वास है। मैं हमेशा ही इस बात पर विश्वास रखता हूं कि **"होई है वही जो राम रची राख्या"**। प्रशांत ने एक बार सोचा था कि जी-मैट के माध्यम से विदेश में जाकर अपनी उच्च शिक्षा ग्रहण करें क्योंकि उसका बहुत अच्छा स्कोर था और मनचाहे विश्वविद्यालय में उनका प्रवेश हो जाता । लेकिन परमात्मा ने इसके भाग्य में भारत की प्रतिष्ठित सेवा के माध्यम से लोगों की सेवा करना लिखा हुआ है। इस लिए भगवान ने इनकी गाड़ी का पहिया इस प्रतिष्ठित सेवा की तरफ मोड़ दिया जिसके लिए परमात्मा का कोटि-कोटि आभार।

विनम्रता और सहृदयता की प्रतिमूर्ति प्रशांत की मां श्रीमती नवेंन्दू शर्मा ने कहा कि प्रशांत अपने नाम के अनुरूप ही बहुत शांत प्रवृति का है । बचपन से ही बहुत जिज्ञासु रहा है और सबसे बड़ी बात यह है कि उसको पढ़ाई करने के लिए कभी कहना नहीं पड़ता था। उसने अपने पिता से शिक्षा ग्रहण करते हुए उनके आदर्शों का अक्षरशः पालन किया और मुझे खुशी है कि इनके पिता ने इनका पग-पग पर मार्गदर्शन किया।

जिस समय प्रशांत का संघ लोक सेवा का साक्षात्कार था तो इनके पिता जी ने दिल्ली में जाकर प्रशांत का न केवल हौसला बढ़ाया अपितु मार्ग दर्शन भी किया और प्रशांत का साक्षात्कार खत्म होने के पश्चात ही वह सूरत वापिस आए। यह एक पिता की अपने पुत्र के प्रति प्रतिबद्ता को परिलक्षित करता है।

मेरा यह मानना है कि जिस भी प्रतियोगी में दृढ विश्वास, प्रबल इच्छाशक्ति तथा पक्का संकल्प होता है, तो उसके लिए लक्ष्य की प्राप्ति का मार्ग सहज रूप से ही आसान हो जाता है और प्रशांत की सफलता का भी यही रहस्य है। आप सभी जानते ही हैं कि डॉक्टर का बेटा या बेटी डाक्टर तो हजारों की संख्या में मिल जायेगे, लेकिन इस तरह का संयोग जांगिड समाज में बड़ा ही दुर्लभ और अप्रत्याशित है कि पिता और पुत्र संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित परीक्षा में दोनों ही भारतीय राजस्व सेवा में चयनित हुए हो और ऐसे चमत्कार का अवसर केवल भगवान ही दे सकते हैं और इस उपलब्धि द्वारा हरियाणा प्रदेश में जांगिड समाज में एक नया इतिहास लिखा गया है। चंडीगढ़ में 5 जून को हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर जी ने भी प्रशांत शर्मा को सम्मानित किया गया है ।

प्रशान्त शर्मा के ताऊजी श्री सुरेन्द्र कुमार और चाचा जी डॉक्टर हरेन्द्र कुमार ने कहा कि प्रशांत विलक्षण प्रतिभा का धनी है और उसमें प्रत्येक विषय का वस्तुनिष्ठ विश्लेषण करने की अदभुत क्षमता है। प्रशांत का अथाह ज्ञान भी उस प्रशांत महासागर के समान है जिसमें ज्ञान और आत्मविश्वास की लहरें उठती रहती हैं और प्रशांत ने अपने ज्ञान की किश्ती बनाकर लक्ष्य पर अपना ध्यान केंद्रित करते हुए अंततोगत्वा इस प्रतिष्ठित परीक्षा में सफलता हासिल करके एक नई इबारत लिखी है।

प्रशांत शर्मा ने कहा कि वह इस बात का हर संभव प्रयास करेंगे कि किसी भी निरपराध व्यक्ति के साथ अन्याय ना हो और अपने पिता से वह इस विषय में मार्गदर्शन भी लेते रहेंगे। उन्होंने देखा है कि उनके पिता गरीब व्यक्ति की पीड़ा को देखकर सहज रूप से ही द्रवित हो उठते हैं और उनकी यथासंभव सहायता करने का भरसक प्रयास करते हैं ।उनके इन संस्कारों को धारण करते हुए ही मैं जीवन में आगे बढ़ने का प्रयास करुंगा। उन्होंने कहा कि मेरे पिता भारतीय राजस्व सेवा के 1990 बैच के वरिष्ठ अधिकारी हैं और मैंने उनके पदचिह्नों पर ही चलकर और उनके ही निर्देशन में यह सफलता हासिल की है ।

अपनी शिक्षा का उल्लेख करते हुए प्रशांत शर्मा ने कहा कि मैंने 10 वीं और 12 वीं कक्षा सरदार पटेल विद्यालय, दिल्ली से और उसके पश्चात बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस से इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रोनिक्स में इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल की। उसके पश्चात मैंने तीन वर्ष तक मुम्बई की एक वित्त कम्पनी में अनुसंधान अन्वेषक के रूप में कार्य किया । लेकिन परमात्मा ने तो मेरे भाग्य में कुछ और ही लिखा हुआ था और उस जिजीविषा कों पूरा करने और अपनी प्रतिभा का समुचित लाभ लेने के उद्देश्य से मैंने साथ साथ पिता जी के मार्ग दर्शन में संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा की तैयारी भी शुरू कर दी और माता के मातृत्व की छाया और पिता के मार्गदर्शन और भगवान की अनुकम्पा से इस दुष्कर कार्य में सफलता प्राप्त हुई है। मेरी छोटी बहन गीतांजलि शर्मा ने भी मुझे अनन्य स्नेह और प्यार दिया है ।

प्रशांत के नाना डॉ. जगदीश चन्द्र शर्मा जो जीवन पर्यन्त अध्ययन और अध्यापन के कार्य में लगे रहे ,वह कहते हैं कि प्रशान्त शर्मा ने संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित परीक्षा में सफलता हासिल करके न केवल अपने परिवार एवं रिश्तेदारों का नाम गौरवान्वित किया अपितु समाज एवं हरियाणा प्रदेश का भी गौरव बढ़ाया है। पढ़ाई के प्रति समर्पण, जिज्ञासु प्रवृत्ति तथा डॉ. नरेंद्र कुमार जी का मार्ग दर्शन और नवेंदु द्वारा अपने कर्तव्यों और दायित्वों का भलीभांति निर्वहन, गीतांजलि बहन का प्यार एवं हम सभी की शुभकामनाओं एवं आशीर्वाद के फलस्वरूप आज चारों ओर हर्षोल्लास का वातावरण है और प्रशांत को हमारी ओर से हृदय के अंत:करण से हार्दिक बधाई और इस खुशी के अवसर मैं केवल इतना ही कहना चाहता हूं कि –

लाखों में से, हजारों में और फिर सैकड़ों में आना नहीं है कोई आसान।
नरेंद्र जी के हाथों में थी जिसकी कमान, नवेंदु ने नही पड़ने दिया कोई व्यवधान।।
हम सभी के आशीर्वाद एवं शुभकामनाओं से, प्रशान्त ने पूरे किए हम सबके अरमान।।

इनकी नानी श्रीमती कांता शर्मा ने तो पहले ही भविष्यवाणी कर दी थी कि एक दिन प्रशांत अपने माता-पिता का नाम रोशन करेगा और यह बात आज सत्य भी साबित हुई ।

सांसद रामचन्द्र जांगड़ा ने कहा कि प्रशांत की जीवन में आगे बढ़ने की जिजिविषा ने ही उसे वह आत्मविश्वास और आत्मबल प्रदान किया जिससे उसने लक्ष्य हासिल करने में सफलता हासिल की है। मैं उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करता हूं।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने प्रशांत शर्मा की अप्रतिम सफलता पर बधाई देते हुए कहा है कि इससे स्पष्ट होता है कि मेहनत और परिश्रम का कोई भी सानी नहीं है। जिस प्रकार से महादेव के पुत्र गणेश जी के आशीर्वाद से सभी विघ्न और बाधाएं दूर हो जाती है उसी प्रकार से आपके जीवन में आने वाली सभी बाधाएं दूर होकर आप जीवन में आशातीत प्रगति करें और समाज तथा देश की प्रगति में सहयोग करें ।

सम्पादक रामभगत शर्मा।

नैतिक जांगिड ने उत्तर प्रदेश में आयोजित खेलों इण्डिया प्रतियोगिता में रजत पदक हासिल किया।

नैतिक जांगिड ने उत्तर प्रदेश में 25 मई से 3 जून तक आयोजित भारोत्तोलन प्रतियोगिता में रजत पदक हासिल किया।

जो भी खिलाड़ी ईमानदारी और सत्यनिष्ठापूर्वक तरीके से परिश्रम और पुरुषार्थ करता है उसको हमेशा ही विजयश्री हासिल होती है और ऐसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी को सफलता अवश्य ही हासिल होती है और इस उक्ति को सिद्ध करके दिखलाया है उत्तर प्रदेश में 25 मई से 3 जून तक आयोजित भारोत्तोलन चैम्पियनशिप प्रतियोगिता में कांस्य पदक हासिल करके जयपुर के रहने वाले और अग्रवाल कॉलेज जयपुर के विद्यार्थी नैतिक जांगिड ने जांगिड समाज और राजस्थान प्रदेश का नाम गौरवान्वित किया है और इससे पहले भी नैतिक जांगिड ने ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी प्रतियोगिता में रजत पदक हासिल किया था।

भारोत्तोलन में नैतिक की इस कामयाबी पर पर उसके माता-पिता ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि नैतिक जांगिड की अभिरुचि बचपन से ही खेलों में रही है और यही कारण है कि उसने दूसरी बार भारोत्तोलन प्रतियोगिता में रजत पदक हासिल किया है और हमें आशा है कि वह भविष्य में और अधिक परिश्रम और मेहनत करके न केवल एशियन अपितु ओलम्पिक खेलों में भी वह न केवल समाज का अपितु देश का नाम भी गौरवान्वित करेगा।

राज्यसभा के सांसद रामचन्द्र जागड़ा और महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने कहा कि जिस प्रकार से नैतिक जांगिड ने भारोत्तोलन चैम्पियनशिप में लगातार दो बार रजत पदक हासिल किया है उससे उसके माता-पिता के साथ-साथ समाज का नाम भी गौरवान्वित हुआ है और आशा है कि भविष्य में भी वह इसी प्रकार से अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए समाज एवं देश का नाम गौरवान्वित करेगा।

नैतिक जांगिड के उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामनाएं ।

महामंत्री सांवरमल जांगिड।

रिया जांगिड ने इंडिया बुक ऑफ रिकार्ड में नाम दर्ज करवाया।

परमात्मा जिस पर विशेष कृपा करते हैं उसको शोहरत और ख्याति बचपन में ही मिल जाती है और इसका सौभाग्य प्राप्त हुआ है जांगिड समाज की होनहार बेटी रिया जांगिड को जिसको अखिल भारतीय टेनिस संघ की सबसे युवा महिला खिलाड़ी का पुरस्कार प्राप्त करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है।

Youngest finalist for U-12 Girls' Doubles in AITA Championship Series 7

The record for being the youngest finalist for U-12 Girls' Doubles in AITA Championship Series 7 was set by Riya Jangid (born on March 20, 2014) of Mohali, Punjab. She was a finalist in the AITA (All India Tennis Association) Championship Series CS-7 Tournament for under 12 age group Girls' Doubles on December 30, 2022 (held at Mewar Sports Club, Rajsamand, Rajasthan), at the age of 8 years, 9 months and 10 days, as confirmed on February 9, 2023.

रिया के पिता ने कहा कि पूत के पांव पालने में ही दिख जाते हैं और रिया इसका ज्वलंत उदाहरण है। जिस समय वह 4 वर्ष की थी तभी से उसने टेनिस खेलना शुरू कर दिया था और उसकी इस अभिरुचि ने ही आज उसे अखिल भारतीय टेनिस संघ के सबसे युवा महिला खिलाड़ी होने का गौरव प्रदान किया है और यह जांगिड समाज के लिए ही नहीं अपितु पंजाब के साथ-साथ और देश के लिए भी सबसे बड़ी उपलब्धि है।

ओकरेज इंटरनेशनल स्कूल मोहाली की छात्रा रिया जांगिड, जो केवल 8 वर्ष की है और इस आयु में जहां बच्चा खेल की बारिकियों के बारे में भी अच्छी तरह नहीं समझ भी नहीं पाता है उस 8 वर्ष की अल्पायु में उसके लिए अखिल भारतीय टेनिस संघ की सबसे युवा खिलाड़ी का पुरस्कार जीतना एक गौरवशाली गाथा है और इतिहास के पन्नों पर उसकी गौरव गाथा की कहानी लिखी जा रही है क्योंकि उसके द्वारा एक नया इतिहास रचा गया है। यह रिकार्ड रिया जांगिड के नाम दर्ज हो गया है और इतिहास के पन्नों पर स्वर्ण अक्षरों में लिख दिया गया है। रिया जांगिड के बेहतरीन खेल और टेनिस के खेल के प्रति उसकी समर्पण और समर्पित भावना तथा अभिरुचि को देखते हुए ही उसे भारतीय टेनिस संघ ने मान्यता प्रदान की है और इसे इंडिया बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में भी सूचीबद्ध किया गया है।

यहां पर यह बात विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि रिया जांगिड ने मई में हुई अखिल भारतीय टेनिस संघ अंडर-12 चैंपियनशिप प्रतियोगिता में सबसे कम उम्र की भारतीय लड़की का खिताब जीतकर अपनी कीर्ति पताका फहराई है। इससे पहले भी रिया जांगिड ने खेलो पंजाब टेनिस टूर्नामेंट में अंडर-14 का खिताब जीत कर 10000 हजार रुपए का ईनाम हासिल किया था।

राज्यसभा के सांसद रामचन्द्र जांगड़ा ने रिया को उसकी उल्लेखनीय और अतुलनीय उपलब्धियों पर बधाई देते हुए कहा है कि जिस प्रकार से रिया ने टेनिस जगत में इतनी छोटी सी आयु में अद्‌भुत चमत्कार किया है उसका कोई भी सानी नहीं है। आज अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर खेलों का महत्व बहुत अधिक बढ़ गया है और आज भारतीय खिलाड़ियों ने ओलम्पिक खेलों में भी अनेक मैडल जीते हैं और खिलाड़ियों ने देश का नाम गौरवान्वित किया है। उन्होंने समाज के लोगों से आग्रह किया है कि इस प्रकार के उत्कृष्ट खिलाड़ी के लिए आगे आना चाहिए ताकि उसको आत्मबल प्राप्त हो सके। उन्होंने आश्वासन दिया कि वह इस बेटियां के उज्ज्वल भविष्य के लिए जो भी सहायता होगी करवाने का हर संभव प्रयास किया जायेगा। मैं रिया जांगिड के उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करता हूं।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने रिया जांगिड के इस नए कीर्तिमान स्थापित करने और केवल 8 वर्ष की छोटी सी आयु में अखिल भारतीय टेनिस संघ सबसे युवा खिलाड़ी का पुरस्कार जीतना अपने आप में एक अनूठी मिसाल है। जिस प्रकार से रिया ने टेनिस के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को हासिल किया है। यह अनुकरणीय उपलब्धि किसी सौभाग्यशाली व्यक्ति को ही प्राप्त होती है ।

अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के खेलों में रिया ने इतनी-सी छोटी सी आयु में जो नया इतिहास लिखा है उस पर जांगिड समाज को गर्व है। मुझे उम्मीद है कि भविष्य में रिया खेलों के क्षेत्र में एक नया अध्याय अवश्य ही लिखेगी।

मैं महासभा रुपी परिवार की तरफ से रिया जांगिड को बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ।

मनीराम जांगिड, चंडीगढ़।

सन्तों और महात्माओं के सानिध्य में सम्पन्न हुआ भव्य प्राण प्रतिष्ठा समारोह।

जीवन में परमात्मा अपनी मातृभूमि का ऋण उतारने का परम सौभाग्य किसी-किसी भाग्यशाली व्यक्ति को ही प्रदान करता है और उन सौभाग्यशाली मनुष्यों में शामिल हैं, धार्मिक प्रवृत्ति के धनी, सन्त महात्माओं के सानिध्य की अनुभूति का आत्मबोध करने वाले, उदारमना और समाज के प्रति समर्पित, परोपकार की भावना से ओतप्रोत ख्यातिप्राप्त एडवोकेट फरीदाबाद के नरोत्तम लाल जांगिड, जिन्होंने परमात्मा की अनुकम्पा से अपने पैतृक गांव बास नानग, अजाड़ी कलां, जिला झुन्झुनू में महान सन्तो और महात्माओं के सानिध्य और उनकी गरिमामय उपस्थिति में हनुमान, मंदिर परिसर में भगवान् श्री राम दरबार, राधाकृष्ण, शिव पार्वती, लक्ष्मी नारायण, जगत जननी माता लक्ष्मी, दुर्गा मां, शुभता का प्रतीक गौरी पुत्र गणेश, सरस्वती, गंगा, अन्नपूर्णा और भगवान विश्वकर्मा की मूर्तियों का प्राण प्रतिष्ठा समारोह का आयोजन करके अपनी मातृभूमि का ऋण अदा किया है और परमात्मा यह पुनीत अवसर जीवन में किसी-किसी विरले सौभाग्यशाली को ही प्रदान करता है और वह भी जिस पर परमात्मा भगवान की असीम अनुकम्पा हो।

इस अवसर पर महादेव प्रसाद-भोला राम जांगिड सेवा सदन ट्रस्ट नानग अजाड़ी कला के द्वारा भगवान की शक्तियों से परिपूर्ण दिव्य शक्तियों और श्रद्धा के पात्र देवी-देवताओं की प्राण प्रतिष्ठा, शंख ध्वनि और वेद मंत्रों की गुंजायमान कर्ण प्रिय ध्वनि के बीच बड़े ही गरिमा पूर्ण ढंग से की गई और उल्लेखनीय है कि इस हनुमान मंदिर परिसर में भगवान शिव परिवार की प्राण प्रतिष्ठा पहले से ही की हुई है। जहां पर गांव के लोग पूजा अर्चना करके अपनी मनोकामना पूर्ण करते हैं। इस प्राण प्रतिष्ठा समारोह के कार्यक्रम का आयोजन पांच दिन तक चला पहले दिन 21 मई को एक विशाल कलश शोभा यात्रा भी निकाली गई और रामचरित मानस का पाठ किया गया और उसके पश्चात सन्त महात्माओं ने अपनी ओजस्वी वाणी से श्रद्धालुओं को भक्ति रस रुपी गंगा की अमृत धारा में सराबोर किया गया और 25 मई को प्राण प्रतिष्ठा समारोह का आयोजन किया गया।

इस प्रतिष्ठित समारोह के मुख्य अतिथि श्री रुपाणा धाम बाला जी मंदिर भीमसर के परम पूज्य सन्त महन्त पवन महाराज गुरु जी, श्री श्री 1008 बालमुकुंदाचार्य और विशिष्ट अतिथि झुंझनू के पीठाधीश्वर महंत ओम नाथ, सीकर के महंत बलवीर दास, देहरादून के पीठाधीश्वर योगेंद्र नाथ एवं महामंडलेश्वर गुरु मां मेघना ब्यावर थे और इस कार्यक्रम की अध्यक्षता महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने की ।

इस पुनीत अवसर पर कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्री विश्वकर्मा की पूजा अर्चना व आरती के साथ किया गया और सरस्वती स्कूल बड़ागांव की छात्राओं ने सरस्वती वंदना करके श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। ट्रस्ट के मुख्य प्रवेश द्वार पर सभी अतिथियों का तिलक और बैज लगाकर तथा श्रीराम का पटका पहना कर ट्रस्टी श्रुति तथा लन्दन से भावना शर्मा, जयपुर से कल्पना शर्मा और दीया जांगिड ने पलक पांवड़े बिछाकर आगुन्तको का स्वागत किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने कहा कि महासभा के अनुशासन समिति के सदस्य और अधिवक्ता एन.एल.जांगिड समाज के प्रति पूर्णरूप से समर्पित है और ट्रस्ट के

माध्यम से इन्होंने जनसेवा का आदर्श चुना है और यह अपने आप में एक कीर्तिमान है। ऐसे धार्मिक कार्य लोगों को संगठित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस बात में कोई अतिशयोक्ति नहीं कि वह समाज की भलाई के लिए पूर्णरूप से समर्पित हैं। उन्होंने कहा कि धर्म का कार्य किसी भी व्यक्ति को व्यक्तिगत, सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक सभी स्तरों पर प्रभावित करता है और इसके साथ ही धर्म किसी भी समाज में एकजुटता का अहसास भी दिलाता है। धर्म की वजह से लोगों की विचारधाराओं में समानता होती है और जिसके कारण एक दूसरे से जुड़ाव महसूस करते हैं और सामुहिक उन्नति के लिए अग्रसर होता हैं। उन्होंने सामाजिक उत्थान पर विशेष बल देते हुए कहा कि हमें संगठित होकर, हमारे संगठनों द्वारा चलाई जा रही मुहिम में शामिल होकर इन्हें सफल बनाने का प्रयास करना चाहिए । जैसे समाज की जनगणना का कार्य एक विशेष अभियान चलाकर पूरा किया जाना चाहिए और 3 सितम्बर को जयपुर में महाकुंभ का आयोजन किया जा रहा है और इसको सफल बनाने के लिए महासभा का तन-मन और धन से भरपूर सहयोग करें।

हाथोज धाम जयपुर के श्री श्री 1008 बालमुकुंदाचार्य ने दीप प्रज्ज्वलित करने के पश्चात उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए नरोत्तम लाल जांगिड द्वारा अपनी जन्मभूमि पर किए जा रहे लोकहितार्थ और जनसेवार्थ धार्मिक कार्यो की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि यह परमात्मा का आशीर्वाद है कि जिन्होंने उनको यह प्रेरणा दी है और शक्ति प्रदान की है। उन्होंने कहा कि जीवन में धनोपार्जन तो हर कोई कर लेता है, लेकिन धन आने के बाद अपनी जन्मभूमि से जुड़ाव एवं धन का सदुपयोग विरले पुरुष ही करते हैं और इनमें उदार प्रवृत्ति के धनी एन.एल.जांगिड भी शामिल हैं। उन्होंने अपने पूर्वजों की याद को जीवन्त बनाए रखने के लिए अपने पूर्वजों को याद रखते हुए जो उत्तम कार्य किए हैं उन कार्यो को जन्म-जन्मो तक याद रखा जाएगा।

महाराज ने कहा कि जांगिड समाज महर्षि अंगिरा का वंशज होने के साथ-साथ एक उच्च कोटि का समाज है और इस समाज के आराध्य देव भगवान श्री विश्वकर्मा जी हैं और आपके पूर्वजों ने देवताओं एवं मानव जाति के विकास के लिए जो अनेक कार्य किए हैं उसी का ही यह परिणाम है कि आज देश आशातीत प्रगति कर रहा है और अगर हम बात बात करें त्रेता युग में भगवान के राम अवतार की तो उस समय रामसेतु का निर्माण, देवी देवताओं के विमान और महलों का निर्माण और स्वर्णाभूषण इत्यादि भगवान विश्वकर्मा की ही देन है और द्वापर युग में भगवान श्रीकृष्ण के अवतार के दौरान भी द्वारकापुरी का निर्माण, सुदामा पुरी का निर्माण, अजंता एलोरा की गुफाएं एवं अनेक इंजीनियरिंग के कार्य आपके पूर्वजों द्वारा ही किए गए हैं और अंत में आशीर्वाद के रूप में कहा कि धर्म के पथ पर चलते हुए अपनी माटी से जुड़े रहें और जितना भी संभव हो सके अपने सामर्थ्य के अनुसार जनसेवा का कार्य करते रहे यही उनका नरोत्तम लाल जांगिड को आशिर्वाद है।

ट्रस्ट के चेयरमैन एन.एल.जांगिड ने इस कार्यक्रम की सफलता का उल्लेख करते हुए कहा कि मुझे नहीं पता कि यह इतना बड़ा और सुव्यवस्थित कार्यक्रम, परमात्मा की अनुकम्पा और उनकी प्रेरणा से निर्बाध रूप से कैसे सम्पन्न हो गया। इस बारे में, मैं केवल इतना ही कह सकता हूं कि करने और करवाने वाला वह परमात्मा स्वयं ही है। मनुष्य का कोई सामर्थ्य नहीं है कि वह उसके आशीर्वाद के बिना कोई भी कार्य पूरा कर सके।

एन.एल.जागिड ने कहा कि मैंने भगवान से प्रार्थना की थी कि हे प्रभु! मेरा मार्गदर्शन करना और यह परमात्मा का चमत्कार ही कहा जाएगा कि इस प्राण प्रतिष्ठा सम्मान समारोह का आयोजन और मुझ जैसे दीन हीन को अपनी सेवा करने का सुअवसर प्रदान किया। उन्होंने कहा कि इस ट्रस्ट के द्वारा इस जन्म भूमि पर पहले भी एक धर्मशाला, 8 वीं कक्षा तक स्कूल और हनुमान मंदिर परिसर बनाया हुआ है।

उन्होंने कहा कि इस ट्रस्ट को कोरोना की विभीषिका के दौरान लोगों की सेवा करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ और इस ट्रस्ट द्वारा कोरोना काल के दौरान जरुरतमन्द लोगों के लिए मेडिकल उपकरण और इसके

साथ ही दवाइयां और आक्सीजन गैस की भी व्यवस्था की गई ताकि संकट के इस समय में लोगों की हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जा सके। इस ट्रस्ट द्वारा सबसे बड़ी घोषणा यह की गई थी कि कोरोना काल के दौरान अगर परिवार का मुखिया या कमाने वाला चला गया तो ऐसे परिवार को आर्थिक संबल देने की घोषणा भी गई और ऐसे परिवार को 6000 रुपए वार्षिक तब तक प्रदान किए जायेंगे जब तक वह परिवार अपने पैरों पर खड़ा नहीं हो जाता है और मुझे खुशी है कि कोरोना काल के पीड़ित परिवारों की ट्रस्ट द्वारा आज भी मानवता के नाते उसी प्रकार से 6000 रुपए आर्थिक सहायता प्रदान करके ऐसे परिवारों की सहायता की जा रही है। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट द्वारा एक और महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है कि समाज के जो बच्चे मैरिट में आते हैं लेकिन उनकी आर्थिक हालत दयनीय है तो ऐसे बच्चों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए ट्रस्ट द्वारा वितीय सहायता प्रदान करने पर गम्भीरता पूर्वक विचार किया जा रहा है ।

इस अवसर पर जिन भाग्यशाली महानुभावों को इस गौरवमय क्षणों का साक्षी बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ उनमें महासभा के महामंत्री सांवरमल जांगिड, प्रदेशाध्यक्ष राजस्थान संजय हर्षवाल, पूर्व सेशन जज जयसिंह जांगिड, आबकारी एवं कराधान विभाग के पूर्व अतिरिक्त आयुक्त आर.के.केशवानिया, लखनऊ विधानसभा के पूर्व विशेष सचिव डॉ. सी.पी. शर्मा, राजस्थान प्रशासनिक सेवा के पूर्व अधिकारी ओपी जांगिड, हरियाणा के प्रदेशाध्यक्ष खुशीराम, दिल्ली प्रदेशाध्यक्ष ओम प्रकाश जांगिड, हिसार के पूर्व पार्षद ओम प्रकाश शर्मा, मोदी स्कूल झुन्झुनू के निदेशक कुरड़ाराम धीवां, समालखा के राजेंद्र शर्मा और उसकी धर्मपत्नी रुक्मणी देवी जांगिड, विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्ष सत्यपाल वत्स, राधेश्याम अग्रवाल, धनपत सिंह जांगिड, राजेद्र शेखावत, फरीदाबाद के उद्योगपति पी.एन.इन्दोरिया, दिल्ली के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष जगदीश जांगिड, एडवोकेट डिप्टी वशिष्ठ जगदीश जांगिड, ईटीओ जींन्द शिव कुमार, हरियाणा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. शेरसिंह जांगिड, महासभा के चुनाव अधिकारी मनोहर लाल, हरिशंकर जांगिड, महेश जांगिड प्रदेश प्रवक्ता महासभा, महासभा के युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष राहुल शर्मा, रोहिताश जांगिड, सम्पादक दीप विश्वकर्मा हरिराम जांगिड, महासभा के पूर्व चुनाव अधिकारी नन्दलाल खण्डेला, चरणपाल, राजेन्द्र शर्मा, सीताराम बरवाडिया, बी.एस.पालीवाल पूना, राजेश जांगिड, राजेन्द्र जांगिड, मनरूप जांगिड, बनवारी लाल, सुनील सिदड़, जगदीश जांगिड, मूलचन्द जांगिड, नथमल जांगिड, सीताराम जांगिड, सहित गांव के गणमान्य लोग शामिल थे।

इसके अतिरिक्त समारोह में चार चांद लगाने वालों में नरोत्तम लाल जांगिड की धर्मपत्नी श्रीमती झीमा जांगिड, पुत्र सुमित जांगिड और हेमन्त जांगिड और पुत्रवधु श्रुति जांगिड शामिल हैं। इसके अतिरिक्त सुल्तान जांगिड, एडवोकेट अवधेश, सरपंच जगदीश और पूर्व सरपंच मातादीन, रायपुर से ओमप्रकाश और उमादत्त, पोकर जांगिड श्रीराम विनोद, बनवारी लाल, बद्रीनाथ, पाली से संन्तोष और सुनील चौधरी, डॉ. अर्जुन, लादूराम, भाई महेंद्र, आनन्द, राकेश और बहनों सहित परिवार के सभी सदस्यों और गांव के प्रतिष्ठित व्यक्ति उपस्थित रहे।

ट्रस्ट के चेयरमैन एन.एल.जांगिड द्वारा सभी आगंतुकों का सम्मान व स्वागत किया गया और इस पुनीत अवसर पर पधारने के लिए आभार व्यक्त किया और कहा कि उनके दादा महादेव प्रसाद जांगिड, पिता भोलाराम जांगिड और माता श्रीमती कमला देवी जांगिड ने उनको जो उदात्त संस्कार प्रदान किए गए उन बेहतर संस्कारों ने जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी है और जिसके कारण ही उनके सपनों को साकार किया जा सका है।

सम्पादक
रामभगत शर्मा।

सन्त परम्परा के कोहिनूर स्वामी कल्याण देव का 21 जून को अवतरण दिवस।

देवघरा चित्त चंचला, कल्यान देवस्य दिवंगते । मानवा मनोदिग्ना, शुक्र तीर्थे च सर्व भारत ।।
कृपा दृष्ट पातन हियस्य मानवा परमार्थरताः । वन्दे देवाधिदेव कल्याण देव सर्वभूत हितेरता ।।

राष्ट्रपति के आर नारायणन 30 मार्च 2000 को राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में स्वामी कल्याण देव को पद्मविभूषण पुरस्कार देकर सम्मानित करते हुए

राष्ट्रसन्त, सन्त शिरोमणी, शिक्षामहर्षि वीतरागी, दया, करुणा और सहृदयता की प्रतिमूर्ति, तीन सदी के युग दृष्टा महान संत व अतिसूक्ष्म आत्मज्ञान के आराधक स्वामी कल्याण देव ने अपने आचरण और सर्व हिताय और सर्वजन सुखाय के मौलिक सिद्धांतों का पालन करते हुए न केवल विश्वकर्मा कुल को सुशोभित किया अपितु सर्व समाज के हित के लिए उच्च आदर्श भी स्थापित किए।

सर्वहित को ध्यान में रखते हुए ही स्वामी कल्याण देव को शिक्षा, स्वास्थ्य और धर्मार्थ सहित सभी क्षेत्रो में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए ही उन्हें पद्म विभूषण पुरस्कार के अंलकरण से सुशोभित किया गया। योगीराज, वीतरागी महान संत ने 129 वर्ष तक बिना चश्मा और बिना लाठी के सहारे जनहित के कार्य अनवरत रूप से पूरे किए और मानवता के लिए एक अनुकरणीय और अनूठी मिसाल कायम की है।

सर्वे भवन्तु सुखिन–सर्वे सन्तु निरामया। सर्वे भद्राणि पश्यन्तु–मां कश्चित दुखभागवेत ।।

स्वामी कल्याण देव ने जीवन पर्यन्त योग, वैराग्य एवं संन्यास रुपी मूल मंत्र को आत्मसात करते हुए जीवन में उदात्त मूल्यों, नैतिकता और उच्च संस्कारों को बढ़ावा दिया। उनका जन्म 21 जून सन् 1876 में बागपत जिले के गांव कोटोना में हुआ और उनका बचपन का नाम कालूराम रखा गया। उन्होंने हरिद्वार और अयोध्या सहित अनेक तीर्थ स्थलों का भ्रमण कर आध्यात्मिक ज्ञान को आत्मसात किया और उन्होंने सन् 1890 में ऋषिकेश में स्वामी पूर्णानंद महाराज से दीक्षा ग्रहण की और गुरुदेव ने इन्हें कल्याण देव के नाम से सुशोभित किया और इस नाम को ही अपने उच्च आदर्श और नैतिक मूल्यों के आधार पर ही स्वामी कल्याण देव ने जीवन पर्यन्त सार्थक किया और अंतिम सांस तक **वसुदेव कुटम्बकम और सर्वधर्म समभाव** की भावना से ओतप्रोत होकर जीवन पर्यन्त जनहित के कार्यो में प्रयत्नशील रहे।

जहां तक स्वामी कल्याण देव के निःस्वार्थ और निष्काम कर्म योग का प्रश्न है। उन्होंने सन् 1894 में ही निष्काम कर्मयोग के सिद्धान्त पर चलने का कठोर संकल्प कर लिया था और वह मानवता के सच्चे उपासक तथा आडम्बर एवं प्रचार से कोसों दूर थे। स्वामी कल्याण देव ने बहुत समय तक उत्तराखण्ड की पुण्य भूमि पर घोर तपस्या की और उन्हें सदमार्ग का रास्ता और ज्ञान उस समय प्राप्त हुआ जिस समय वह खेतड़ी के एक बगीचे में स्वामी विवेकानन्द से मिलें और जहां पर उन्होंने स्वामी जी से यह तीन सबक ग्रहण किए–

1–भगवान के दर्शन गरीबों की झोंपड़ी में होते हैं और वह गरीबों और विशेषकर अनुसूचित जाति के लोगों की विशेष रूप से सहायता करते थे।

2–भगवान के दो पुत्र हैं किसान और मजदूर ।

3–सुबह–सुबह एक तरफ मंदिर की घंटी और एक तरफ दुःख की कराह सुनो तो, दुखी की की सहायता का हाथ

बढ़ाने का काम करो । स्वामी कल्याण देव का जीवन गांधीवादी दर्शन और उनके सिद्धान्तों पर आधारित था। स्वामी कल्याण देव सन् 1915 से कुछ समय तक गांधी के साथ साबरमती आश्रम में भी रहें। स्वामी कल्याण देव नंगे पैर रहकर रुखा सूखा भोजन खाकर, जीवन यापन करते रहे और प्रातः काल गीता को सुनकर गरीबों के दुखों का निवारण करते रहे। सामाजिकता, समानता, नैतिकता, ईमानदारी और परोपकार का पाठ पढ़ाने वाले युग पुरुष सहृदयता के प्रतीक स्वामी कल्याण देव को ऋषि दधीचि की उपाधि से अलंकृत किया गया था। इनकी ख्याति चारों तरफ इतनी अधिक फैल गई कि इनको बड़े-बड़े संत महात्मा और जवाहरलाल नेहरू के पिता मोतीलाल नेहरू, गुलजारी लाल नंदा, राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद, पूर्व प्रधान मंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरु, पूर्व राष्ट्रपति शंकर दयाल शर्मा, पूर्व प्रधान मंत्री विश्वनाथ प्रताप सिंह, अनेकों मुख्यमंत्री और राज्यपालों सहित अनेक महान विभूतियां स्वामी कल्याण देव के दर्शन करने और आशीर्वाद लेने के लिए इनके पास आते थे।

स्वामी कल्याण देव की कर्म स्थली बनी शुक्रताल, जिसका उद्धार करने का संकल्प स्वामी कल्याण देव ने सन 1944 में प्रयागराज संगम पर लिया था और सन् 1945 में इस तीर्थ धाम नवनिर्माण यात्रा का शुभारंभ किया गया और कई वर्षो के उनके सतत् प्रयास, परिश्रम, त्याग और तपस्या से इस पवित्र तीर्थ स्थल का जीर्णोद्धार हुआ, जो आज एक सुन्दर, रमणीक और आकर्षक तीर्थ स्थल बन गया है और आज यह एक विश्व प्रसिद्ध धार्मिक और आध्यात्मिक केंद्र बन गया है और वहां आज भी यज्ञ हवन कथाएं आदि सुचारू रूप से संचालित होती रहती है। शुक्रताल में आवासीय स्वास्थ्य व अन्य सभी व्यवस्था निःशुल्क उपलब्ध हैं। आज शुक्रताल को देश का 68 वां तीर्थ स्थल माना गया है। देश की इस पावन धरा पर हजारो तीर्थो में से 68 तीर्थ अधिक प्रसिद्ध माने गए हैं और इन 68 तीर्थो में से शुक्रताल तीर्थ सर्वश्रेष्ठ मोक्षदायक तीर्थ माना गया है। पूज्य स्वामी चरण दास महाराज के अनुसार शुक्रताल देश के 68 तीर्थो में भी विचित्र और अनोखा तीर्थ स्थल है जो स्वर्ग के समान है। **'अड़सठ तीर्थ माहि अनूपा- मो भाये बैकुंठ सरुपा ।।**

शिक्षा के क्षेत्र में स्वामी कल्याण देव का अविस्मरणीय और अतुलनीय योगदान रहा है। पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश तथा राजस्थान में स्वामी कल्याण देव द्वारा स्थापित और संचालित लगभग 400 संस्थाएं हैं जिनमें प्रमुख रूप से तकनीकी व्यवसायिक, अध्यात्मिक, कन्या हाई स्कूल व प्राथमिक विद्यालय हैं और इसके अतिरिक्त संस्कृत महाविद्यालय, आयुर्वेदिक कॉलेज अस्पताल, योग स्कूल, वर्कशॉप तथा विकलांग बच्चों के विद्यालय एवं अनुसूचित जाति के बच्चों के लिए छात्रावास तथा धर्मशालाएं, गौशाला वृद्धाश्रम और अनाथ आश्रम खुलवा कर स्वामी कल्याण देव ने जो **परोपकाराय पुण्ययाय** का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है वह अतुलनीय है और उनकी इस निःस्वार्थ सेवा भावना को देखते हुए ही भारत सरकार द्वारा उनकी इन निःस्वार्थ सेवाओं के प्रति कृतज्ञता दर्शाते हुए 20 मार्च सन 1982 में तत्कालीन राष्ट्रपति संजीव रेड्डी द्वारा हरिद्वार में आयोजित एक दीक्षांत समारोह में स्वामी कल्याण देव को पदमश्री देकर सम्मानित किया गया और इसके पश्चात मेरठ मण्डल के लोगों द्वारा 26 जून 1982 को स्वामी कल्याण देव का नागरिक अभिनंदन किया गया जिसमें उत्तर प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री विश्वनाथ प्रताप सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

इसी प्रकार स्वामी कल्याण देव को 17 अगस्त 1994 को तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. शंकर दयाल शर्मा द्वारा नन्दा फाउन्डेशन द्वारा स्थापित नन्दा नैतिक पुरस्कार देकर राष्ट्रपति भवन में सम्मानित किया गया जिसमें उन्हें एक लाख रुपए नगद, एक प्रशस्ति पत्र और एक शाल देकर सम्मानित किया गया। इस नन्दा फाउन्डेशन के संरक्षक पूर्व राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह थे और इतना ही नहीं निरपेक्ष और निर्लेप भाव से मानवता की सेवा करने के लिए उन्हें 30 मार्च सन् 2000 को भी तत्कालीन राष्ट्रपति के.आर.नारायणन द्वारा राष्ट्रपति भवन में

आयोजित एक समारोह में पद्म विभूषण पुरस्कार देकर अंलकृत किया गया और इसके अतिरिक्त मेरठ यूनिवर्सिटी द्वारा भी स्वामी कल्याण देव को डी.लिट. की उपाधि प्रदान करके उन्हें गौरवान्वित किया गया। देश के प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई ने भी स्वामी कल्याण देव की गरीबों के प्रति समर्पण और समर्पित भाव को देखते हुए ही स्वामी कल्याण देव को तीन सदी का संत कहा था ।

14 जुलाई 2004 को शुक्रताल के उसी वटवृक्ष के नीचे जहां पर शुकदेव मुनि ने राजा परीक्षित को भागवत की कथा सुनाई थी । वहीं पर एकादशी के दिन लोक कल्याण करते करते 129 वर्ष की आयु पूरी करने वाले महान संत ब्रह्मलीन हो गए। इस महान् संत को स्थानीय लोग सुखदेव जी का अवतार मानते हैं । आज हम गौरवान्वित है कि इस महान विभूति ने हमारे समाज में जन्म लिया और अपनी दयालु प्रकृति और मानवीय संवेदनाओं को आत्मसात करते हुए तीन सदी के महान सन्त होने का परम सौभाग्य प्राप्त किया।

ऐसे धर्मात्मा सन्त पुरुष इस धरा पर भगवान की प्रेरणा से जन्म लेकर अपने उत्कृष्ट कार्यो के माध्यम से संसार के कल्याण का रास्ता प्रशस्त करते हैं। ऐसे महान विभूति सन्त महात्मा के आदर्शो और सिद्धान्तों का पालन करते हुए हम अपने जीवन को सार्थक करने का प्रयास करें ।

स्वामी कल्याण देव के अवतरण दिवस 21 जून के अवसर पर लोक सभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने कहा है कि स्वामी कल्याण देव एक महान् समाज सुधारक और जन सेवक, शिक्षा ऋषि, भागवत कथा उद्गम स्थल शुकतीर्थ शुक्रताल के जीर्णोद्धार कर्ता त्याग तपस्या एवं पुरुषार्थ के प्रतीक स्वामी कल्याण देव के जन्म दिवस मनाना तभी सार्थक और समीचीन होगा कि हम उनके द्वारा स्थापित उच्च आदर्शो और नैतिक मूल्यों को अपने जीवन में आत्मसात करें। उन्होने आशा व्यक्त की है कि आप उनके जीवन से प्रेरणा ग्रहण करके अपने जीवन को सार्थक बनाने का स्तुत्य प्रयास करेंगे।

राज्य सभा सांसद रामचन्द्र जांगड़ा ने भी स्वामी कल्याण देव के अवतरण दिवस पर अपने भाव व्यक्त करते हुए कहा है कि ऐसा समदृष्टिकोण रखने वाले मानवता के प्रति समर्पित और सर्वधर्म समभाव के मूल सिद्धांतों का पालन करने वाले और देश में शिक्षा की अलख जगाने वाले ऐसे महापुरुष युग-युगों में कभी-कभी जन्म लेते हैं। देश में 400 से अधिक शैक्षणिक संस्थानों, अस्पताल, तकनीकी व्यवसायिक प्रशिक्षण संस्थान खोलने वाले इस महान विभूति ने 129 वर्ष के दौरान अपने लिए एक झोंपड़ी का भी निर्माण नहीं किया और इसी निःस्वार्थ समाज सेवा की भावना ने उसे एक महान राष्ट्रवादी सन्त का दर्जा प्रदान किया जो संसार में विरले लोगों को ही प्राप्त होता है।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने उनके जन्म दिवस पर अपने उद्गार व्यक्त करते हुए कहा है कि स्वामी कल्याण देव एक महान राष्ट्र सन्त, वीतरागी, शिक्षा महर्षि और पदमश्री और पद्मभूषण अवॉर्ड से सम्मानित और शुक्रताल को देश के 68 वें तीर्थ स्थल के रूप में विकसित करने वाले स्वामी कल्याण देव ने शुक्रताल तीर्थ स्थल का जीर्णोद्धार करवाकर जो अनूठा उपहार देश को दिया है उसकी जितनी भी प्रशंसा की जाए वह कम है।

निष्काम कर्मयोगी, धर्मनिष्ठ, त्याग मूर्ति और अनन्त विभूति स्वामी कल्याण देव का शुक्रताल की इस पुण्य धरा पर अवतरण हुआ और उन्होंने इस प्राचीन संस्कृति की इस ऐतिहासिक तपोभूमि को **'समुद्धाराय तीर्थस्य सततं मोक्षदायिन'** बना दिया। ऐसे स्वयं सिद्ध महान विभूति के उपदेश को जीवन में आत्मसात करके ही हम अपने जीवन का कल्याण कर सकते हैं।

महासभा की महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष मधु शर्मा।

शानव जांगिड भारतीय नौसेना में सब-लेफ्टिनेंट बने।

देश सेवा का जज्बा और देश प्रेम की भावना से अभिप्रेरित होकर शानव जांगिड ने भारतीय नौसेना में सब लेफ्टिनेंट के पद पर अपनी नौकरी 27 मई को ज्वाइन की है। शानव जांगिड ने कहा कि वह प्रारंभ से ही देश सेवा की भावना से अभिप्रेरित होकर सेना में भर्ती होने के इच्छुक थे और इसी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए ही मैंने अपनी परिकल्पना को मूर्त रूप देने के लिए अपना लक्ष्य निर्धारित किया था ताकि देश की सीमाओं की रक्षा करने का संकल्प पूरा हो सके और हमारे देश की जनता निर्भय होकर रात में शकुन की नींद सो सकें।

उन्होंने कहा कि मेरे माता-पिता की भी यही इच्छा थी कि हम दोनों भाइयों में से कम से कम एक भाई सेना में भर्ती होकर देश सेवा करें और मैं सौभाग्यशाली हूं कि मुझे माता-पिता के सपनों को साकार करने का सुअवसर प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि भारतीय नौसेना की पासिंग आउट परेड 27 मई 2023 को इंडियन नवल अकादमी, एजीमाला, केरला में सम्पन्न हुई और इसमें मुझे सब लेफ्टिनेंट के पद पर इंडियन नेवी की एक्सक्यूटिव ब्रांच में कमीशन प्राप्त हुआ है।

शानव जांगिड ने कहा कि मैंने 3 साल तक नेशनल डिफेंस अकादमी में शिक्षा ग्रहण की और उसके पश्चात एक साल तक इंडियन नवल अकादमी में गहन ट्रेनिंग ली है और इस ट्रेनिंग के दौरान ही मुझे कई अवॉर्ड जीतने का सुअवसर भी प्राप्त हुआ और इतना ही नहीं इसके साथ-साथ प्रशिक्षण अवधि के दौरान ही मैंने अप्लाइड इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन स्ट्रीम में बी.टेक की डिग्री भी हासिल की है।

शानव जांगिड के पिता नवीन जांगिड ने बताया कि शानव ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा सेंट सोल्जर सीनियर सेकेंडरी स्कूल, न्यू पालम विहार, गुड़गांव में पूरी की और उसके पश्चात नान मेडिकल स्ट्रीम में 12वी कक्षा 98 प्रतिशत अंक हासिल करके पास की और इससे न केवल स्कूल का अपितु जांगिड समाज का नाम भी गौरवान्वित किया।

शानव जांगिड की मां श्रीमती नीता जांगिड ने बताया कि शानव प्रारंभ से ही पढाई में उत्कृष्ट रहा है और यही कारण है कि उसने नैशनल डिफेंस एकेडमी की परीक्षा और उसके बाद कर्मचारी चयन आयोग का साक्षात्कार भी अपने पहले प्रयास में ही क्लियर कर लिया था और शानव ने ऑल इंडिया स्तर पर 85 वां रैंक हासिल किया। शानव जांगिड की पहली पोस्टिंग सब लेफ्टीनेंट के पद पर इंडियन नेवी की एक्जीक्यूटिव ब्रांच में आई.एन.एस. कोलकाता, मुंबई में हुई है ।

राज्य सभा सांसद रामचन्द्र जांगड़ा ने शानव जांगिड के नौसेना में सब लेफ्टिनेंट बनने पर बधाई देते हुए कहा है कि यह बड़े ही गर्व की बात है कि उन्होंने देश सेवा के जज्बे से अभिप्रेरित होकर भारत की शान नौसेना में भर्ती होकर देश सेवा करने का मौका मिलेगा और वह बड़ा भाग्यशाली है कि उसने माता-पिता के सपनों को साकार किया है। मैं उसके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करता हूं।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने शानव जांगिड को सब लेफ्टिनेंट बनने पर बधाई देते हुए कहा है कि देश सेवा और भारत माता की सुरक्षा करने के लिए भारतीय सेनाओं में शामिल होकर सेवा करने का सौभाग्य किसी सौभाग्यशाली व्यक्ति को ही मिलता है और शानव उन भाग्यशाली नवयुवकों में शामिल हैं जिनको अपना संकल्प पूरा करने का सुअवसर प्राप्त होगा। मैं शानव जांगिड के उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करता हूं।

महामंत्री सांवरमल जांगिड

खुशी रानी जांगिड ने खेलो इंडिया खेल में जीता रजत पदक।

जीवन में परिश्रम और पुरुषार्थ ही दो ऐसे मूलमंत्र है जिसका अनुपालन करने से सफलता हासिल करने में कोई भी कठिनाई नहीं आती है। इस मूल मंत्र को आत्मसात करते हुए ही गांव पिरथला जिला फतेहाबाद की रहने वाली खुशी रानी जांगिड ने खेलो इंडिया खेल प्रतियोगिता में 65 किलोग्राम भारवर्ग में कुश्ती खेल में बेहतर प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीता है।

खुशी रानी जांगिड के पिता बलजीत जांगिड ने बताया कि वाराणसी, उत्तर प्रदेश में 24 से 29 मई तक आयोजित खेलो इंडिया खेल प्रतियोगिता में खुशी रानी जांगिड ने कुश्ती के खेल में बेहतर प्रदर्शन करते हुए रजत पदक हासिल करके समाज एवं देश का मान और सम्मान बढ़ाया है। खुशी रानी जांगिड ने गांव उमरा की मुस्कान को 6-1 के स्कोर से पटखनी देते हुए इस प्रतियोगिता में दूसरा स्थान हासिल करके रजत पदक अपने नाम किया है। खुशी की इस उपलब्धि ने हमें गौरवान्वित किया है। खुशी को उसकी उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए अनेक लोगों ने बधाई दी है।

खुशी जांगिड ने 24 से 29 मई तक वाराणसी में आयोजित खेलों इण्डिया खेल में कुश्ती में कांस्य पदक जीता।

आजकल खुशी सोनीपत के युद्धवीर अखाड़े में कुश्ती के नए-नए गुर सीख रही है और इसके साथ ही वह नागपुर से बी.पी.एड. भी कर रही हैं और यह द्वितीय वर्ष की छात्रा है। खुशी की मां श्रीमती सपना देवी जांगिड ने बताया कि खुशी रानी जांगिड ने 2018 में कुश्ती के गुर सिखने शुरू किए थे और आज कल वह सोनीपत के युद्धवीर अखाड़े में कुश्ती की तैयारी करती है व साथ मे सोनीपत के जेवीएम कॉलेज में बीए तृतीय की छात्रा भी है। खुशी के पिता एक किसान हैं और उन्होंने कहा कि हमारे दो बेटी और एक बेटा है और तीनो की अभिरुचि खेलों में है और तीनों ही बच्चे खेल के क्षेत्र में अपना भविष्य अजमा रहे है।

खुशी रानी जांगिड ने कहा कि वह इस उपलब्धि का श्रेय अपने कोच कुलबीर सिंह राणा व सीमा राणा को देती है जिन्होंने मेरी कुश्ती में अभिरुचि को देखते हुए बेहतर तरीके से तराशने का काम किया है। उन्होंने कहा कि खेलो इंडिया में रजत पदक जीतने पर हरियाणा सरकार की तरफ से 10 हजार रूपये प्रति माह स्कॉलरशिप दी जाएगी। उन्होंने कहा कि पहले भी मैने कई मैडल जीतकर अपने नाम किए हैं जिनमें 3 दिसंबर 2022 को बहादुरगढ़ में हुई सीनियर स्टेट कुश्ती प्रतियोगिता में रजत पदक हासिल किया था और इसी प्रकार 18 मार्च 2023 को हुई जूनियर कुश्ती चैंपियनशिप में भी उसने कांस्य पदक अपने नाम किया था।

राज्य सभा सांसद रामचन्द्र जांगड़ा ने खुशी जांगिड को उसकी उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए शुभकामनाएं और बधाई देते हुए कहा है कि परिश्रम और पुरुषार्थ कभी भी व्यर्थ नहीं जाता है और जिस प्रकार से लड़कियां आज खेलों के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का जोहर दिखला रही है उससे यह स्पष्ट होता है कि खेलों में देश का भविष्य उज्ज्वल है। मैं खुशी जांगिड के उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करते हुए यह आशा करता हूं कि वह भविष्य में भी इसी प्रकार से अपने श्रेष्ठ खेल का प्रदर्शन करते हुए देश का नाम गौरवान्वित करेगी।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने खुशी रानी जांगिड की इस उपलब्धि पर महासभा रुपी परिवार की ओर से हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा है कि आने वाले समय में खुशी अपनी प्रतिभा और दक्षता के आधार पर कुश्ती के खेल में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए न केवल समाज का अपितु प्रदेश और देश का नाम भी गौरवान्वित करेंगी। मैं उसके उज्ज्वल भविष्य के लिए मंगल कामना करता हूं।

बलवान जांगिड, टोहाना।

महासभा के प्रधान बनने का सपना कभी भी नहीं रहा।

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के प्रधान रामपाल ने 7 मई को जयपुर में विश्वकर्मा टूडे के सम्पादक नरेश शर्मा को, जो विश्वकर्मा टूडे मासिक पत्रिका के सम्पादक के साथ-साथ अपना यू-ट्यूब चैनल भी चलाते हैं, को अपना साक्षात्कार दिया और उन्होंने इस इन्टरव्यू में बड़ी स्पष्टता और बिना किसी दुराव छिपाव के अपने दिल की बात समाज के सामने खोल कर रख दी। जिसका सारांश इस प्रकार है-

विश्वकर्मा टूडे के सम्पादक नरेश शर्मा, महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा का साक्षात्कार लें रहें हैं।

प्रश्न- हम आपके शुरुआती जीवन के बारे में जानना चाहेंगे।

इस प्रश्न का उत्तर देते हुए मानवीय मूल्यों के प्रति संवेदनशील, सादगी सरलता और सहजता की प्रतिमूर्ति तथा धार्मिक विचारों से ओतप्रोत प्रधान रामपाल शर्मा ने ऐसे लोगो को एक संदेश देने का प्रयास किया है कि इस जीवन में मेहनत का कोई भी सानी नहीं है और अपने आप पर भरोसा और परमात्मा पर विश्वास होना चाहिए । प्रधान ने अपने परिश्रम और पुरुषार्थ से जो मंजिल हासिल की है और उन्होंने अपने साक्षात्कार में कुछ भी छिपाने का प्रयास नहीं किया है अपितु समाज को यह बताने का प्रयास किया है कि वह एक बहुत ही साधारण परिवार में पैदा हुए हैं और उनके पिता एक कारपेंटर का काम करते थे और मैं स्कूल जाता था और उस समय हमारे घर की आर्थिक स्थिति बहुत ही कमजोर थी ।

उन्होंने आगे कहा कि मेरे मन में हमेशा ही एक ही विचार कोंधता रहता था कि इस जिंदगी में कुछ करना है । मूलरूप से गांव सोडावास जिला अलवर के रहने वाले रामपाल शर्मा पिता गोवर्धन और माता श्रीमती भगवती देवी के घर पैदा हुए और जीवन में अपनी अप्रत्याशित सफलता का उल्लेख करते हुए उन्होंने बेबाकी से कहा कि दिल्ली जाने से पहले मैं अधिकतर काम पिताजी के साथ पहले ही सीख चुका था और दिल्ली जाने तक एक मीडियम कारीगर बन चुका था ।

उन्होंने कहा कि मेरे एक बड़े भाई फूलचंद जांगिड हैं जो उस समय दिल्ली में काम करते थे और जिनके मार्गदर्शन में उनके पास काम करने लगा और भाई साहब के साथ रहकर तो मैं काफी काम सीख गया था। हम दो भाई और 6 बहनें हैं। लेकिन दिल्ली आने से पहले जिस समय जब वह गांव में पढ़ाई कर रहे थे तो पढ़ाई के टाइम भी उनके दिमाग में यही एक विचार और एक यक्ष प्रश्न निरन्तर उनके मन में कोंधता रहता था कि जीवन में कुछ बड़ा करना है। उन्होंने इसका उल्लेख करते हुए कहा कि मैं स्कूल से जैसे ही आता था तो अन्य सभी बच्चे खेलने के लिए चले जाते थे,लेकिन मैं कुछ न कुछ जैसे खिलौने वगैरह बनाता रहता था।

प्रधान रामपाल शर्मा ने स्पष्ट कहा कि स्कूल से घर आने के पश्चात् कुछ इस तरह का काम करता था कि जिससे कुछ पैसे एकत्रित कर सकूं और परमात्मा की अनुकम्पा से इस परिश्रम का फल निरन्तर मिलता ही गया और मुझे इतनी अधिक जिज्ञासा और शौक था कि मैं बहुत सारे लकड़ी के खिलौने अपने हाथ से तैयार करता था और इतना ही नहीं मैं अपनी आजीविका चलाने के लिए खिलौने तैयार करके मेले में बेचने भी जाता था और मुझे बचपन से ही उस टाइम से ही इस काम में इतनी अधिक अभिरुचि थी और उन्होंने बड़े ही खुले मन से स्वीकार किया कि पढ़ाई में उनका बिल्कुल दिमाग ही नहीं चलता था, सिर्फ और सिर्फ काम में ही दिमाग चलता था। मैं निरंतर पुरुषार्थ और काम करता चला गया। दिल्ली में मैंने 10 वर्षो तक कार्य किया

और इस दौरान उन्होंने बड़ी ईमानदारी और सत्य निष्ठापूर्वक काम किया।

अपनी सहभागिता और कारोबार की सफलता का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि एक बार मैं किसी काम से बैंगलोर गया और वहां पर बैंगलौर में जब मैंने देखा तो वहां के लोग बहुत ही अच्छे हैं और ईमानदार हैं और वहां का क्लाइमेट भी बहुत अच्छा है और इसके अतिरिक्त बैंगलौर में उस समय जो आर्किटेक्ट लोग थे उनका मेरे प्रति उनकी उदारता और कुशल व्यवहार बहुत ही प्रशंसनीय था और यही कारण था कि मैं उनके व्यवहार से अभिभूत हो गया। मेरी सफलता का रहस्य पुरुषार्थ और परमात्मा का आशीर्वाद ही है क्योंकि मेरे पास मेहनत रुपी ईमानदारी का ही एक अस्त्र था और कोई डिप्लोमा तो था नहीं, लेकिन मेहनत और ईमानदारी के बल पर एक शुरुआत की और मैंने बैंगलोर में ठेके लेकर काम करना शुरू किया और उस समय मैं लेबर रेट पर काम करता था तथा उसके बाद मैंने उनके साथ मिलकर काम शुरू किया।

प्रधान ने कहा कि मैंने गरीबी का दंश का बड़े ही नजदीक से झेला है और इसे स्वीकार करने में मुझे कोई गुरेज नहीं है। उन्होंने कहा कि बैंगलौर में, मैंने रॉयल इन्टीरियर के नाम से एक कम्पनी बनाई और जीवन में मेरा एक ही सपना था कि इस जीवन में कुछ करना है, क्योंकि हमारे पिताजी के समय में बहुत सारी चीजें अलग थी और बहुत सारी परिस्थितियां भी भिन्न थी। हम लोगों ने हमारे परिवार के लोगों ने गरीबी की सीमा रेखा के नीचे जीवन यापन किया है। मैंने जीवन में बस एक संकल्प लिया था और उसके बाद काम करते गए और निरन्तर आगे बढ़ते गए क्योंकि मैं एक बेहतरीन कार्य करने वाला था और एक अच्छा कारपेंटर भी था और उसके अतिरिक्त मेरी बड़ी-बड़ी कंपनियों से जान पहचान भी हो गई और इनमें जैसे कि वर्ल्ड ऑफ पैटर्न, टाइटन सहित बहुत सारी कम्पनियां शामिल हैं। जैसे टाइटन आइ प्लस है, टाइटन, वर्ल्ड ऑफ पैटर्न है, तनिष्क है, टाटा का फिर टनेरा है उनका साड़ी का शोरूम है उसमें बहुत सारे ब्रान्ड है। टाटा का मदुरा गारमेंट्स का, अरविंद का इनका काम मैं परमानेंट करने लगा तो 30 से 32 साल पहले हमने इन कंपनियों के साथ में डायरेक्ट काम शुरू कर दिया और इससे बड़ी उपलब्धि यह है कि अभी तक हम करते हुए ही आ रहे हैं। बचपन में, मेरे जो सपने थे उससे भी 1000 गुणा सपने पूरे किए भगवान ने, तो इस तरह से मेरा यह जीवन का बहुत साधारण रहा है लकड़ी के खिलौने बनाने से शुरू होकर आज यहां तक पहुंचा हूं।

प्रश्न न. 2- प्रधान जी, आज तक के इस सफर के बारे में थोड़ा सा विवरण देने का कष्ट करें और व्यवसाय में आज की क्या पोजीशन है इसके बारे मे थोड़ा सा बताएं।

प्रधान जी कहते हैं कि आज की पोजीशन यह है की अभी हमारी जो फर्म है उसको तीन-चार फर्म को मिलाकर उनको मर्ज करके हमने एक फर्म बनाई है, इंटीरिओ क्रॉफ्ट प्राइवेट लिमिटेड उसमें हम मिलकर काम करते हैं वैसे तो मेरा सबसे ज्यादा काम रिटेल का ही है। लेकिन मैं शोरूम्स ज्यादा बनाता हूँ और उसके अलावा ऑफिस का भी काम आ जाता है और होटलों का भी काम किया है। उसके अलावा मेरे खुद के अपने रिटेल के शोरूम है जैसे यूएस पोलो यह अरविन्द की एक ब्रांड है। फ्लाइंग मशीन अरविंद की ब्रांड है। एक विराट कोहली का ब्रैंड है, उसका भी मेरा एक अपना शोरूम है हैदराबाद में, एक बैंगलोर में और इस तरह के रिटेल के करीब 15 से 20 शोरूम है और एक कॉफी जैसे स्टारबक्स है ऐसे ही एक उसका नाम है थर्डवे उसके लिए दो, तीन कॉफी की शोरूम्स है। उसके अलावा छोटा-मोटा काम है, रिटेल में भी अभी मेरा काम चलता है और मेरा इन्टीरीअर में भी काम चल रहा है। बाकी का जो मेरे तीन बेटे हैं। तीनों को

अलग-अलग से काम निर्धारित किया हुआ है और वह सभी अपना-अपना काम कर रहे हैं। सबको सेपरेट-सेपरेट काम बांट दिए हैं और अभी मेरा इन्वॉल्वमेंट बिल्कुल नहीं है। मैं बिल्कुल अभी आप यूं कहें कि मैं बिल्कुल रिटायर हूँ।

प्रश्न नं.3. समाज में आपका रुझान कैसे हुआ?

मुझे पता ही नहीं था कि महासभा क्या है और उससे पहले बता दूं कि मेरे पिताजी बहुत ही साधारण व्यक्ति थे और बहुत इमोशनल टाइप के व्यक्ति थे, उनका यह एक सपना था और मेरा भी यही सपना था कि जो मैं पढ़ाई नहीं कर सका। मैंने सोचा कि उस टाइम से ही मेरे को इस चीज से बहुत ही लगाव रहा है कि मैं किसी की मदद करूँ तो एजुकेशन के लिए कुछ करूँ। क्योंकि एजुकेशन बहुत बड़ी चीज है और शिक्षा के लिए हमारे गांव में एक प्राइमरी स्कूल ही था और वह स्कूल कन्या पाठशाला थी और वह भी केवल पांचवी क्लास तक थी। गांव में शिक्षा को बढावा देने के लिए अपने प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि हमारे गांव में एक मेरा एक दोस्त है और उसके साथ मिलकर और इसके अतिरिक्त हमारे एक एक्स. एम.एल.ए. थे उस टाइम पर वह भी हमारे साथ में लग गए और सभी ने कोशिश करके हमने उस स्कूल का दर्जा बढ़वाकर दसवीं कक्षा तक करवा दिया था और वर्ष 2007-08 में इस स्कूल का दर्जा 10वीं तक बढ़वाने के लिए उसमें हमने दो बड़े-बड़े हॉल बनाए और तीन कमरे भी बनाए और हॉल के सामने बड़े-बड़े बरावंदे भी बनाए । उस समय की तत्कालीन राजस्थान की मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया ने इसके लिए हमें सम्मानित भी किया था। फिर हर जगह छोटा-मोटा जो भी धार्मिक समारोह या और कोई जो कुछ भी काम होता है तो मेरे सामने हमेशा ही मेरे पिताजी की तस्वीर रहती हैं। मेरे पिताजी की एक इच्छा रहती थी कि और वह खुद बोल भी देते थे कि बेटा एक जमाना था कि जिसमें हमने अभावों में जीवन व्यतीत किया है और हमें अनेक परेशानियां उठानी पड़ी हैं। इसलिए गरीबों की यथासंभव हेल्प करो और उनकी मदद करो। पिताजी के आदेशों का पालन करते हुए सबसे पहले मैंने मेरे रिश्तेदारों की मदद की और जरुरतमन्द मेरे भाई बन्दुओं की मदद की और जिसको बिजनेस में लेकर आना था, उनको बिजनेस में लेकर आया और जो भी सहायता और हेल्प मेरे से बनती थी मैंने उसको पूरा करने का प्रयास किया और उसके अलावा आज जो भी परमात्मा सर्वेश्वर भगवान मुझे दे रहा है तो उसके हिसाब से बाकी की जो भी हेल्प होती है वह मैं हमेशा ही करने का प्रयास करता हूँ।

प्रश्न न. 4. समाजसेवा से प्रधान तक का सफर आपका कैसा रहा।

इस प्रश्न का उत्तर बड़ी सहजता से देते हुए उन्होंने कहा कि परमात्मा को जो भी मंजूर होता है आखिर हमेशा होता वही है। प्रधान बनने तक का तो मैंने सोचा भी नहीं था दिल में ऐसा कभी विचार ही नहीं आया। इसका विस्तारपूर्वक उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि क्या हुआ कि एक बार हम बैंगलोर में थे। महासभा की तरफ से एक हमारे वरिष्ठ समाजसेवी गुड़गांव के विद्यासागर हैं और उस समय महासभा के प्रधान श्री कैलाश बरनेला थे और उनका कार्यकाल था तो उस टाइम पर वह बैंगलोर आए और उन्होंने गिरधारी लाल को कर्नाटक प्रदेश अध्यक्ष और मुझे उपप्रधान बनाया गया और उसके पश्चात मैंने समाज के कार्यक्रमों में आना-जाना शुरू किया और धीरे-धीरे महासभा के कुछ प्रोग्राम में जाना शुरू किया। यह बात तत्कालीन प्रधान कैलाश बरनेला के दूसरे कार्यकाल की है और उनका कार्यकाल पूरा हो गया था और उस समय कैलाश बरनेला का इन्दौर में एक कार्यक्रम था और उस कार्यक्रम में, कैलाश बरनेला ने हमारा बहुत शानदार स्वागत किया और रुकने की व्यवस्था भी बहुत ही अच्छी थी और समाज बंधुओं का यह कार्यक्रम बहुत ही देखने लायक था और इस कार्यक्रम में उन्होंने सभी समाज बन्धुओं के सामने माइक लिया और उन्होंने सबसे पहले तो

सबको और समाज को बधाईयां दी और सभी का धन्यवाद किया और उसके बाद कैलाश बरनेला ने कहा कि मेरा कार्यकाल कंप्लीट हो गया है और आपने जो मेरा साथ दिया इसके लिए मैं आपको हृदय से बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूँ और वह सब कुछ हमने देखा तो इस बीच में उस समय कुछ समाजबंधु और भी थे और वह ऐसा चाहते थे कि महासभा ने अगर यहाँ तक का सफर तय किया है और समाज को एकता के सूत्र में बांधने का प्रयास किया है तो उसमें मुख्य भूमिका और मेन रोल कैलाश बरनेला ने अदा किया है । उस समय हरियाणा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. शेर सिंह जांगिड ने माइक लिया और उन्होंने कहा कि हम यह चाहते हैं कि अपने कार्यकाल के दौरान आपके द्वारा कही पर भी महासभा के लिए जमीन खरीदी जाए । तो उस समय कैलाश बरनेला ने कहा कि हमारे संविधान में इसकी कोई व्यवस्था नहीं है। वहां पर उपस्थित लोग फिर नहीं माने और इसमें कैलाश बरनेला की कहीं कोई भी भूमिका नहीं थी। कैलाश बरनेला ने पहले ही क्लियर कर दिया तो वहां पर आए हुए सभी प्रदेश अध्यक्षों ने साइन किए और और कैलाश बरनेला का कार्यकाल बढाया गया तो उस समय हम लोग मौजूद थे और मैं वहाँ मौजूद नहीं होता तो शायद आज मैं महासभा से नहीं जुड़ा होता ।

उन्होंने कहा कि जिस तरह से वहां पर बातें हुईं और हम लोग बैंगलोर जाने के लिए तैयार हुए तो वहाँ पर वॉट्सऐप पर मैसेज आने लगे कि आज महासभा के संविधान की हत्या और महासभा का काला दिन, पता नहीं लोग वहां पर क्या-क्या कहने लगे। मैं बोला यह कैसे हुआ? फिर बाद में, मैं भी वहां पर मौजूद था तभी मैंने देखा कि कैलाश बरनेला जैसा महान समाज सेवक समाज के लोगों को मिलना मुश्किल है और इतना सब कुछ सुनकर और इतनी गालियां सुनकर और इतना काम करना और वह भी महासभा के लिए करोड़ रुपए देना और तब भी इतना कुछ सुनना पड़ रहा है। उस टाइम भी मैंने महासभा के लिए 51 लाख रुपए देने की घोषणा की थी और कैलाश बरनेला ने इस सबसे बड़ी अमाउंट राशि के बारे में लोगों को बताया था तो उन्होंने वहां पर सोचा कि समाज को तो खुश होना चाहिए, लेकिन कुछ चंद लोगों ने कैलाश बरनेला को बदनाम करने की कुचेष्टा की और इनको बदनाम किया। लेकिन हमारे दिल में आज भी उनके प्रति सम्मान है और उस दिन भी था और उस दिन वह सम्मान और बढ़ गया और हम एक दूसरे को जानने लगे, कैलाश बरनेला से बातें होने लगीं और आपस में मिलने लगे। मेरा ऐसा कहीं भी 100-100 कोस दूर-दूर तक भी ऐसा कोई विचार नहीं था कि मैं कभी महासभा का प्रधान भी बनूँगा और सबसे पहला चुनाव भी मैंने महासभा के प्रधान पद का चुनाव लड़ा और मैं उन सभी लोगों का कृतज्ञ हूं जिन्होंने प्रधान के चुनाव के दौरान जबरदस्त प्यार दिया और विशेष रूप से मैं आभार व्यक्त करना चाहता हूं महासभा के पूर्व प्रधान रवि शंकर शर्मा का जिन्होंने मेरा कदम-कदम पर मार्ग दर्शन करके मेरा हौसला बढ़ाया और प्रधान के प्रतिष्ठित पद को सुशोभित करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

प्रश्न न.5 समाज में आपका जो योगदान रहा है, उसके बारे में थोड़ा सा विस्तार पूर्वक बताऐं ।

इस प्रश्न का बड़ा ही सटीक उत्तर देते हुए उन्होंने स्पष्ट कहा और कोई दुराव और छिपाव नहीं किया और जहां तक समाज के योगदान के बारे में है इसके बारे में, में एक दम से कुछ नहीं बता सकता। लेकिन मैंने समाज के लिए जो कुछ भी किया है और जो कुछ भी करना वह मैंने एक तरह से फिक्स करके रखा था कि मैं क्या-क्या काम करूँगा और मुझे कितना समाज के लिए रखना है या कितना मुझे दान धर्म के लिए रखना है। वह पर्सनटेज फिक्स की हुई है, जैसे मैंने बहुत से स्कूलों में कमरे बनवाए हैं, धर्मशाला में कमरे बनवाए। उसके अलावा मैंने बच्चों की एजुकेशन के लिए पांच लाख रुपए दिए हैं और बच्चों को एजुकेशन देने के लिए

बहुत से बच्चों को मैंने पढ़ाया है और भगवान की अनुकम्पा से आज भी मैं पढ़ा रहा हूँ तो इस तरह से मैं जो खर्चा कर रहा हूँ वह भगवान मुझे दे रहा है।'

प्रश्न न. 6. राजनीति में अपना समाज पिछड़ा हुआ है। इसके उत्थान के लिए आपकी क्या अहम भूमिका रहेंगी? ----

हमारा एक यह प्लान चल रहा है कि हम सभी मिलकर जयपुर में एक महाकुम्भ रखे और जिसमे समाज के कम से कम 2 लाख लोग एकत्रित हों। इस बारे में हमारी आज जयपुर में भी बैठक हुई है सब लोगो ने इसको सराहा और सब लोग एकजुट हुए हैं और उसके लिए अभी हम एक डेट की घोषणा करेंगे। उसके लिए तो पहले सभी प्रदेश अध्यक्षों से, जिलाध्यक्षों से फिर से एक बार विचार करके और फिर उसकी डेट की घोषणा करेंगे। हम एक लाख और डेढ़ लाख लोगों की संख्या में एक बड़ा महाकुम्भ करने जा रहे हैं और इसके साथ ही महासभा का अधिवेशन भी हो जाए और इसके साथ ही सरकार को शक्ति प्रदर्शन करके दिखलाया जाए कि हम लोग भी समाज में है क्योंकि अभी तक हमारे समाज में क्या चल रहा था कि हमारी जरूरत जो थी हमारे आज से बहुत पहले से ही हम लोग हम लोगो के पास में क्या है की एक्स्ट्रा हुनर है, इसलिए हमें अगर कोई नौकरी नहीं मिली तो हम हमारा काम कर लेंगे। तो ये हमारे पास एक हथियार था, वो करके हमने कभी सोचा ही नहीं कि हम राजनीति में आएगें और अभी वह हमारा समाज देख रहे हैं। उन्होंने स्वीकार किया कि 20-30 साल से हमारे समाज के लोग बहुत प्रोग्रेस कर रहे हैं, सक्षम भी हुए हैं और लोगों ने देखा और हमारे समाज को कहीं ना कहीं एक स्थान भी दिया गया है और राजनैतिक पार्टियों ने मूल रूप से हमारे समाज में सरपंच बनाए ।हमारे लोग अभी राजनीति में भी आने लगे हैं। राज्यसभा मेंबर रामचन्द्र जांगडा है और सरदूल शहर के जगदीश विधायक हैं और इस तरह से अभी एक शुरुआत हुई है और हम इस मिशन को और आगे लेकर जाएंगे और हम इसमें कामयाब होंगे, ऐसा मेरा मानना है।

प्रश्न न. 7 समाज की वर्तमान परिपेक्ष्य में आप बदलाव के बारे में क्या सोचते हैं।

देखिये, सबसे पहले तो मैं यह चाहता हूँ कि समाज एकजुट हो और मैंने एक काम की शुरुआत की है और जो पहले माला और साफा में जो समय निकलता है वह हमने बहुत ही कम कर दिया है और ना बराबर कर दिया है, क्योंकि लोग आते हैं, अपना समय निकाल के आते हैं और उसके बाद में वह सामने देखते हुए सारे दिन आधा समय तो उसमें माला साफा में निकल जाता है तो मैं उसके बिल्कुल खिलाफ हूँ और महासभा में भी ये कम किया है। हम उतना समय लगाते नहीं है और माला साफा हमने बंद भी किया है। महासभा के त्रैमासिक मीटिंग में या अभी किसी की पर्सनल प्रोग्राम में जाते हैं। चलो वो अलग है लेकिन फिर भी मैंने हर संभव प्रयास किया है और मैंने सबको यही मना किया है। भाई समय वेस्ट मत करो और समाज को सामने। समाज का जो समय जा रहा है, उसमें काम के लिए समय निकालो ।

प्रश्न न. 8- समाज बंधुओं और युवाओं के नाम क्या सन्देश देना चाहेंगे?

हमारे सभी समाज बंधुओं से हाथ जोड़कर निवेदन करता हूँ कि जो आपसी मनमुटाव है उसको बंद करो और आपस में एक होकर समाज के लिए मिलकर कार्य करें लेकिन ऐसा नहीं है कि आप किसी के लिए विशेष किसी विशेष के लिए कर रहे हो। आप समाज के लिए कर रहे हो, आप एकजुट होकर सारा काम करें। मैं आज आपके माध्यम से समाज बंधुओं को यह संदेश देना चाहता हूँ कि सभी वरिष्ठजनों से जो बड़े बड़े महासभा के पदों पर विराजमान हैं या फिर चाहे प्रदेशाध्यक्ष हो या जिलाध्यक्ष हो या हो चाहे मैं ही हो, जिसको आप पक्ष-विपक्ष बोल रहे हो, मैं खुद आपके साथ जाऊंगा और मुझे सब लोगो से रिक्वेस्ट करूँगा

और हाथ जोडकर और सबको एक साथ आने के लिए पूरे प्रयास करुंगा और अगर सब लोग पक्ष-विपक्ष भूल कर के काम करेंगे तो हम अपने मिशन में कामयाब होंगे और बंधुओं इसमें कोई किसी एक को क्रेडिट नहीं जाने वाला है। यह पूरे समाज को क्रेडिट जाएगा, ऐसा मेरा मानना है।

बंधुओं आज हमने समाज हित में काफी अहम बातों के बारे में जानकारी हासिल हुई है और इसके आप सबका बहुत बहुत धन्यवाद

विश्वकर्मा टुडे के सम्पादक नरेश शर्मा ने मुझे यहां बुलाकर जो मान-सम्मान दिया उसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद । विश्वकर्मा टूडे रुपी पौधा आर.पी. शर्मा ने लगाया था और आज इसे पल्लवित और पुष्पित कर रहे हैं नरेश शर्मा । मैं इस मासिक पत्रिका और विश्वकर्मा यू-ट्यूब चैनल के उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करता हूं। अन्त में, सभी समाज बंधुओं का पुनः पुनः बहुत-बहुत धन्यवाद, नमस्कार।

सम्पादक रामभगत शर्मा।

हमारे राम सबके राम
मानवता के आदर्श श्री राम।

इस राम शब्द में अथाह सागर के समान गहराई है। राम शब्द में दो अर्थ व्यंजित हैं। सुखद अनुभूति होना और ठहर जाना । जिस प्रकार से अपने मार्ग से भटका हुआ कोई क्लांत पथिक किसी सुरम्य स्थान को देखकर ठहर जाता है तो उसके मन में शांति का प्रकाश आलोकित हो जाता है। सुखद अनुभूति और ठहराव का अर्थ देने वाले जितने भी शब्द गढ़े गये है उनमें सभी में 'राम' अंत में र्निहित है- जैसे आराम, विराम, विश्राम, अभिराम, उपराम और ग्राम और राम अगर सरल शब्दों में कहा जाए तो जो रमने के लिए विवश कर दे, वही है राम है। आज के इस जीवन की आपाधापी में पड़ा हुआ यह अशांत मन जिस भी आनंददायक गंतव्य की सतत तलाश में है, वही गंतव्य राम है।

भारतीय मन हर स्थिति में राम को साक्षी बनाने का आदी है। दु:ख में 'हे राम', पीड़ा में 'ऐ राम', लज्जा में 'हाय राम', अशुभ में 'अरे राम राम', स्वागत में 'राम राम', शपथ में 'रामदुहाई', अज्ञानता में 'राम जाने', अनिश्चितता में 'राम भरोसे', अचूकता के लिए 'रामबाण', मृत्यु के लिए 'रामनाम सत्य', सुशासन के लिए 'रामराज्य' जैसी अभिव्यक्तियां पग-पग पर 'राम' को साथ खड़ा करती हैं। 'राम' भी इतने सरल हैं कि हर जगह आकर खड़े हो जाते हैं।

हर भारतीय, बिना किसी धर्म और संस्कृति के राम पर अपना अधिकार मानता है। इसीलिए कहते हैं कि जिसका कोई नहीं होता है उसके लिए राम हैं। निर्बल के बल राम। इसीलिए राम उन सभी विचार धाराओं के प्रेरणा स्त्रोत हैं। अनेकों बार देखी सुनी और पढ़ी जा चुकी रामकथा का आकर्षण हजारों वर्षो के बाद आज भी यथावत बना हुआ है । हमारे भीतर जो कुछ भी अच्छा है, वह राम है। जो शाश्वत है, वह राम है। सब-कुछ लुट जाने के बाद जो बचा रह जाता है, वही तो राम है। घोर निराशा के बीच जो उठ खड़ा होता है, वह भी राम ही है। सीमाओं के बीच छुपे हुए असीम को देखना हो तो राम को देखिए जो आदर्शो की प्रतिमूर्ति हैं और सभी काल से परे हैं और इस अनन्त शक्ति का रहस्य तो वही जानता है। मेरा तो यही मानना है कि राम शब्द को सीमित ना करके इसे विस्तृत प्ररिप्रेक्ष्य में देखना चाहिए तभी जीवन की सार्थकता समझ में आयेगी।

पुष्पा रानी शर्मा, करनाल।

महात्मा बुद्ध के अनमोल विचार।

1- मनुष्य को अगर अपने जीवन में खुशियां प्राप्त करनी है तो उसे न तो अपने भूतकाल में उलझना चाहिए और नहीं अपने भविष्य की चिंता करनी चाहिए अपितु मनुष्य को केवल मात्र अपने वर्तमान पर ही ध्यान देना चाहिए।

2-मनुष्य को अपने जीवन में क्रोध की सजा नहीं मिलती है बल्कि मनुष्य को क्रोध से सजा मिलती है और क्रोध से मिली हुई सजा का कोई अन्त नहीं है।

3-मनुष्य हजारों लड़ाईयां जीतकर भी विजयी नहीं होता है, लेकिन जिस दिन वह अपने ऊपर अपने मन पर विजय प्राप्त कर लेता है तो उसी दिन वह स्वयं ही विजयी बन जाता है।

4-दुनियां में तीन चीजें ऐसी हैं जो कभी भी छिपाने पर भी नहीं छिप सकती हैं और इनमें सूर्य का प्रकाश चन्द्रमा की किरणें और मनुष्य के जीवन का पूर्ण सत्य सच्चाई।

5-मनुष्य को अपने जीवन में मंजिल या लक्ष्य को पाने से अच्छी उसकी जीवन यात्रा होनी चाहिए। जैसे हजारों शब्दों से अच्छा वह एक शब्द है जो आपको मानसिक शांति प्रदान करता हो।

6-क्रोध में रहना किसी और को जलाने के उद्देश्य से जलते हुए अंगारे को अपने हाथ में पकड़े रहने के समान है, जो सबसे पहले आप को ही जलाता है।

7-इच्छाओं का कभी अंत नहीं होता। आपकी एक इच्छा पूरी हुई नहीं कि दूसरी इच्छा जन्म ले लेती है।

8-जिसने खुद पर नियंत्रण पा लिया उसकी जीत को देवता भी हार में बदल नहीं सकते।

9-आपको गुस्से की सजा नहीं मिलती है, स्वयं गुस्सा ही आपकी सजा है।

10-हजार युद्ध जीतने से अच्छा है खुद को जीत लेना। तब यह जीत आपकी अपनी होती है, जिसे कभी कोई आपसे छीन नहीं सकता है।

11-वाणी की धार चाकू से भी तेज होती है जो बिना खून बहाए घाव करती है।

12-इन तीन बातों की चर्चा सबसे करो- 'उदार हृदय, विनम्र वाणी और सेवा व करुणा से युक्त जीवन वे तत्व हैं जिनसे मानवता पुनर्जीवित होती है'।

13-ज्ञान की प्राप्ति खुद से प्रयास से ही संभव है, दूसरों पर निर्भरता व्यर्थ है।

14-मनुष्य जैसा सोचता है वैसा ही बन जाता है। मनुष्य जैसा महसूस करता है वैसी ही चीजों को वह अपनी तरफ आकर्षित करता है, और वह जैसी कल्पना करता है वैसी ही चीजों को निर्मित करता है।

15-सत्य के मार्ग पर मनुष्य दो ही गलतियां करता है- पहली यह, कि वह मार्ग पर आखिर तक चला नहीं, दूसरी यह कि उसने चलने की शुरुआत नहीं की।

16-जीवित होने का अर्थ निडर होना है। तुम्हारा क्या होगा यह डर मन में न रहे, न ही किसी पर अपनी निर्भरता की बात सोचो।

17-जिस क्षण तुम मदद की पूर्व-धारण से मुक्त हुए, उसी क्षण सही अर्थों में आजाद हो गए।

18-आसक्ति या लिप्तता ही सारे दुःखों का मूल है।

19-आप अनगिनत अच्छी बातें पढ़ लें, हजारों अच्छी बातें सुन लें और हजार अच्छी बातें बोल लें। क्या फायदा उनका जो आप उन्हें अमल में न लाएं।

20-बुराई से बुराई कभी खत्म नहीं होती। घृणा को तो केवल प्रेम द्वारा ही समाप्त किया जा सकता है, यह एक अटूट सत्य है।

21-जीवन में हजारों लड़ाइयां जीतने से अच्छा है कि तुम स्वयं पर विजय प्राप्त कर लो। फिर जीत हमेशा तुम्हारी होगी, इसे तुमसे कोई नहीं छीन सकता।

22-किसी भी हालात में तीन चीजें कभी भी छुपी नहीं रह सकती, वो है- सूर्य, चन्द्रमा और सत्य।

संकलनकर्त्ता

विश्वकर्मा एजुकेशन के पूर्व अध्यक्ष सत्यपाल वत्स।

किताब और ग्रन्थ में क्या फर्क है।

हमारे मन-मस्तिष्क में एक जिज्ञासा का उत्पन्न होना सहज और स्वाभाविक ही है कि एक किताब और ग्रथ में फर्क क्या है। जिस समय हम एक पुस्तक के बारे मे बात करते हैं तो वह पुस्तक किसी के द्वारा लिखित हो सकती है और उसमें लेखक के अपने विचार निहित होते हैं। लेकिन जिस समय एक धार्मिक ग्रंथ, वेद और पुराणों तथा शास्त्रों के बारे में उल्लेख करते हैं तो हमारे सामने सहज रूप से हमारी प्राचीन सांस्कृतिक विरासत और धार्मिक धरोहर की स्मृति हमारे हृदय पटल पर अंकित हो जाती है और वेद और पुराण हमारे जीवन का मूलाधार है। एक बार वेदों को हग्रीव राक्षस चुरा कर ले गया और समुद्र में छिप गया। वेदों के अभाव में पृथ्वी पर अनाचार फैलने लगा तब भगवान श्री हरि नारायण ने मत्स्यावतार धारण करके उन वेदों को जो हग्रीव चुरा कर ले गया था उससे वापिस ले कर आए और संसार में वेदों के प्रचार-प्रसार से सुख और समृद्धि का वास दोबारा होने लगा।

दूसरी ओर हमें किताबों से आधुनिक टेक्नोलॉजी के बारे में जानकारी हासिल होती है और इसके साथ ही हमारे इतिहास का लेखा-जोखा भी प्राप्त होता है। अब हमें यह समझना होगा कि इन किताबों और ग्रन्थों में क्या फर्क है और वास्तव में इन दोनों में बहुत सा फर्क होता है जिसके बारे में समझने की महत्ती आवश्यकता है। इन किताबों में जहां इतिहास लिखा होता है वहीं धार्मिक ग्रन्थ, पुराणों, उपनिषदों और वेदों में वह सब लिखा होता है जो एक व्यक्ति का आध्यात्मिक ज्ञान पिपासा को शांत करने में सक्षम हैं तथा यह सभी धार्मिक ग्रंथ हमारे मन व मस्तिष्क की ग्रन्थियों को खोलकर जीवन जीने की नई राह सिखलाते है। एक ग्रन्थ हमारे वैदिक काल को दर्शाता है और यह ग्रंथ हमारे सनातन धर्म की परिभाषा को सिखाते हैं और यह सभी ग्रंथ, हमें राम राज्य की कल्पनाओं और भगवान श्री कृष्ण सहित भगवान के 24 अवतारों के बारे में भी अवगत और रुबरु करवातें हैं और यही हमारे प्राचीन ग्रंथों की महानता है जो आज भी हमें नैतिकता का पाठ पढ़ाकर जीवन जीने का दर्शन सिखलाते रहे हैं। इन महान ग्रन्थों, वेदों और उपनिषदों तथा पुराणों की यही महानता है कि वह हमें आज भी जीने का जीवन दर्शन सिखलाते हैं।

इसीलिए चार वेद, महाभारत, रामायण, गीता, यह सभी ग्रन्थों की श्रेणी में आते है व बाकी उपनिषदों, दर्शन शास्त्र, काव्य संग्रह यह धार्मिक किताबों की श्रेणी में आते है। जबकि इतिहासकारों की कलम से रेखांकित की हुई इतिहास का संग्रह अब कई किताबों में इतिहास के बारे में पढ़ने से इतिहास का बोध होता है और जानकारी हासिल होती है।

हमारा जीवन बहुत ही छोटा है वह ग्रन्थ देव, ऋषि मुनियों ने बहुत ही पहले से मानव कल्याण के लिए लिख रखे हैं जो आज के युग में भी मनुष्य जीवन जीने की कला सिखलाते हैं। अनेक लेखकों ने अनेक पुस्तकें लिखीं हुई हैं और इसी प्रकार अनेक कवियों ने काव्य संग्रह लिखे हुए हैं जिसमें से अनेक कविताएं ऐसी तर्क वितर्क से प्रेरित है जो हमें आज भी राजनीति व समाज में अगुवाई करने का मौका देती है और हमें प्रेरणा देती हैं । प्राचीन इतिहास की याद दिलाती है और वह सभी कलमकार धन्य हैं जो अपने जीवन काल के दृश्यों को अपनी कलम से रेखांकित कर एक इतिहास छोड़ जाते हैं।

महान कवि व संस्कृत के महान ज्ञाता बाल्मीकि, कवि कालिदास, सन्त तुलसीदास, रवींद्र नाथ टैगोर, कृष्ण भक्त मीराबाई, प्रेम दास मुंशी, कवि दिनकर जैसे अनेकों अनेक कवियों ने अपनी रचनाएं लिखी है और मैं इन सभी महान कलमकारों को नमनः करता हूं जिनकी रचनाएं आज मानवता का पथ आलोकित कर रही है।

दलीचंद जांगिड,
सातारा महाराष्ट्र।

मानवता के कल्याण के लिए समर्पित संत शिरोमणी मकड़ीनाथ महाराज।

जांगिड शिरोमणी परम सन्त स्वामी श्रीश्री 1008 मकड़ीनाथ महाराज।

भारतवर्ष में समय समय पर अनेको संत महात्माओ और साधु सन्तों और वैरागी तथा ऋृषि मुनियों ने अपनी तपस्या तथा साधना के बल पर इस धरा को उपकृत किया है और मानव कल्याण के लिए अपना सारा जीवन समर्पित कर दिया है। जांगिड समाज एक ऐसे ही परम पूज्य संत है श्री श्री 1008 मकड़ीनाथ महाराज जिन्होंने धर्म का आचरण करते हुए परमात्मा की साधना मे लीन होकर समाज मे शांति सौहार्द और आपसी भाईचारा कायम रखने की शिक्षा दी है और एक सच्चे सन्त के यही लक्ष्ण है कि वह सत्याचरण करते हुए ब्रह्म के सच्चे स्वरूप के प्रति निरंतर उन्मुख रहता है।

जांगिड समाज मे भी ऐसे बहुत से संतो और महात्माओं ने जन्म लिया है जिन्होंने मानव कल्याण का रास्ता प्रशस्त किया है। इनमें सबसे प्रमुख हैं राष्ट्र सन्त, वीतरागी और त्याग की प्रतिमूर्ति पदम विभूषण राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित स्वामी कल्याण देव, श्री श्री 1008 रामसुखदास महाराज आदि शंकराचार्य और मकड़ीनाथ महाराज जैसे अनेको संतो ने विश्व कल्याण के लिए महत्ती भूमिका रही है।

राजस्थान के शेखावाटी आंचल में ऐसे ही एक परम संत, त्यागी तपस्वी श्री श्री 1008 मकड़ीनाथ महाराज है। संत शिरोमणी श्री श्री मकड़ीनाथ महाराज का जन्म फतेहपुर-शेखावाटी मे श्रावण शुक्ल द्वादशी, सम्वत् 1969 में 24 अगस्त 1912 को जागिड परिवार मे हुआ। पिता जोधराज एवं माता श्रीमती हुलसी देवी के घर हुआ और सबसे बड़ी बात यह है कि आप फतेहपुर के सम्पन्न जांगिड परिवार से थे।

लेकिन सन्तान सुख नही होने के कारण दुखी थे। इनका फतेहपुर मे नाथ आश्रम मे आना जाना था, एक बार उन्होंने ने श्री ज्योति नाथ महाराज के समक्ष अपनी पीड़ा जाहिर की और श्री ज्योति नाथ महाराज ने उन्हें संतान का आशीर्वाद दे दिया पर उसे संतो की सेवा में लगाने का वचन भी उससे ले लिया। तत्पश्चात जोधराज और हुलसी देवी के घर एक पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई और पंडितो ने उसका नामकरण किया तथा उसका नाम बृज लाल रखा गया और अपने वायदे के अनुरूप ही छः माह पश्चात संतो को दिये गये अपने वचनों को पूरा करने के लिए उसके माता-पिता उस बालक को आश्रम मे छोड़ने आए। लेकिन महाराज ने बालक के चरण चिह्न और हस्तरेखा तथा ललाट को देखकर उस नन्हे बालक बृज लाल बालक को उसके माता-पिता जोधराज एवं श्रीमती हुलसी देवी को सौप दिया और कहा कि आप ही इसका लालन पालन करे।

कुछ समय पश्चात विक्रमी संवत 1969 श्रावण शुक्ल द्वादशी 24 अगस्त 1912 को जोधराज के दूसरी संतान ने जन्म लिया। कहते है जन्म के समय ही बालक चमत्कारिक दिखने लगा उसके ललाट पर आधेतिलक की तरह तीन रेखाएं अंकित थी और उसका नाम मुन्नीराम रखा गया और जोधराज को बताया गया कि यह बालक बहुत ही भाग्यशाली है।

संतो के वाचनानुसार जांगिड दम्पति फिर दोनो बालकों को लेकर फतेहपुर आश्रम में लेकर गई और श्री ज्योति नाथ महाराज को कहा कि इन दोनों में से किसी एक को भी संतो की सेवा करने के लिए आप स्वीकार करे। फिर ज्योति नाथ महाराज ने जांगिड दम्पत्ति को तीन साल बाद छोटे बालक मुन्नीराम को आश्रम मे छोड जाने का आदेश दिया और परिजन चार वर्ष बाद मुन्नीराम को आश्रम में छोड़ आए। उसके बाद ज्योति नाथ महाराज के आदेश से विक्रमी संवत 1974 फाल्गुन सुदी पूर्णिमा 7 अप्रैल 1917 को उन्होंने संन्यास धारण किया और गुरूजी ने उनका नाम मकड़ीनाथ रखा।

छोटा सा बालक धीरे-धीरे आश्रम के आध्यात्मिक वातावरण मे रमने लगा, संतो की सेवा करते करते संतो का प्रिय बन गया। बड़े होने पर गऊओं की सेवा सहित सारा जिम्मा गुरू ने मकड़ीनाथ को सौप

दिया गया। कुछ समय बाद चूरू तहसील के सातड़ा गांव से कुछ चौधरी आश्रम में आए भोजन-पानी करने के बाद उन्होंने श्री मकड़ीनाथ से आग्रह किया कि हमारे गांव मे कई सन्तों का जन्म तो हुआ है पर यहाँ पर कोई भी संन्त नही रहता है इसलिए आप हमारे गांव को तपस्या साधना के लिए चुने और उसके पश्चात श्री मकड़ीनाथ ने अपने गुरु से अनुमति लेकर ऊँटों पर सवार होकर सातड़ा आ गये और उन्होंने एक छतरी के नीचे अपना बिस्तर लगाकर तपस्या करनी शुरू कर दी।

संत के आगमन का समाचार सुनकर धीरे-धीरे चूरू, रामगढ़, फतेहपुर अनको भक्त रोज आशीर्वाद लेने पहुंचने लगे। उसके बाद गांव के सहयोग से विक्रमी संवत 2004 वैशाख शुदी पंचमी को आश्रम की आधारशिला रखी गई और एक शिवालय का निर्माण करवाया गया। धीरे-धीरे आश्रम के विस्तार के साथ साथ श्री मकड़ीनाथ के त्याग, तप, तपस्या और योग साधना की चर्चा चारों ओर होने लगी। आज भी उनके चमत्कारो की चर्चा जगह-जगह सुनने को मिल जायेगी।

विक्रमी संवत 2032 आषाढ बदी दूज 24 अप्रैल 1947 को श्री मकड़नाथ जी ब्रह्मलीन हो गये एवं अगले दिन आषाढ बदी तीज को समाधि दी गयी। श्रीमकड़ीनाथ जी महाराज अपने पीछे धर्म-कर्म, त्याग-तपस्या, अवतार-चमत्कार, की अनूठी विरासत छोड़कर गये हैं और उसकी विरासत का निर्वाहन वर्तमान मे उनके परम शिष्य श्री श्री 1008 ज्ञाननाथ महाराज कर रहे है। ज्ञाननाथ महाराज अपने गुरू की भांति ही मितभाषी, हितभाषी एवं मृदुभाषी है, शिव-सेवक एवं गौ-सेवक है। आज भी सातड़ा आश्रम जो कि मन्नाथी संत संप्रदाय का एक प्रमुख आश्रम है और जन-जन की आस्था का केन्द्र है और 6 जून को संत शिरोमणी मकड़ीनाथ महाराज की 48वीं पुण्यतिथि मनाई गई और इस अवसर पर उन्हें कोटि कोटि नमन करते हैं।

महेश जांगिड जयपुर

महासभा की राष्ट्रीय निर्वाचन समिति की बैठक जयपुर में आयोजित की गई।

जयपुर में 28 मई को महासभा की राष्ट्रीय निर्वाचन समिति की प्रथम बैठक का आयोजन किया गया जिसमें समिति के सभी सदस्यों ने भाग लिया

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा दिल्ली की 3 जनवरी को सूरत, गुजरात में संपन्न हुई कार्यकारिणी की तीसरी बैठक में लिए गए एक महत्वपूर्ण निर्णय के अनुसार महासभा एवं इसके अंतर्गत कार्यरत विभिन्न इकाइयों के अध्यक्षों के चुनाव को निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से संपन्न करवाने में आने वाली कठिनाइयों एवं बाधाओं को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय निर्वाचन समिति का गठन किया गया था।

इस समिति का अध्यक्ष नीमच के प्रवीण शर्मा को एवं जयपुर के कैलाश शर्मा (सालीवाले), ब्यावर के बसन्त जांगिड, जयपुर के मनोहर लाल शर्मा, दूरदर्शन वाले एवं चिखली बुलढाणा के जयंत शर्मा को सदस्य मनोनीत किया गया है।

इस समिति की प्रथम बैठक 28 मई को जयपुर में आयोजित की गई और इस बैठक में निर्वाचन में आ रही सभी प्रकार की बाधाओं को दूर करते हुए चुनाव संबंधी अनेक नियमों में संशोधन करते हुए निर्देशिका के रूप में नए नियम बनाए हैं। निर्वाचन समिति द्वारा महासभा के प्रधान, प्रदेश सभाओं के प्रदेशाध्यक्ष, जिलासभा के जिलाध्यक्ष, तहसील एवं शाखा सभा के अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए नियम, सूचना एवं निर्देशों के साथ ही चुनावी प्रक्रिया तैयार करके आवश्यक दस्तावेजो के प्रारूप भी तैयार किए जा रहे हैं।

समिति के अध्यक्ष ने कहा कि चुनाव संपन्न कराने की दृष्टि से यह निर्देशिका एवं आवश्यक दस्तावेजों के प्रारूप उपयोगी होगें। महासभा की आगामी त्रैमासिक मीटिंग में पारित करने के लिए इसे प्रस्तुत किया जाएगा और पारित होने के पश्चात निर्वाचन लागू किया जाएगा।

प्रवीण शर्मा, अध्यक्ष निर्वाचन समिति

तहसील सभा लवाण का 28 मई को शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया ।

दौसा जिला सभा के अंतर्गत तहसील सभा लवाण के शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन 28 मई को आयोजित किया गया और इस कार्यक्रम में सैकड़ों समाज बंधुओं ने उपस्थित होकर 3 सितम्बर को होने वाले राजनैतिक महाकुंभ और प्रदेश सभा राजस्थान के द्वारा की जा रही सामाजिक जनगणना के प्रति जिले के सभी 13 तहसील अध्यक्षो ने आश्वासन दिलाया कि इस मामले में समाज का पूरा सहयोग दिया जायेगा।

तहसील सभा लवाण का शपथग्रहण समारोह 28 मई को आयोजित किया गया।

प्रदेश अध्यक्ष संजय हर्षवाल ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश सभा के सामाजिक जनगणना अभियान एवं महाकुंभ के महायज्ञ को सफल बनाने के लिए एकजुटता की जरूरत है। उन्होंने लोगों का आह्वान किया कि समाज को एकजुट होकर इसमें सहयोग करना चाहिए, जिसका उपस्थित समाज बंधुओं की सैकड़ों की भीड़ द्वारा तालियों की गड़गड़ाहट और विश्वकर्मा भगवान के जयघोष के साथ सहयोग करने का आश्वासन और विश्वास व्यक्त किया गया।

महासभा के वरिष्ठ उपप्रधान डॉ. अशोक जांगिड, महासभा के उपप्रधान एवं जिला प्रभारी दौसा डॉ. मुकेश समलेटी, प्रदेश सभा के कोषाध्यक्ष बृजकिशोर शर्मा ने समाजहित में सभी को एकमत व संगठित होकर तन-मन-धन से सहयोग करने का और मातृशक्ति को आगे लाने की महत्ती आवश्यकता पर बल दिया गया।

राजस्थान के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एडवोकेट ओमप्रकाश जांगिड ने कहा कि सामाजिक जनगणना, वृद्धजनों को धार्मिक तीर्थ यात्रा, उत्कृष्ट कार्यकर्ताओं का सम्मान, चिकित्सा क्षेत्र में किए जा रहे उल्लेखनीय योगदान, सरकारी योजनाओं का लाभ समाज को मिले, समाज की समस्याओं को सुलझाने के साथ-साथ महाकुंभ को सफल बनाने एवं सामाजिक जनगणना को शीघ्र पूर्ण करने का भी आह्वान किया गया।

जयपुर जिला प्रभारी योगेश कड़वानिया और जनगणना में उत्कृष्ट कार्य कर रहे भादरा के सतवीर जांगिड भी प्रदेश सभा की टीम के साथ मौजूद थे।

प्रदेश सभा महिला प्रकोष्ठ की कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती नीलू जांगिड ने भी अपने उद्बोधन में मातृशक्ति को एकजुट होकर महाकुंभ को सफल बनाने एवं सामाजिक जनगणना कार्य में सब को बढ़-चढ़ कर भाग लेने का आह्वान किया और समस्त मातृशक्ति को एकजुट होकर समाज हित में साथ देने के लिए प्रेरित किया और इसके साथ ही तहसील सभा लवाण की महिला कार्यकारिणी का गठन करके शपथ ग्रहण संपन्न करवाई गई। जिला जयपुर की महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष श्रीमती कंचन जांगिड, जिला अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ दोसा श्रीमती सीमा जांगिड, श्रीमती शारदा शर्मा, श्रीमती अर्चना शर्मा, तथा अन्य अनेकों महिला पदाधिकारी मातृशक्ति के साथ कार्यक्रम में मौजूद रहीं।

जयपुर जिला प्रभारी योगेश कड़वानिया और जनगणना में उत्कृष्ट कार्य कर रहे दौसा जिला जनगणना प्रभारी गिरीराज प्रसाद जांगिड, भादरा के सतबीर जांगिड, दौसा जिला अध्यक्ष कैलाश चंद्र जांगिड, मंच का संचालन तेजकरण जांगिड, तहसील अध्यक्ष लवाण बजरंग लाल जांगिड, आयोजक टीम और अपने सभी पदाधिकारी गण, सभी तहसील अध्यक्षों सहित अन्य सभी समाज बंधुओं, माताओं बहनों युवा साथियों तथा उपस्थित सभी का आभार व्यक्त किया गया।

राजस्थान प्रदेश सभा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एडवोकेट ओमप्रकाश जांगिड।

मंडावर जिला दौसा का शपथग्रहण समारोह 21 मई को आयोजित।

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा, प्रदेश सभा राजस्थान के दौसा जिले की मंडावर तहसील का शपथ ग्रहण समारोह 21 मई को आयोजित किया गया और इस समारोह के मुख्य अतिथि महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा तथा इस समारोह की अध्यक्षता राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष संजय हर्षवाल ने की।

मंडावर तहसील के 21 मई को आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में प्रधान रामपाल शर्मा और प्रदेशाध्यक्ष संजय हर्षवाल का माला पहनाकर स्वागत करते हुए।

अपने उद्बोधन में महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान में 3 सितम्बर को प्रस्तावित महाकुंभ के प्रति लोगों में जो जागरूकता और उत्साह है उससे आभास हो रहा है कि यह महाकुंभ सफलता का नया अध्याय लिखेगा।

उन्होंने कहा कि राजस्थान प्रदेश में सामाजिक जनगणना और प्रस्तावित सामाजिक समरस्ता का महत्वपूर्ण कार्य किया जा रहा है और इसके साथ ही जयपुर में होने वाले 3 सितम्बर को प्रस्तावित महाकुंभ के लिए प्रदेश के कोने-कोने में इसकी आवाज गूंज रही है और इस महाकुंभ के माध्यम से सभी राजनैतिक पार्टियों को अपनी राजनैतिक ताकत दिखलाने का अवसर प्राप्त होगा।

मंडावर तहसील के 21 मई को आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में प्रधान रामपाल शर्मा पत्रकार हरी राम जांगिड को सम्मानित करते हुए।

राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष संजय हर्षवाल ने कहा कि संगठन की एकता में जो शक्ति है उसका सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है। उन्होंने लोगों का आह्वान किया कि वह प्रस्तावित महाकुंभ में तन-मन और धन से सहयोग करने का संकल्प लें और इसके साथ ही राजस्थान में राजनैतिक ताकत हासिल करने के लिए एकता रुपी महायज्ञ नामक अभियान की सफलता के लिए ही प्रदेश की जनगणना करवाई जा रही है और सभी को एकजुट होकर इस एकता रुपी जज्बे और उल्लास को बनाए रखने में एक दूसरे की मदद करनी चाहिए।

प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष एडवोकेट ओम प्रकाश जांगिड, प्रदेश महामंत्री रमेश चंद शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार हरी राम जांगिड, महासभा के वरिष्ठ उप प्रधान डॉ. अशोक जांगिड, जिला अध्यक्ष कैलाश चंद जांगिड, महासभा के उप प्रधान केशव जांगिड, चेतन जांगिड, दौसा के कार्यकारी अध्यक्ष हरिराम जांगिड, दौसा जिला के प्रभारी डॉ. मुकेश समलेटी, सभा के महामंत्री हरी राम जांगिड, महुआ के तहसील अध्यक्ष रामेश्वर जांगिड, मंडावर के तहसील अध्यक्ष सतीश जांगिड, और उनकी कार्यकारिणी के सदस्य, दौसा जिला के सभी तहसील अध्यक्षों और मातृशक्ति ने इस समारोह की गरिमा को चार चांद लगा दिए।

समाज बंधुओं की गरिमापूर्ण उपस्थिति के बीच शपथ ग्रहण कार्यक्रम के दौरान सैकड़ों समाज बंधुओं ने एकता और संगठन में शक्ति की मिसाल कायम करते हुए महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा और प्रदेशाध्यक्ष संजय हर्षवाल के आह्वान पर महाकुंभ में तन-मन-धन से सहयोग करने और सामाजिक जनगणना में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेकर शीघ्रातिशीघ्र जनगणना के कार्य को पूर्ण करने के बारे में पूर्ण विश्वास व्यक्त किया और हर संभव सहायता करने का आश्वासन भी दिया।

वरिष्ठ उपाध्यक्ष,

ओम प्रकाश जांगिड

कबीर जयंती पर हार्दिक शुभकामनाएं।

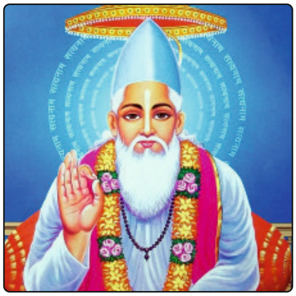

मानवता के पूजारी, महान समाज सुधारक, युग पुरुष, सहृदयता के प्रतीक, अन्धविश्वास और समाज में परिव्याप्त कुरितियों पर कड़ा प्रहार करने वाले महान दूर दृष्टि रखने वाले सन्त कबीर दास की जयंती 4 जून को मनाई गई और इस पुनीत अवसर पर मैं महासभा रुपी परिवार की तरफ से सन्त कबीर की परम्परा का निर्वहन करने वाले उनके सभी अनुयायियों को बधाई और शुभकामनाएं देता हूं।

भक्ति काल की सन्त परम्परा के संवाहक, महान विचारों की प्रतिमूर्ति, एक सटीक भविष्य वक्ता महान विचारों से ओतप्रोत सन्त कबीर ने अपने जीवन काल में ऐसे दोहे लिखे जो आज भी समाज का पथ आलोकित कर रहे है उनकी सोच वास्तविकता पर आधारित थी और मानवता को और मानवीय मूल्यों को वह समाज के लिए एक अनुकरणीय उपहार समझते थे। जैसे कि --

1- ऐसी वाणी बोलिए, मन का आपा खोए।
औरन को शीतल करे, आपहूं शीतल होय।।
2- जाति ना पूछो साध की, पूछ लीजिए ज्ञान।
मोल करो तलवार का, पड़ा रहने दो म्यान।।

इस प्रकार के दोहे लिख कर कबीर दास ने समाज में परिव्याप्त कुरितियों और जाति प्रथा पर कड़ा प्रहार किया वहीं मनुष्यों को सन्त कबीर ने ऐसा आचरण करने की प्रेरणा दी ताकि आपकी वजह से किसी को कष्ट ना पहुंचे। आज इस बदलते हुए परिवेश में विशेष कर युवाओं के लिए कबीर के दोहे आज भी समीचीन और सार्थक है जो इस देश और मानवता का आज भी मार्ग दर्शन कर रहे हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस पर पेड़ों की रक्षा का संकल्प लें।

विश्व पर्यावरण दिवस प्रत्येक वर्ष 5 जून को मनाया जाता है और अवसर पर मेरा महासभा रुपी परिवार के सदस्यों से विनम्र आग्रह है कि दुनिया में हो रहे पर्यावरण की ज्वलंत समस्या के निराकरण के लिए यह परमावश्यक है कि हम सभी मिलकर यह संकल्प लें कि पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाली सभी आवश्यक तत्वों के अत्यधिक सेवन करने से बचें ताकि आपके बच्चों को स्वच्छ पर्यावरण उपलब्ध हो सके।

आप सबको मालूम है कि शहरों में अनुचित ढंग से विस्तार और पेड़ों की अन्धाधुंध कटाई और गैस उत्सर्जन से पर्यावरण की समस्या गम्भीर रूप धारण करती जा रही है इसलिए पर्यावरण की रक्षा के लिए जहां तक संभव हो सके वृक्षारोपण पर सर्वाधिक ध्यान दें और पर्यावरण की रक्षा के लिए हमें अधिक पेड़ लगाने चाहिए।

पेड़ों के बिना पर्यावरण संतुलन गड़बड़ा रहा है। जनसंख्या वृद्धि और आधुनिकरण के नाम पर लगाए जा रहे बड़े-बड़े कारखानो के चलते बड़े पैमाने पर पेड़ काटे जा रहे हैं, जिसके कारण प्राकृतिक असंतुलन विश्व के सामने मुंह बाए खड़ा है। बड़े-बड़े ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं समुंदर के किनारे बसे शहर पानी में डूबने की कगार पर है। कोरोना काल में ऑक्सीजन की कमी इसकी महत्ता को स्पष्ट कर रही थी। इसलिए हम सबको पर्यावरण को बढ़ावा देने और प्राकृतिक संतुलन बनाए रखने के लिए अधिक से अधिक पेड़ लगाने चाहिए।

महासभा प्रधान, रामपाल शर्मा

आर्य नगर के रजत जांगिड
स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में परिवीक्षा अधिकारी बने।

जीवन में सफलता हासिल करने के लिए किसी भी एक स्किल में पारंगत होना परमावश्यक है और इसके बाद सफलता हासिल करने में कोई संदेह नहीं रहेगा और यह सन्देश आज के युवाओं को दिया है आर्य नगर जिला हिसार के रहने वाले रजत जांगिड ने जिनका अप्रैल 2023 में भारतीय स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में परिवीक्षा अधिकारी के पद पर चयन हुआ है।

आर्य नगर जिला हिसार राज्य सभा के सांसद रहे पण्डित रामजी लाल का गांव है तथा यह गांव पूर्व आई.ए.एस.अधिकारी चन्द्र प्रकाश जांगिड की जन्मभूमि भी है। रजत जांगिड का जन्म 25 जुलाई 1995 में पिता शंकर लाल जांगिड जो सिंचाई विभाग से उप मण्डल अधिकारी के पद से सेवानिवृत्त हुए हैं तथा माता श्रीमती कलावती जांगिड के घर आर्य नगर में पैदा हुए और माता पिता ने उसे बेहतर संस्कार प्रदान किए।

रजत जांगिड ने अपनी पहली से पांचवीं तक की शिक्षा लार्ड शिवा पब्लिक स्कूल लुदास तथा 6 से 12 वीं तक की कक्षा ब्लूमिग पब्लिक स्कूल हिसार से पास की और उसके पश्चात 2014-2016 तक सिविल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा पास किया और 2016 से 2019 में सिविल इंजीनियरिंग में डिग्री हासिल की है और उसी समय से ही प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी शुरू कर दी थी जिसका परिणाम सफलता के रूप में मिला है।

रजत जांगिड ने बताया कि सन् 2022 में भारतीय स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में प्रोबेशनरी ऑफिसर की कुछ पोस्ट निकली थी और जिसका परिणाम इस वर्ष अप्रैल में घोषित हुआ है और इस चयनित सूची में उनका नाम होने से परिवीक्षा अधिकारी बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है और उनका मानना है कि उन्होंने कड़ी मेहनत और परिश्रम करके यह मुकाम हासिल किया है। मेरी युवाओं को सलाह है और मेरा यह स्पष्ट मानना है कि घुमना फिरना बन्द करो और एक जगह ध्यान केन्द्रित करके जीवन में परिश्रम करो सफलता आपके कदम अवश्य ही चूमेगी।

राज्यसभा सांसद रामचन्द्र जांगड़ा और महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने रजत जांगिड के भारतीय स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में परिवीक्षा अधिकारी बनने पर बधाई देते हुए कहा है कि यह सब उनके कठिन परिश्रम और पुरुषार्थ का ही परिणाम है कि उसे इस प्रतियोगी परीक्षा में सफलता अर्जित करके उन्होंने समाज का नाम गौरवान्वित किया है। जीवन में सफलता हासिल करने का केवल एक ही रास्ता है और वह है चुनौतियों का बड़ी दक्षतापूर्वक सामना करना और उनके ज्ञान ने इसमें महत्ती भूमिका निभाई है। रजत जांगिड के उज्ज्वल भविष्य की शुभ मंगल कामनाएं ।

सीता राम जांगिड, आर्य नगर।

मनुष्य का क्रोध भी उस समय एक महान पुण्य का कार्य बन जाता है,
जिस समय उसका उपयोग धर्म की मर्यादा की के लिए किया जाए। ।
सहनशीलता भी उस समय उस समय पाप का रुप धारण कर लेती है,
जिस समय वह मानव धर्म और मर्यादा को बचाने में असफल रहती है।

रमन कुमार जांगिड ने यूजीसी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा पास की

जीवन का यह सिद्धान्त है कि अनवरत साधना और अथक परिश्रम करने वाला कभी भी निराश और हताश नहीं होता है और अपने परिश्रम और अथक मेहनत से यह सिद्ध करके दिखलाया है गांव कैमला जिला महेंद्रगढ़ के रहने वाले रमन कुमार जांगिड ने, जिन्होंने यूजीसी द्वारा आयोजित जेआरएफ/नेट की परीक्षा अंग्रेजी विषय में पास करके अपनी योग्यता को सिद्ध किया है। यूजीसी का परिणाम अप्रैल को घोषित हुआ है उन्होंने यह सिद्ध कर दिया कि एक ग्रामीण पृष्ठभूमि में पैदा हुआ और पला और बड़ा हुआ युवा भी अपने सपनों को पंख लगाकर जीवन में सफलता हासिल कर सकता है।

रमन कुमार जांगिड, जोकि हरियाणा प्रदेश सभा के पूर्व महासचिव वीरेंद्र जांगिड और माता श्रीमती सुनीता देवी जांगिड के घर गांव कैमला में 24 मार्च 1997 को पैदा हुए तथा माता-पिता से उन्हें बेहतर संस्कार प्राप्त हुए हैं। उन्होंने पहली बार में ही अपनी प्रतिभा का परिचय देते हुए जेआरएफ की परीक्षा पास करके अपनी बहुआयामी प्रतिभा का परिचय दिया है। उनके पिता ने कहा कि रमन बचपन से ही मेधावी छात्र रहे हैं और ***होनहार वीरभान के होत चिकने पात*** वाली कहावत को उन्होंने पूरी तरह चरितार्थ करके दिखलाया है और उन्होंने स्नाकोत्तर की डिग्री केन्द्रीय विश्वविद्यालय जाट पाली जिला महेंद्रगढ़ से 78 प्रतिशत अंक लेकर पास की है। इसके बाद नेट की परीक्षा पास की है जोकि एक बहुत बड़ी उपलब्धि कही जा सकती है कि उसने पहली बार में ही अपनी लगन, निष्ठा और परिश्रम की पराकाष्ठा के आधार इस परीक्षा में सफलता प्राप्त करके समाज का नाम गौरवान्वित किया है और इस सफलता का श्रेय उन्होंने दादा नित्यानंद जांगिड एवं दादी श्रीमती कलावती देवी के साथ-साथ अपने माता-पिता के साथ-साथ अपने सभी मित्रों और शुभचिंतकों को भी दिया है और इन सभी का वरद हस्त और आशीर्वाद भी रमन कुमार पर बना रहा है। वह भविष्य में अंग्रेजी भाषा में पी एच डी करना चाहता है और इसके लिए उसने अपनी तैयारी शुरू कर दी है।

राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा ने रमन जांगिड द्वारा जे आर एफ की परीक्षा पास करने पर बधाई संदेश देते हुए कहा है कि जीवन में सफलता परिश्रम के साथ-साथ प्रभु भगवान के आशीर्वाद से ही मिलती है। मैं रमन जांगिड के उज्जवल भविष्य की मंगल कामना करता हूं और उन पर तथा उनके परिवार पर भगवान विश्वकर्मा की अनुकम्पा सदैव ही बनी रहे और समाज को ऐसे प्रतिभा संपन्न और मेधावी छात्रों की सफलता पर नाज है।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने रमन जांगिड की सफलता पर शुभाशीर्वाद देते हुए कहा है कि जो युवा एक साधक बनकर अपने सपनों को पूरा करने का संकल्प लें लेता है उसे सफलता अवश्य ही हासिल होती है ।उन्होंने आशा व्यक्त की है कि रमन जांगिड भविष्य में भी अपनी मेहनत, लगन, निष्ठा के साथ-साथ परिश्रम करके समाज एवं परिवार का नाम भी गौरवान्वित करता रहेगा।

मोती लाल जांगिड, संगठन मंत्री, महासभा।

सत्य वचन

जीवन में एक व्यक्ति के लिए यह परमावश्यक नहीं है कि वह हर रोज मन्दिर जा कर ही धार्मिक बन सकता है और उसके मन्दिर जाने से ही उसकी धार्मिक प्रवृत्ति आध्यात्मिकता के समुद्र में गोते लगाने लगाने शुरू कर देगी और वह इस आध्यात्मिक के सागर में डुबकी लगाकर अपने जीवन का कल्याण कर सकता है। लेकिन एक मनुष्य के कर्म ऐसे होने चाहिए कि इंसान जहां पर भी जाए वहीं पर मन्दिर बन जाए और लोग उसके आचरण और व्यवहार को देखकर प्रभावित हो सके।

प्रवीण कुमार जांगिड ने राजमार्ग पर दुर्घटना को रोकने के लिए एक यंत्र का आविष्कार किया।

जीवन में आगे बढ़ने की जिजिविषा हो और परमात्मा सद्बुद्धि प्रदान करे तो कोई भी व्यक्ति चमत्कार कर सकता है और इस उक्ति को चरितार्थ करके दिखलाया है 14 साल की आयु के राजकीय उच्च विद्यालय देवका में आठवीं कक्षा में पढ़ने वाले छात्र प्रवीण कुमार जांगिड ने जिन्होंने अपनी प्रतिभा और दक्षता के बल पर इस छोटी सी आयु में एक ऐसे उपकरण का विकास किया है जो हाईवे पर दुर्घटना से वाहन की टक्कर से गोवंश की हो रही मौत को रोकने में मददगार साबित होगा।

प्रवीण कुमार जांगिड ने कहा कि यह एक एक बड़ा ही उपादेय मॉडल सिद्ध हो सकता है और इस माडल की सर्वत्र प्रशंसा हो रही है । इस मॉडल में एक सड़क दिखलाई गई है, जिस पर एक कार को चलाया जाता है और इस कार के आगे एक आईआर सेंसर लगाया गया है, जिसमें सड़क पर वाहन के सामने अगर कोई वाहन या पशु आ जाता है तो वह सेंसर लगी कार अचानक ही रुक जाती है और इस तरीके से दुर्घटना पर अंकुश लगाया जा सकता है । इसके साथ ही प्रवीण ने एक पुलिस की कार का डमी मॉडल भी बनाया है और इस कार के डमी मॉडल को संभावित दुर्घटना स्थल पर रखा जा सकता है। ब्लॉक स्तर पर हुई मॉडल प्रतियोगिता में देवका के 8 वीं कक्षा के विद्यार्थी प्रवीण कुमार जांगिड ने इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल किया है और प्रस्तुत मॉडल से प्रवीण जांगिड ने दुर्घटनाओं को रोकने के उपाय करने के लिए यह एक सार्थक और स्तुत्य प्रयास किया है।

इस प्रकार के यंत्र का आविष्कार होने से वाहन चालकों में पुलिस के भय के कारण, वाहन चालक सावधानी से वाहन चलाएंगे इसके साथ ही पुलिस वाहन के आगे एक ऐसा उपकरण लगाया गया है जिससे हाईवे पर निर्धारित गति से अधिक गति से चलने वाले वाहनों को भी रोक सकता है। प्रवीण ने बताया कि इस मॉडल को में विद्यालय के प्राध्यापक भागीरथ गोयल व शिक्षिका प्रिंसी व्यास का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

द्वारका प्रसाद शर्मा।

वंश जांगिड ने खेलो इण्डिया प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता।

वंश जांगिड ने झज्जर में आयोजित जूनियर बॉक्सिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक हासिल किया।

जीवन में कई बार एक व्यक्ति दूसरे से देखकर प्रेरणा लेता है और यह प्रेरणा वंश जांगिड ने अपनी बहन खुशी जांगिड से ही ली है । खुशी जांगिड ने 24 मई से 29 मई तक वाराणसी उत्तर प्रदेश में खेलों इण्डिया प्रतियोगिता में रजत पदक हासिल किया था और उन्हीं के कदमों पर चलते हुए उसके छोटे भाई वंश जांगिड ने एक सप्ताह के बाद ही पदक हासिल करके माता-पिता और समाज का गौरव बढ़ाया है। पंजाबी में एक प्रसिद्ध कहावत है कि **जम्दीयां सुला दे मुंह तीखे** और इसी कहावत को चरितार्थ करके दिखाया है पृथला गाँव के होनहार एवं अपने लक्ष्य के प्रति पूर्ण रूप से समर्पित वंश सपुत्र श्रीमती सपना जांगिड व बलजीत जांगिड जिसने मात्र 15-16 साल आयु में स्वर्ण पदक जीतकर सफलता का परचम लहराया है। वंश ने झज्जर में 1 जून से 10 जून तक आयोजित राज्यस्तरीय जूनियर बॉक्सिंग चैंपियनशिप में अपने दमदार पंच के माध्यम से स्वर्ण पदक जीता है। वंश के पिता बलजीत जांगिड ने बताया कि वंश राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, आदमपुर मंडी में अभी दसवीं कक्षा का छात्र है और पढ़ाई में भी वह हमेशा ही अच्छे अंक हासिल करता है। वंश ने अपने माता-पिता के साथ पूरे गाँव का सम्मान बढ़ाया व गाँव के गौरव में एक अलंकार ओर सुशोभित किया। वंश की इस उपलब्धि के लिए उसके माता-पिता का बहुत बड़ा योगदान है क्योंकि वंश के पिता एक किसान होने के साथ दिव्यांग भी हैं लेकिन उन्होंने कभी भी अपनी शारीरिक कमी को अपने उपर हावी नहीं होने दिया। सुविधाओं के अभाव में भी अपने बच्चों को उच्च शिखर पर पहुँचाने की लिए सदैव ही प्रयासरत है। महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने कहा कि वंश जांगिड ने अपने सपनों को पंख लगाकर उन्हें मूर्त रूप दिया है। उसके लिए वह बधाई के पात्र हैं और मुझे आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि वंश भविष्य में अपनी प्रतिभा के बल पर न कवल हरियाणा अपितु देश का नाम भी गौरवान्वित करेगा।

ललित जांगिड हिसार।

अमन जांगिड एक वर्ष में 5 नौकरी हासिल करके अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया।

प्रतिभा किसी का मोहताज नहीं होती है और इस प्रतिभा को केवल अथक परिश्रम और सतत पुरुषार्थ और साधना से निखारा जा सकता है और यह सिद्ध करके दिखलाया है बामला जिला भिवानी के एक छोटे से गांव में पैदा हुए अमन जांगिड ने, जिन्होंने एक वर्ष में विभिन्न पांच परीक्षाएं पास करके अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा का परिचय दिया है। मेधावी नवयुवक अमन जांगिड ने समाज में अपनी प्रतिभा के बल पर यह सिद्ध करके दिखलाया है अगर लक्ष्य निर्धारित करके तन्मयता के साथ परिश्रम किया जाए तो कठिन रास्ते भी आसान हो जाते हैं और आज के युग में एक सरकारी नौकरी मिलना कितना मुश्किल है इसके विपरित अमन ने विभिन्न परीक्षाओं में जबरदस्त प्रतिस्पर्धा के बावजूद अपना लोहा मनवाते हुए 5 सरकारी नौकरी हासिल करने में सफलता हासिल की है जोकि परिवार, गांव व समाज के लिए बड़े ही गर्व की बात है। अमन ने बेहद गरीब सामान्य परिवार से होते हुए भी अपनी मेहनत के बल पर केवल 22 साल की उम्र में पांच सरकारी नौकरियों में चयनित होकर यह सिद्ध कर दिया कि गरीबी कभी भी प्रतिभा के आढे नहीं आती है।

अमन कुमार जांगिड का जन्म 23 मई 2001 में गांव बामला जिला भिवानी में पिता रविन्द्र कुमार जांगिड और माता श्रीमती रेखा रानी जांगिड के घर हुआ। इनके पिता जोकि राजमिस्त्री का काम करते हैं, बच्चों की पढाई और काम धंधे के कारण इनका परिवार भिवानी आकर रहने लगा ताकि अपने बच्चों की शिक्षा पर अधिक ध्यान दिया जा सके ।

अमन के चाचा जितेन्द्र जांगिड ने बताया कि अमन ने अपनी 12वीं तक की पढाई हलवासिया विद्या विहार भिवानी से पूर्ण की और उसके पश्चात अमन ने वर्ष 2021 में दिल्ली विश्वविद्यालय से अपनी ग्रेजुएशन की शिक्षा पूरी करते ही, सी.जी.एल. की तैयारी शुरू कर दी और टैक्स असिस्टेंट चयनित हुए। उसके साथ आई.बी.पी.एस के माध्यम से बैंक में प्रोबेशनरी ऑफिसर फिर बैंक क्लर्क, सी.एच.एस.एल.ओ. और एल.डी.सी. और उसके बाद अब सी.जी.एल. वर्ष 2022 का परिणाम आया तो उनका चयन केंद्रीय सचिवालय में सहायक लेखाधिकारी के पद पर चयन हुआ है।

अमन जांगिड ने कहा कि भविष्य में उनका सपना है कि वह अपने माता-पिता के सपनों को साकार करने के लिए केन्द्रीय लोक सेवा आयोग की परीक्षा की तैयारी पर अपना सारा ध्यान विशेष रूप से केन्द्रित करेंगे ताकि वह भारतीय प्रशासनिक सेवा जैसी प्रतिष्ठित सेवा के माध्यम से लोगों की सेवा करना चाहता है। अभी पारिवारिक परिस्थितियां इतनी अनुकूल नहीं हैं कि परिवार कोचिंग का खर्च वहन कर सकें और अब केंद्रीय सचिवालय में नौकरी ज्वाइन करने के बाद साथ-साथ वह यू.पी.एस.सी. की तैयारी शुरू करेंगे।

राज्यसभा सांसद रामचन्द्र जांगडा और महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने अमन जांगिड की सफलता पर बधाई देते हुए कहा है कि जिस प्रकार से एक वर्ष में उन्होंने 5 सरकारी नौकरियां हासिल की हैं इससे स्पष्ट होता है उनमें असीम प्रतिभा है और इसका उपयोग अमन को भारतीय प्रशासनिक सेवा सहित अन्य उच्च परीक्षाओं के लिए तैयारी करनी चाहिए और उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि वह जीवन में आशातीत सफलता हासिल करेगा।

हम अमन के उज्ज्वल भविष्य एवं दीर्घायु की मंगल कामना करते है।

जितेन्द्र जांगिड, भिवानी

जयपुर के भीमराज शर्मा को मिला वर्ष 2023 का नैशनल अवार्ड फॉर एक्सीलेंस

भीमराज शर्मा को मिला वर्ष 2023 का नैशनल अवार्ड फॉर एक्सीलेंस।

जीवन में जो व्यक्ति अपनी लीक से हट कर कार्य करता है उसमें नव सर्जना का संकल्प और नया अन्वेषण करने की क्षमता होनी चाहिए और तभी वह अपने उद्देश्य में सफल होता है और ऐसी ही सफलता की गाथा का इतिहास लिखा है। अन्वेषण के माध्यम से जयपुर के रहने वाले उदारमना, विनम्रता की प्रतिमूर्ति भीमराज शर्मा, जिन्होंने गौकृति के माध्यम से गाय के गोबर से कागज बनाकर एक नई परम्परा की शुरुआत की है और इस क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और दक्षता के आधार पर एक नई पहचान बनाई है और एक नया इतिहास लिखा गया है।

आल इण्डिया मास्टर प्रिन्टर्स ऐसोसियशन, दिल्ली व आफसेट प्रिन्टर्स ऐसोसिएशन ने मुम्बई के पांच सितारा होटल मेरियट मे 'नेशलन अवार्ड फोर एक्सीलेन्स इन प्रिटिंग कार्यक्रम में गौकृति (ए युनिट आफ एबी ग्राफिक प्राईवेट लिमिटेड) के फाउन्डर भीमराज शर्मा को ग्लोबल प्रिन्ट एक्सीलेंस अवार्ड-2023 का प्रथम पुस्कार से सम्मानित किया गया है और यह अवार्ड उनके द्वारा अविष्कार किये गये 'गौकृति गौमय मिश्रित कागज' के निर्माण तथा इस पर छापी गई सुन्दर पुस्तक पर की छपाई करने पर दिया गया है जो विश्व की प्रथम पुस्तक है जो बिना कागज के पूर्ण रूप से वेस्ट से बने कागज पर छापी गई हैं।

भीमराज शर्मा को यह पुरस्कार एआईएफएमपई के राष्ट्रीय अध्यक्ष रविन्द्र जोशी तथा ओपीए के महासचिव प्रो. कमल चोपडा व अन्य प्रतिष्ठित व्यक्तियों द्वारा प्रदान करके सम्मानित किया गया है।

भीमराज शर्मा ने कहा कि जांगिड समाज के लिये भी गर्व का विषय हैं कि यह अवार्ड राजस्थान में किसी भी प्रिन्टर को आज तक नही मिला यह पहला अवसर है। भीमराज शर्मा को यह पुरस्कार इतने बड़े सम्मान से सम्मानित किया गया है। भीमराज शर्मा वर्तमान में दी राजस्थान आफसेट प्रिन्टर्स ऐसोसियशन मैं पिछले 5 वर्ष से राजस्थान के उपाध्यक्ष पद तथा इस संगठन को भी काफी उंचाइयों तक पहुंचाया तथा आखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के प्लेटिनम सदस्य भी है तथा काफी समय से वह महासभा जुडे हुए हैं तथा वर्तमान में महासभा में राष्ट्रीय संगठन मन्त्री के पद पर अपनी सेवा दे रहे है।

भीमराज शर्मा ने अपने व्यवसाय में जो उत्कृष्ट कार्य किया है उसके लिए जितनी भी भूरि-भूरि प्रशंसा की जाए वह कम है। गोबर से बने कागज का आविष्कार किया है। और यह 100 प्रतिशत री-साइकिल किया हुआ पेपर ही होता है और पूर्णरूप से आर्गेनिक पेपर होता है जिससे पर्यावरण की रक्षा करने में भी सहयोग होता है, क्योंकि इंडिया में जितना कागज बनता है वह पूर्ण रूप से पेड़ो को काटकर ही बनाया जाता है। भीमराज शर्मा ने कहा कि आज दुनिया में जितने भी पेड़ कटते हैं उसका 50 प्रतिशत तो केवल पेपर बनाने के लिये काटे दिये जाते हैं। अपनी उपलब्धि का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि गौकृति गाय के गोबर से कागज बनाने के लिये गौमाता का गोबर 10 रुपए प्रति किलोग्राम के हिसाब से गीला गोबर खरीदती है और गोमाता का गोबर बिकने से तो गौमाता स्वावलम् बनेगी और उसके लिये किसी से भी चन्दा लेने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी और इस गोबर से किसान को पैसा मिलने लगेगा तो इससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर पैदा होने की प्रबल सम्भावना है और इनसे जो उत्पाद तैयार होगें वह शहरों में बिक्री के लिये जायेंगें तो उससे शहरों में भी युवा बेरोजगारों को रोजगार के अवसर प्राप्त हो सकेंगे। इसके अतिरिक्त इन उत्पादो की मांग विदेशों में भी बहुत अधिक है और इससे विदेशी विनिमय में भी सहयोग होगा।

उन्होंने कहा कि इस अविष्कार से पर्यावरण संरक्षण में भरपूर सहयोग हो रहा है और गौमाता भी स्वावलम्बी हो रही है। भविष्य में इससे किसान की आय भी बढ़ेगी तथा इसके साथ ही ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में रोजगार की प्रबल सम्भावना बनेगी।

भीमराज शर्मा ने रहस्योद्घाटन किया कि उनके द्वारा किए गए इस अविष्कार की भूरि-भूरि प्रशंसा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, हरियाणा से राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा, उत्तर प्रदेश के मुख्यमन्त्री योगी आदित्य नाथ, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान सहित अनेक नेताओं और वरिष्ठ अधिकारियों ने भी मुक्तकंठ से कई बार प्रशंसा की गई है। उन्होंने बताया कि हम गोबर से लगभग 100 तरह के उत्पाद कागज बनाकर तैयार कर रहे है और इनकी विशेषता यह है कि जिन्हे बाजार में बहुत अधिक पसंद किया जा रहा है। यह कार्य हमने सन 2015 में पहली बार शुरू किया था और उससे पहले कोई भी गोबर की बात या काम नही कर रहा था। आज हर गौपालक की नजर दूध से ज्यादा गोबर पर है क्योंकि इस बहूमूल्य गोबर के वह कागज से कलेण्डर, डिब्बा, कलेण्डर डायरिया, आफिस किट, बैग, बोतल बैग, हनुमान चालिसा, दिवाली और होली पूजन की सामग्री, राखी किट, राखी, धूपबती, कन्डे हवन कुण्ड आदी 100 से ज्यादा उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं । मुझे उम्मीद है कि आने वाले समय में इसका उपयोग सार्वजनिक जीवन में और अधिक बढ़ेगा।

सुधीर डेरोलिया

अखिल भारतीय जांगिड अधिवक्ताओं का प्रदेश स्तरीय सम्मेलन 18 को जींद में सम्पन्न।

अखिल भारतीय जांगिड अधिवक्ताओं का प्रदेश स्तरीय सम्मेलन 18 मई को जींद में आयोजित किया गया। इस सम्मेलन के मुख्य अतिथि पूर्व अतिरिक्त महाधिवक्ता पवन कुमार जांगिड और इसकी अध्यक्षता जींद के वरिष्ठ अधिवक्ता हरिकिशन जांगिड ने की।

इस सम्मेलन में जांगिड समाज के लोगों को राजनैतिक रूप से जागृत करने का निर्णय लिया गया ताकि इस समाज की राजनीति में भागीदारी सुनिश्चित हो सके। और लोगों को जागरूक करने का निर्णय लिया गया इसके अतिरिक्त प्रदेश सरकार से जांगिड समाज को राजनैतिक नियुक्तियों में भी उचित प्रतिनिधित्व देने की भी मांग की गई ।

इस सम्मेलन में पास किए गए प्रस्ताव को पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन भेजा गया है। मंच का संचालन एचके जांगिड ने किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में जांगिड समाज की 10 प्रतिशत आबादी है और इसके बावजूद भी प्रत्येक सरकार ने जांगिड समाज के हितों की उपेक्षा की है। अधिकतर अधिवक्ताओं ने जांगिड समाज को उचित प्रतिनिधित्व देने की मांग के साथ ही जांगिड समाज के अधिकारों की सामाजिक, राजनीतिक एवं आर्थिक रूप से अनदेखी की जा रही है और इसलिए सरकार में उचित भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए एक विशेष जागरूकता अभियान चलाया जाएगा और ताकि सरकार इस समाज को उचित प्रतिनिधित्व देने के बारे में गम्भीरतापूर्वक विचार कर सके।

इस सम्मेलन में भिवानी, पंचकूला, कुरुक्षेत्र, जींद, रोहतक, फरीदाबाद सहित अनेक जिलों के अधिवक्ताओं ने भाग लिया। इस सम्मेलन में जांगिड समाज के अधिवक्ताओं द्वारा संगठित होकर अपने राजनीतिक भागीदारी सुनिश्चित करने के बारे में एक योजना भी तैयार की गई है।

इस अवसर पर हरियाणा पिछडा वर्ग के सदस्य श्यामलाल जांगिड, अधिवक्ता, सीता राम बडवारिया, महाबीर शर्मा, फरीदाबाद से नरेंद्र जांगिड, रोहतक से अरविन्द जांगिड, दिल्ली से वरूण खण्डेलवाल, पंचकुला से दिनेश जांगिड, भिवानी से कृष्ण सेवाल, मोनिका जांगिड, मीनाक्षी जांगिड, वीरेन्द्र जांगिड और राजकुमार जांगिड ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

एडवोकेट हरिकिशन जांगिड जींद

सुनील कुमार जांगिड को उसकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए वर्ष 2022 का स्वर्ण पदक प्रदान किया गया।

जीवन में जो भी अधिकारी या कर्मचारी सत्यनिष्ठापूर्वक और ईमानदारी तथा कर्तव्य परायणता के साथ सरकार द्वारा सौंपे गए अपने कार्यो का भली-भांति निर्वहन करता है तो उस साधना और तपस्या का फल उसे अवश्य ही मिलता है और यह सिद्ध करके दिखलाया है, भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड में कार्यरत सहायक निदेशक सुनील कुमार जांगिड ने, जिनको उनकी विभागीय उत्कृष्ट सेवाओं के लिए 15 मई को स्वर्ण पदक प्रदान किया गया है।

सुनील कुमार जांगिड के पिता रामनिवास जांगिड, जो कि हरियाणा सिविल सचिवालय, हरियाणा सरकार से अवर सचिव के पद से सेवानिवृत्त हुए हैं, ने बताया कि उनके सपुत्र ने अपनी शिक्षा चंण्डीगढ से हासिल की और उन्होंने मैकेनिकल इंजीनियरिंग में वर्ष 2008 के दौरान अपनी डिग्री हासिल की और वह हरियाणा विधुत वितरण निगम में एक सहायक अभियंता के पद पर भर्ती हुए और उन्होंने अपनी प्रतिभा और दक्षता तथा मेहनत के आधार पर अपने सहयोगियों के साथ-साथ अपने वरिष्ठ अधिकारियों का भी दिल जीतने का काम किया है और यह स्वर्ण पदक भी उसी कड़ी का एक मात्र हिस्सा है।

सुनील जांगिड आजकल भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड में सहायक निदेशक के पद पर प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत हैं । उन्होंने कहा कि मुझे एक प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किया गया है। ''जिसमें लिखा गया है कि आपने अपने कर्तव्यों का पालन बड़े ही कुशलता पूर्वक तरीके से करते हुए अपने कार्य को वर्ष 2022 के दौरान बड़े ही दक्षता पूर्वक और ईमानदारी तथा कर्तव्य परायणता के साथ पूरा किया है और इस प्रकार एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है और इस कार्य की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए निदेशक विद्युत विनियामक बी.बी.एम .बी. चण्डीगढ़ के निदेशक संजय द्वारा स्वर्ण पदक प्रदान किया जाता है।''

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने महासभा रुपी परिवार की तरफ से सुनील जांगिड को उत्कृष्ट सेवाओं के लिए स्वर्ण पदक हासिल करने पर बधाई देते हुए कहा है कि भगवान विश्वकर्मा की सन्तानों में दक्षता और कार्यक्षमता तो जन्मजात ही होती है लेकिन जरुरत है उसकी पहचान करने की । मैं उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करता हूं और आशा करता हूं कि वह भविष्य में भी अपनी प्रतिभा और दक्षता का परिचय देते हुए जीवन में इसी प्रकार सतत् प्रयत्नशील रहेंगे और जांगिड समाज का नाम गौरवान्वित करेंगे।

महासभा के पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला।

वधु चाहिए

1. Wanted suitable match for healthy & pleasant personality J.B. boy, D.O.B.- 04/12/1991 at 01.02 PM in New Delhi (South), Ht.- 5'10", B.Tech & M.Tech, working in HDFC Life, Manager in Training L&D, Delhi. Father working in A.I.I.M.S. Delhi. **Shasan** Self-Gadhediya, M-Koktayan, GM- Ladhedia. Contact- Madan Mohan Sharma, 09711288240, 09013231384

2. Wanted a suitable match for a jangid boy D.O.B.:-21/08/1992, Ht.:- 5'11". Native Place Meerut(U.P), Education:- B.Sc Computer Science, Private Job, **Shasan** Self- Kaloniya, M-Lohaniya, GM-Vashisth, Residence - Ambala, Contact - 7668972588, 7906890341

पदस्थापन एवं नियुक्ति

राजस्थान न्यायिक सेवा की अधिकारी प्रतिभा मोटियार को पदोन्नति के बाद सीनियर सिविल जज और अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट रैंट ट्रिब्यूनल जोधपुर में लगाया गया है । महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने उनको बधाई दी है।

राजस्थान न्यायिक सेवा की अधिकारी कोमल मोटियार सीनियर सिविल जज को पदोन्नति के उपरांत उन्हें ब्यावर जिला अजमेर में अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट को लगाया गया है । महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने उनको बधाई दी है।

जोगिंदर जांगिड की पहली नियुक्ति हथीन, जिला पलवल में सिविल जज (जुनियर डिवीजन) के रूप में हुई है। महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने महासभा रूपी परिवार की ओर से हार्दिक बधाई और उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना दी है

होनहार प्रतिभाएं

जयश्री जांगिड मानपुर निवासी ने कला संकाय में 12 वीं कक्षा में 95 प्रतिशत अंक हासिल किए।

परिणिता जांगिड सुपुत्री कमल कुमार जांगिड ने 10वीं कक्षा में 97.83 प्रतिशत अंक प्राप्त कर नागौर जिले में टाप किया है।

मोनिका जांगिड पुत्री बांकाराम जांगिड, बाड़मेर ने 12 वीं कक्षा में 95.80 प्रतिशत अंक हासिल किए।

रेणुका सुथार पुत्री श्री प्रकाश सुथार निवासी बाप, जोधपुर ने 10वीं में 98.50 प्रतिशत अंक प्राप्त कर पूरे राजस्थान में टॉप 5 में स्थान प्राप्त किया।

निकिता जांगिड पुत्री विक्रम जांगिड निवासी पदमाडा ने 12 वीं कक्षा में 96.20 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तहसील मुण्डावर में अव्वल स्थान प्राप्त किया।

सारिका सुथार पुत्री रोशन लाल सुथार निवासी खिनानिया तहसील टिब्बी, जिला हनुमानगढ़ ने 10 वीं कक्षा में 95 प्रतिशत अंक हासिल किए।

भूमिका शर्मा पाडल्या ने 10 वीं कक्षा अंग्रेजी माध्यम से 96 प्रतिशत अंक हासिल कर इन्दौर जिले की प्रावीण्य सूची में पांचवा स्थान प्राप्त किया।

नरेश सुथार सपुत्र बंशीलाल सुथार गांव खिनानिया जिला हनुमानगढ़ का चयन राजस्थान पुलिस में उप पुलिस निरीक्षक के पद पर हुआ। उन्होंने 35 वां रैंक हासिल किया।

महासभा दिल्ली के एक लाख रूपये के प्लेटिनम सदस्य

श्री कैलाश चन्द्र बरनेला जी, (इन्दौर)

श्री सुरेन्द्र कुमार वत्स, दिल्ली

श्री अशोक कुमार बरनेला, इन्दौर

श्री पी.एल.शास्त्री, गुड़गांव

श्री देबूराम जांगिड, दिल्ली

श्री रामनिवास शर्मा, दिल्ली

श्री राजेन्द्र शर्मा, धार

श्री निर्मल कुमार जांगिड, इन्दौर

श्री लीलू राम शर्मा, दिल्ली

श्री रमेशचन्द शर्मा 'सरपंच', दिल्ली

श्री सुरेन्द्र कुमार शर्मा, दिल्ली

श्री जगदीश प्रसाद शर्मा, दिल्ली

श्री पूरनचन्द शर्मा, दिल्ली

श्री पालीराम शर्मा, दिल्ली

श्री श्रीगोपाल चोयल, अजमेर

श्री कृष्ण कुमार शर्मा, मुम्बई

श्री विद्यासागर जांगिड, गुड़गांव

श्री सुशील कुमार शर्मा, कोलकता

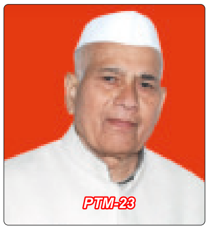

श्री रघुवीर सिंह आर्य, शामली

श्री वेदप्रकाश शर्मा, अहमदाबाद

श्री प्रभुदयाल शर्मा, देवास

श्री प्रहलादराय शर्मा, इन्दौर

श्री मोहनलाल जांगिड, जोधपुर

श्री पूनाराम जांगिड, जोधपुर

श्री ललित जड़वाल, अजमेर

महासभा दिल्ली के एक लाख रूपये के प्लेटिनम सदस्य

श्री मीता राम जांगिड, मुम्बई

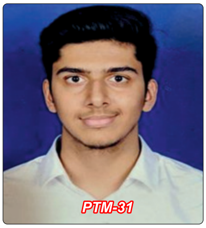

श्री यश अजय शर्मा, मुम्बई

श्री रविन्द्र शर्मा, बीकानेर

श्री जवाहरलाल जांगिड, उज्जैन

श्री नरेश जांगिड, गुड़गांव

श्री भुवन जांगिड, गुड़गांव

श्री कृष्ण कुमार जांगिड, गुड़गांव

श्री किशन लाल शर्मा, नागपुर

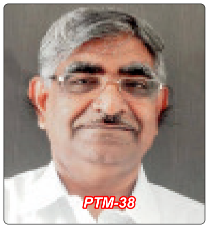

श्री गिरधारी लाल जांगिड, बैंगलुरू

श्री किशोर जी मोखा, नागपुर

श्री बाबू लाल शर्मा, अहमदाबाद

श्री नारायण दत्त, साड़ीवाले, दिल्ली

श्री ओमप्रकाश जांगिड, दिल्ली

श्री धनपत शर्मा, फरीदाबाद

श्री सुरेन्द्र शर्मा, अहमदाबाद

श्री सोमदत्त शर्मा, दिल्ली

श्री बी.सी. शर्मा, जयपुर

श्री सुरेश शर्मा, नीमच

श्री नितिन शर्मा, इन्दौर

श्री प्रमोद कुमार जांगिड, सूरत

श्री हुकुमचन्द जांगिड, हर्षवाल, इन्दौर

श्री सत्यनारायण जांगिड, इन्दौर

श्री अशोक कुमार मोखा, नागपुर

श्री देवमणि जांगिड, दिल्ली

श्री फूल कुमार शर्मा, द्वारका-दिल्ली

महासभा दिल्ली के एक लाख रूपये के प्लेटिनम सदस्य

श्री अमरा राम जांगिड,जोधपुर

श्री रविशंकर शर्मा, जयपुर

श्री कांति प्रसाद जांगिड, दिल्ली

श्री यादराम जांगिड, दिल्ली

श्री अशोक दत्ता राम, अहमदाबाद

श्री यशवंत नेपालिया, अजमेर

श्री राधेश्याम शर्मा, वापी

श्री रामपाल शर्मा, बैंगलुरू

श्री गोपाल शर्मा, कोरबा

श्री भंवर लाल कुलरिया, मुम्बई

श्री अमित कुमार शर्मा, जयपुर

श्री नरेश चन्द्र शर्मा, बैंगलुरू

श्री भीमराज शर्मा, जयपुर

श्री रवि जांगिड, बैंगलुरू

श्री भंवरलाल सुथार, गोवा

श्री रामनिवास शर्मा, भिलाई

श्री शुभम शर्मा, कोरबा

श्री नानूराम जांगिड, धुलिया

श्री प्रहलाद शर्मा, जयपुर

श्री रीछपाल शर्मा, बिलासपुर, छ.ग.

श्री धर्मचन्द शर्मा, बस्तर

श्री राधेश्याम जांगिड, रेनवाल

श्री कन्हैया लाल खाती, अजमेर

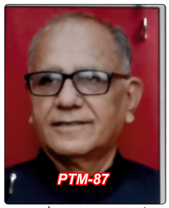

श्री कन्हैया लाल सिलक, अजमेर

श्री अनिल शर्मा, इन्दौर

श्री धन सिंह जांगिड, फरीदाबाद

श्री लालचन्द जांगिड, नारनौल

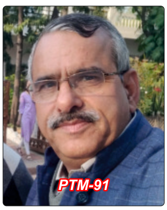

श्री रोहिताश जांगिड, औरंगाबाद

श्री सांवरमल जांगिड, बांसवाडा

श्री महावीर प्रसाद जांगिड, अहमदाबाद

श्री शंकरलाल जांगिड, जयपुर

महासभा को आर्थिक रूप से सुदृढ़ करने के लिए आदरणीय समाज बन्धुओं से निवेदन है कि अधिक से अधिक संख्या में महासभा के प्लेटिनम, स्वर्ण, रजत सदस्य बनें

महासभा दिल्ली के इक्यावन हजार रूपये के स्वर्ण सदस्य

श्री मदनलाल जांगिड जोधपुर

श्री मुरारी लाल शर्मा अहमदाबाद

श्री राजतिलक जांगिड गुड़गांव

श्री मनोज कु.जांगिड अहमदाबाद

श्री सुरेश कु.जांगिड इन्दौर

श्री घनश्याम कडवानिया इन्दौर

श्री बंशीलाल शर्मा इन्दौर

श्री सीताराम जांगिड नागपुर

श्री बंशीलाल शर्मा जयपुर

श्रीमती शारदा शर्मा दिल्ली

श्री सांवरमल जांगिड गोवा

श्री रमेशचन्द्र शर्मा इन्दौर

श्री ओमप्रकाश जांगिड अहमदाबाद

श्रीमती सुमित्रा देवी जांगिड अहमदाबाद

श्री मोतीराम जांगिड रींगस-सीकर

श्री प्रेमाराम जांगिड अहमदाबाद,

समस्त प्रबुद्ध समाज बन्धुओं से विनम्र अनुरोध है कि महासभा को आर्थिक रूप से सुदृढ़ करने के लिए अधिक से अधिक प्लेटिनम, स्वर्ण, रजत सदस्य बने।

महासभा दिल्ली के पच्चीस हजार रूपये के रजत सदस्य

पं. लक्ष्मीनारायण जी जांगिड, गुड़गांव

पं. भीम सिंह , दिल्ली

श्री राजेन्द्र प्रसाद जांगिड, सूरत

पं. किशनराम शर्मा, नागपुर

पं. राजेश शर्मा, अहमदाबाद

पं. विजय शर्मा, जोधपुर

पं. भंवरलाल जांगिड, नागपुर

पं. ईश्वर दत्त जांगडा, दिल्ली

पं. रघुनाथ जांगिड, नागपुर

पं. सत्यनारायण जांगिड, नागपुर

पं. बृजमोहन जांगिड, नागपुर

श्रीमती शान्ति शर्मा, कोटा

पं. चौथमल जांगिड, रींगस

पं. महेश जे. मोखा, नागपुर

श्री रामदयाल जांगिड, दुर्ग

श्रीमती लीलावती शर्मा, नीमच

समस्त प्रबुद्ध समाज बन्धुओं से विनम्र अनुरोध है कि महासभा को आर्थिक रूप से सुदृढ़ करने के लिए अधिक से अधिक प्लेटिनम, स्वर्ण, रजत सदस्य बने।

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

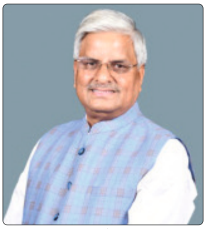

श्री रामपाल शर्मा (बैंगलोर)
1. कुल घोषित राशि 1.25 करोड
2. अब तक जमा राशि
   A स्वयं द्वारा 11+5+5+5=26 लाख
   B श्रीमती कृष्णा जी पत्नी 35 लाख
   C श्री दीपक जी पुत्र 10.21 लाख
   D श्री अमित जी पुत्र 10.21 लाख
   E श्री जगमोहन जी पुत्र 10.21 लाख
3. कुल जमा राशि =91.63 लाख
4. कुल देय राशि =33.37 लाख

श्री कैलाश चन्द्र बरनेला (इन्दौर) पूर्व प्रधान महासभा 96,00,000/-

श्रीमती कृष्णा देवी शर्मा पत्नी श्री रामपाल शर्मा, बेंगलुरू 35,00,000/- कुल घोषित राशि 1.25 करोड का हिस्सा

श्री भंवर लाल कुलरिया मुम्बई, 31,00,000/-

श्री एकलिंग जांगिड-सूरत महासभा भवन में लगने वाले सम्पूर्ण ग्रेनाइट आपकी ओर से देने की घोषणा की।

श्री मीता राम जांगिड मै.सुमित वुड वर्क्स लि.(मुम्बई) 21,00,000/-

प्रमुख स्तंभ समाजसेवी श्री रमेशचन्द शर्मा सरपंच एवं श्री सुरेन्द्र कुमार शर्मा, दिल्ली 11,51000/-

श्री रविशंकर शर्मा, (जयपुर), पूर्व प्रधान महासभा 11,00,000/-

श्री ओम प्रकाश जांगिड, दिल्ली (सीकर, राजस्थान वाले), 11,00,000/-

श्री लक्ष्मण जांगिड (मुम्बई) 11,00,000/-

श्री लीलूराम शर्मा चेयरमैन, जां.ब्रा.शिरोमणी सभा, दिल्ली 11,00,000/-

श्री गिरधारी लाल जांगिड (मुम्बई) 11,00,000/-

श्री नवीन जांगिड (जयपुर) 11,00,000/-

श्री सीताराम शर्मा (बैंगलोर) 11,00,000/-

श्री दीपक शर्मा सुपुत्र श्री रामपाल शर्मा बेंगलुरू 10,21,000/- कुल घोषित राशि 1.25 करोड का हिस्सा

श्री अमित शर्मा (सुपुत्र श्री रामपाल शर्मा बेंगलुरू 10,21,000/- कुल घोषित राशि 1.25 करोड का हिस्सा

श्री जगमोहन शर्मा सुपुत्र श्री रामपाल शर्मा बेंगलुरू 10,21,000/- कुल घोषित राशि 1.25 करोड का हिस्सा

श्री अमरा राम जांगिड दुबई, अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष महासभा, 5,51,000/-

श्री भंवरलाल गुगरिया (बेंगलुरू) 5,51,000/-

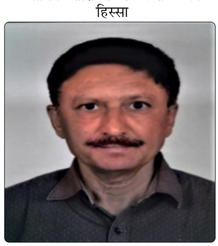

श्री मधुसूदन आमेरिया, (जयपुर) 5,11,000/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री पी.एल. शास्त्री,
(माईक्रोमेक्स क0,गुड़गांव),
5,05,551/-

श्री गिरधारी लाल जांगिड
(बेंगलुरू)
5,01,000/-

श्री सुरेन्द्र शर्मा
(अहमदाबाद)
5,00,111/-

श्री राजेन्द्र शर्मा
(मै.राज.कोचबिल्डर्स,धार)
5,00,000/-

श्री पूनाराम जांगिड
(जोधपुर)
5,00,000/-

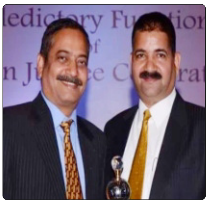

श्री श्रीगोपाल चोयल जी एवं श्री आर.एस.चोयल जी
श्री महादेव चोयल (जांगिड) चेरिटेबल ट्रस्ट, अजमेर
5,00000/-

श्री सुरेन्द्र कुमार वत्स जी (पूर्व कोषाध्यक्ष, महासभा)
एवं श्री दिनेश कुमार वत्स जी, (दिल्ली)
5,00000/-

श्री कांति प्रसाद जांगिड
(टाईगर) (दिल्ली)
5,00,000/-

श्री प्रभुदयाल शर्मा
(वाराणसी)
5,00,000/-

श्री सुनील कुमार शर्मा
(चित्तौडगढ)
5,00,000/-

श्री प्रमोद जांगिड, श्री रकेश जांगिड,
दिनेश जांगिड एवं रेखा जांगिड,
सम्मिलित रूप से सूरत गुजरात
5,00,000/-

श्री रमेश शर्मा
बेंगलुरू
5,00,000/-

श्री एम.डी.शर्मा
जोधपुर
5,00,000/-

श्री महेन्द्र कुमार जांगिड,
धारूहेड़ा
3,51,000/-

श्री नरेश चन्द्र शर्मा
बेंगलुरू
3,02,000

श्रीमती उर्मीला जांगिड
पत्नी श्री लक्ष्मीनारायण जांगिड
गुरूग्राम 2,62,111

श्री सोमदत्त शर्मा नांगलोई
पूर्व कोषाध्यक्ष महासभा, दिल्ली
2,52,151/-

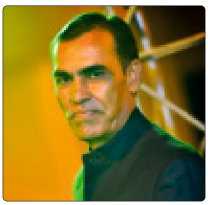

श्री सीताराम शर्मा
(पूर्व जिला प्रमुख, करौली),
दिल्ली 2,51,151/-

श्री रामअवतार जांगिड
(जयपुर),
2,51,000/-

श्री बनवारी लाल शर्मा
(सीकर),
2,51,000/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री सुभाष (बोरवेल वाले) (जयपुर) 2,51,000/-

श्री महेन्द्र शर्मा (मुम्बई), 2,51,000/-

श्री मनीलाल जांगिड (मुम्बई), 2,51,000/-

श्री सतीश शर्मा (नदबई), 2,51,000/-

श्री पूरनचन्द शर्मा, दिल्ली (प्रधान शिरोमणी सभा) 2,51,000/-

सुप्रसिद्ध समाजसेवी श्री प्रकाश शर्मा, दिल्ली 2,51,000/-

श्री बाबूलाल शर्मा (बेंगलुरू) 2,51,000/-

श्री इंदरचंद चांदराम जांगिड, मुम्बई 2,51,000/-

श्री रवि जांगिड (बेंगलुरू) 2,51,000/-

श्री अशोक जांगडा (नजफगढ़, दिल्ली) 2,51,000/-

श्री किशनलाल शर्मा (रोहिणी, दिल्ली) 2,51,000/-

श्री शंकर लाल धनेरवा (जयपुर) 2,51,000/-

श्री सुभाषचंद्र जांगिड (भाईदर(वेस्ट),ठाणे,महाराष्ट्र) 2,51,000/-

श्री रामकरण शर्मा (फरीदाबाद) 2,51,000/-

श्री टेकचन्द शर्मा, फरीदाबाद (हरि.) 2,51,000/-

श्री प्रहलादराय जांगिड (नांदेड) 2,50,000/-

श्री प्रभुदयाल शर्मा देवास, (मध्य प्रदेश) 2,50,000/-

श्री संजय शर्मा (जयपुर) 2,00,000/-

श्री जगन्नाथ जांगिड, बावल (हरि.) 1,72,000/-

श्री योगिन्द्र शर्मा आई.पी.एक्स.-अध्यक्ष पूर्वी दिल्ली जिलासभा 1,53,000/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री सत्यपाल वत्स,
(बहादुरगढ़)
1,51,251/-

श्री देवी सिंह ठेकेदार
करावल नगर-उपाध्यक्ष
अ.भा.जा.ब्रा.महासभा 1,51,111/-

श्री वेद प्रकाश आर्य
सवाई माधोपुर
1,51,001/-

श्री जवाहरलाल जांगिड,
उज्जैन (मध्य प्रदेश)
1,51,000/-

श्री राम पाल शर्मा
यमुना विहार-उपाध्यक्ष पूर्वी
दिल्ली जिलासभा 1,51,000/-

श्री जीवनराम जांगिड
(नागपुर)
1,51,000/-

श्री श्रीकृष्ण जांगडा
रानी खेड़ा, दिल्ली
1,51,000/-

श्री हरिराम जांगिड
जी थाने, मुम्बई
1,51,000/-

श्री जयसिंह जांगडा
(रिटायर्ड जज)गुरूग्राम
1,51,000/-

श्री विजय प्रकाश शर्मा
(द्वारका, दिल्ली)
1,51,000/-

स्व.चांद कौर धर्मपत्नी स्व.श्री नाहनाराम जांगडा जी की स्मृति में एक कमरे के लिए 1,51,000/- का योगदान डॉ.शेरसिंह जांगडा प्र.अ.हरियाणा एवं उनकी धर्मपत्नी डॉ.शील जांगडा द्वारा प्रदान किया गया

श्री बाबू लाल शर्मा
(इन्दौर, मध्य प्रदेश)
1,51,000/-

श्री किरताराम छड़िया
बेंगलूरू
1,51,000/-

श्री वीरेन्द्र शर्मा
(शामली)
1,51,000/-

श्री ओमप्रकाश शर्मा
(जी.ओ.जी.मार्बल जयपुर)
1,51,000/-

श्रीमती ब्रहमो देवी धर्मपत्नी
श्री नाथूराम शर्मा,
दिल्ली 1,51,000/-

श्री कृष्ण कुमार शर्मा
द्वारका, दिल्ली
1,51,000/-

श्री सत्यनारायण शर्मा
पैरामाउंट इंजीनियर्स,गुरूग्राम
1,51,000/-

श्री मोहन लाल जांगिड
प्रदेश अध्यक्ष(गुजरात)
1,51,000/-

श्री अनिल एस.जांगिड
(पूर्व महामंत्री महासभा)गुरूग्राम
1,51,000/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री हरीराम जांगडा
ग्राम कासन
1,51,000/-

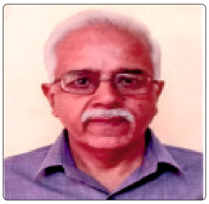
श्री राजेन्द्र जांगिड
पटेल नगर, गुड़गांव
1,51,000/-

श्री कृष्ण अवतार जांगिड
ग्राम कासन
1,51,000/-

श्री पन्ना लाल जांगिड
ग्राम कासन
1,51,000/-

मास्टर जगदीश चंद्र जागिड,
श्री ज्ञानचंद जांगिड, ग्राम-कासन
1,51,000/-

श्री हरीश एवं
नरेश दम्मीवाल
(जोधपुर) 1,51,000/-

श्री उमाकांत
धानेरा
1,51,000/-

श्री किशोर कुमार जांगडा जी
बहादुरगढ
1,51,000/-

श्री सत्यनारायण शर्मा
फूतली वाले, सागरपुर,दिल्ली
1,51,000/-

श्रीमती दयावंती धर्मपत्नी
श्री रामकिशन शर्मा,(डीसीपी)
द्वारका,दिल्ली 1,51,000/-

श्री बी.सी.शर्मा
जयपुर
1,51,000/-

डॉ. मोतीलाल शर्मा
(वैशाली, जयपुर)
1,51,000/-

श्रीमती शारदा देवी
W/o श्री महेन्द्र सिंह जांगिड,
धारूहेड़ा (हरि.)
1,51,000/-

श्रीमती गीता देवी,
W/o श्री खुशीराम जांगिड,
धारूहेड़ा (हरि.)
1,51,000/-

श्री देवेन्द्र गौतम,
नवादा उत्तम नगर
(दिल्ली) 1,51,000/-

श्री मोहनलाल दायमा
नासिक,
1,51,000/-

श्री द्वारका प्रसाद शर्मा
(वापी, गुजरात)
1,51,000/-

श्री चंद्राप्रकाश एवं
गुरूदत्त शर्मा
(गांधीधाम) 1,51,000/-

श्री दुलीचन्द जांगिड
सवाई माधोपुर
1,51,000/-

श्री ओम प्रकाश जांगिड
हिसार
1,51,000/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री विजय शर्मा
शामली
1,51,000/-

श्री तेजस लुंजा
बेंगलूरू
1,50,000/-

श्री नानूराम जांगिड
(धुलिया महाराष्ट्र)
1,51,000/-

श्री शिव चन्द्र, अटेली
मण्डी, नारनौल, महेन्द्रगढ
1,25,555/-

श्री उम्मेद सिंह डेरोलिया
(बहादुरगढ़)
1,21,251/-

श्री राजू जांगडा सुपुत्र
श्री ईश्वर सिंह ठेकेदार(नजफगढ़,
दिल्ली)-1,21,000/-

इंजि. जय इन्द्र शर्मा
(कुरथल)विज्ञान लोक,दिल्ली
1,11,121/-

डॉ. शेरसिंह जांगिड
गुड़गांव,(पूर्व.प्र.अ.हरि.)
1,11,111/-

श्री रमेश कुमार
(सोनीपत, हरि.)
1,11,111/-

श्री वीरेन्द्र आर्य
(रोहतक)
1,11,111/-

श्री संजीव कुमार
(रोहतक)
1,11,111/-

श्री फूलकुमार जांगडा,
(सोनीपत)
1,11,111/-

श्री प्रहलाद सहाय शर्मा,
बुलढाणा (महा.)
1,11,100/-

श्री रघुवीर सिंह आर्य
शामली, (उत्तर प्रदेश)
1,11,000/-

श्री नाथूलाल जांगिड एवं
श्री हरीशंकर जांगिड,
(जयपुर) 1,11,000/-

श्री सुरेंद्र जांगिड
(दिल्ली)
1,11,000/-

श्री प्रवीण जांगडा
(द्वारका, दिल्ली)
1,11,000/-

श्री श्रीचन्द शर्मा
मुल्तान नगर (दिल्ली)
1,11,000/-

श्री अमर सिंह जांगिड
जी, (मुम्बई)
1,11,000/-

श्री बनवारी लाल जांगिड,
(त्रिनगर, दिल्ली)
1,11,000/-

श्री कृष्ण कुमार बिजेनिया
(ग्राम ककरौला, दिल्ली)
1,11,000/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री ओम नारायण शर्मा, साहिबाबाद 1,02,251

श्री ईश्वर दत्त जांगिड (रोहतक) 1,02,000/-

श्री राजेन्द्र शर्मा समालखा (पानीपत) 1,01,111/-

श्री बृजमोहन जांगिड (नागपुर) 1,01,101/-

श्री गिरधारी लाल जांगिड (नागपुर) 1,01,101/-

श्री सुनील कुमार जांगिड खोडा कालोनी- सुप्रसिद्ध समाजसेवी 1,01,101/-

श्री अतरसिंह काला (नांगलोई, दिल्ली) 1,01,101/-

सीए अनिल कुमार शर्मा आई.पी.एक्सटेंशन, दिल्ली) 1,01,000/-

श्री किशन लाल जांगिड जयपुर, 1,01,000/-

श्री आर.पी.सिंह जांगिड श्याम विहार-प्रभारी प्रादेशिक सभा दिल्ली 1,01,000/-

श्री राजबीर सिंह आर्य कोंडली-उपाध्यक्ष पूर्वी दिल्ली जिलासभा 1,01,000/-

श्री हरिपाल शर्मा फालना 1,01,000/-

श्री चन्द्रपाल भारद्वाज ज्योति कॉलोनी-पूर्व महामंत्री अ.भा.जां.ब्रा.महासभा 1,01,000/-

श्रीमती स्नेहलता जांगिड सोनीपत 1,01,000/-

श्री रमेश शर्मा (मै.कमल प्रिंटर्स) दिल्ली 1,01,000/-

श्री दीपक कुमार शर्मा ज्योति कालोनी-सह सचिव पूर्वी दिल्ली जिलासभा, 1,01,000/-

श्री अशोक कमार शर्मा (औरंगाबाद) 1,01,000/-

श्री बंशीधर जांगिड गोरेगांव, (मुम्बई) 1,01,000/-

श्री इन्दरराम तेजाराम जांगिड (मुम्बई) 1,01,000/-

श्री गंगादीन जांगिड (दिल्ली) 1,01000/-

श्री रमेश चन्द शर्मा (प्रदेशाध्यक्ष-उत्तराखण्ड) 1,01,000/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री जगदीश चन्दर जांगिड (सोनीपत) 1,01,000/-

श्री सत्यनारायण शर्मा (नांगलोई, दिल्ली) 1,01,000/-

श्री प्रमोद कुमार जांगिड (बड़ौत, उ.प्र.) 1,01,000/-

श्री पुरूषोत्तम लाल शर्मा (जयपुर,) 1,01,000/-

श्री सत्य नारायण जांगिड, मन्दसौर (म.प्र.) 1,01,000/-

श्रीमती विमला देवी किंजा, श्रीमती रामेश्वरी देवी कालोया, श्री विश्वकर्मा महिला संकीर्तन मंडल, रामगंज, अजमेर एवं कार्यकारिणी 1,00,121/-

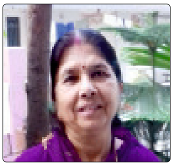

श्रीमती सुमित्रा देवी ओमप्रकाश शर्मा, पूर्व प्रधान म. 1,00,111/-

श्री ब्रह्मानन्द शर्मा सागरपुर दिल्ली, 1,00,001/-

श्री ललित जड़वाल (अजमेर) 1,00,000/-

श्री चंपा लाल शर्मा (बुलढाणा) 1,01,100/-

श्री विजय शर्मा (ताबडू) 1,00,000/-

डॉ. ओ.पी. शर्मा (दिल्ली) 1,00,000/-

श्री मंगलसैन शर्मा (बड़ौत, उत्तर प्रदेश) 1,00,000/-

श्री सूरजमल जांगिड (हिंगोली) 1,00,000/-

श्री नानूराम जांगिड (हिंगोली) 1,00,000/-

श्री गंगा राम जांगिड (जयपुर) 1,00,000/-

श्री रमेश चंद शर्मा (इंदौर) 1,00,000/-

श्री पुखराज जांगिड (सिकन्दराबाद) 1,00,000/-

श्री राजतिलक जांगिड (गुड़गांव) 1,00,000/-

श्री बाबूलाल शर्मा (अहमदाबाद) 1,00,000/-

श्री नेमीचन्द जांगिड (सिकन्दराबाद) 1,00,000/-

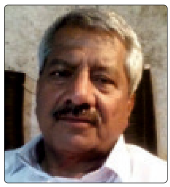

श्री सोमदत्त जांगिड (नांगलोई, दिल्ली) 1,00,000/-

श्री प्यारे लाल शर्मा (छतीसगढ़) 1,00,000/-

श्री विद्यासागर जांगिड (गुड़गांव) 1,00,000/-

श्री बजरंग शर्मा, दुर्ग (छत्तीसगढ़) 1,00,000/-

श्री पूरनचन्द शर्मा, नीमराना 1,00,000/-

जिला सभा रायपुर, 1,00,000/-

श्री जगदीश प्रसाद खंडेलवाल, दिल्ली 50,000/-

श्री बलराम जांगिड(सीलक) हरदा, मध्य प्रदेश 25,000/-

समस्त आदरणीय दानदाताओं से करबद्ध निवेदन है कि आपके द्वारा घोषित राशि महासभा खाते में जल्द से जल्द जमा करवायें।

शोक सन्देश

अत्यंत दु:खी हृदय से आपको सूचित किया जा रहा है कि श्री मोहर सिंह जी के सुपौत्र, रमेश कुमार शर्मा – शारदा शर्मा के सुपुत्र और सुरेंद्र शर्मा के भतीजे, अनिल शर्मा, प्रदीप शर्मा, संदीप शर्मा, निशांत शर्मा, नितिन शर्मा के भाई, युवराज, खुशी एंवम ताशवी के पापा एवं करण शर्मा, अमन शर्मा, शौर्य शर्मा, लक्ष्य शर्मा, निक्शन शर्मा, हृदयांश शर्मा, रेयांश शर्मा, द्रष्टि, खनक, सानवी के चाचा तथा मोहन शर्मा – शकुंतला शर्मा के दामाद श्री कैलाश शर्मा का दिनांक दिनांक 6 जून 2023 को अप्रिय दुर्घटना में आकस्मिक निधन हो जाने के कारण वह देवलोकगमन कर गए । शोक संतृप्त परिवार द्वारा 18 जून को सामुदायिक केन्द्र, सेक्टर-1, आईएमटी, मानेसर में शोक सभा का आयोजन किया गया जिसमें देश के कोने-कोने से कई हजारों लोगों ने आकर श्री कैलाश शर्मा के प्रति अपने भावभीने मन से श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए शोक व्यक्त किया और शोक संतृप्त परिवार को ढांढस बंधाया।

महासभा प्रधान रामपाल शर्मा द्वारा भेजे गए शोक संदेश में उन्होंने कहा कि श्री रमेश कुमार शर्मा (पूर्व सरपंच) पूर्णरूप से समाज के प्रति समर्पित भाव से सदैव तत्पर रहते हुए निष्काम भाव से समाज के प्रति समर्पित हैं, उनकी उदारता और सज्जनता की समाज में हर जगह मिसाल दी जाती, ऐसे उदारमना और विनम्रता की प्रतिमूर्ति के सुपुत्र श्री कैलाश शर्मा बहुत ही होनहार, हंसमुख, मिलनसार, संस्कारिक तथा सभी के दु:ख-सुख में काम आने वाले व्यक्तिव के धनी थे और इसी व्यक्त्वि के समान स्वर्गीय श्री कैलाश शर्मा ने समाजहित के कार्यों में अपना हाथ बढ़ाया व अपने पूज्य पिताजी का पूरा सहयोग किया। जिनके इस प्रकार अचानक ब्रह्मलीन होकर देवलोकगमन कर जाने से परिवार को ही नहीं अपितु समाज को भी जो अपूरणीय क्षति पहुंची है उसकी भरपाई कर पाना किसी के लिए भी असंभव ही नहीं अपितु दुष्कर भी है क्योंकि जन्म, मरण व प्रण यह सब विधि के अधीन है और श्रीमद्भागवत गीता के अनुसार इस संसार में जो भी आया है उसे एक ना एक दिन तो जाना अवश्य है परंतु जो अतिप्रिय, होनहार एवं आज्ञाकारी दिल के टुकड़े जब असमय चले जाते हैं वे मन में एक टीस एवं उम्रभर का दर्द छोड़ जाते हैं ।

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा भी इस दु:ख की इस घड़ी में आपके परिवार के साथ हार्दिक संवेदना व्यक्त करती है साथ ही परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करती है कि उनकी दिवंगत पुण्य आत्मा को शांति व मोक्ष प्रदान करते हुए अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें और उनके शोक संतृप्त परिवारजनों को इस अपूर्णीय क्षति और अपार दु:ख को सहन करने की शक्ति और सामर्थ्य प्रदान करे ताकि वह इस दु:ख और विषाद की घड़ी से जल्दी से जल्दी बाहर निकल सके।

ॐ शांति, ॐ शांति, ॐ शांति,

सांवरमल जांगिड महामंत्री, महासभा

शोक सन्देश

आप सभी को अत्यंत दु:ख के साथ सूचित किया जाता है कि मदनलाल शर्मा के छोटे भाई, सांवरमल, पप्पू, राजू के बड़े भाई एवं कमलेश, योगेश के परम पूज्य पिताजी तथा कान्हा और शिव के दादाजी **श्री नागरमल जी शर्मा (रोलीवाल)** का **7 मई 2023** को आकस्मिक देवलोक गमन हो गया। उठावना मंगलवार 9 मई को शाम 5 बजे माथुर वैश्य धर्मशाला मालवीय नगर पर रखा गया था। महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा, महामंत्री सांवरमल जांगिड ने श्री नागरमल जी शर्मा के निधन पर गहरा दु:ख प्रकट करते हुए शोक संतृप्त रोलिवाल परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की।

शोक सभा में महासभा के पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला, महिला प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती मधु शर्मा, श्रीमती गीता कडवणिया, युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष चिरंजी लाल जांगिड, इन्दौर जिला अध्यक्ष वीरेंद्र शर्मा, युवा प्रकोष्ठ इन्दौर जिला अध्यक्ष महेंद्र पंवार और मध्य प्रदेश के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष प्रभु दयाल दैमण, प्रदीप शर्मा, कोषाध्यक्ष गणेश शर्मा एवं महासभा तथा प्रदेश सभा के कई पदाधिकारीगण/महिला पदाधिकारी सम्मिलित हुए। प्रदेश अध्यक्ष प्रभु दयाल जांगिड बरनेला ने शोक संदेश में कहा कि श्री नागरमल जी शर्मा मिलनसार एवं सरल स्वभाव और सौम्य तथा शालीनता की प्रतिमूर्ति थे और समाज प्रेम की भावना उनमें कूट-कूट कर भरी हुई थी और ऐसी मिलनसार प्रवृत्ति के संवाहक श्री नागरमल जी शर्मा का अचानक इस संसार से चले जाना निश्चित रूप से इस समाज के लिए एक अपुर्णीय क्षति है। ऐसी महान विभूति ने इन्दौर के रहने वाले प्रत्येक परिवार को दु:ख सुख विशेषकर अंतिम संस्कार कि घड़ी में जो अमूल्य योगदान दिया और समाज सेवक के रूप में अपने कार्यो के माध्यम से अमिट छाप छोड़ी हैं उनको कभी भी भूलाया नहीं जा सकता।

प्रदेश सभा मध्यप्रदेश परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करती है कि पुण्य आत्मा को शांति प्रदान कर अपने श्री चरणों में स्थान दें तथा रोहलीवाल परिवार को इस असहनीय दु:ख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

इस अवसर पर रोहलीवाल परिवार ने स्वर्गीय श्री नागरमल जी शर्मा की स्मृति में महासभा को 2100/- रुपए दान स्वरूप भेंट किये, महासभा परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करती है कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान कर स्वर्ग में स्थान दें। ॐशान्ति शान्ति शान्ति

यह अत्यंत दु:ख और विषाद की घड़ी है कि स्वर्गीय बाबूलाल शर्मा के सुपुत्र, प्रदेशसभा के पूर्व महामंत्री एवं जांगिड ब्राह्मण समाज पंचायत तोपखाना इंदौर के पूर्व कोषाध्यक्ष संजय शर्मा, मनोज, राजेश, विनोद (अप्पू) शर्मा के पूज्य पिताजी विजय (सोनू) के ताऊजी आयुष, तिलक, श्रेयांस, जियांस, वेदी के दादाजी **श्री मोहन लाल शर्मा** का स्वर्गलोक गमन **1 मई 2023** को हो गया। उठावना 3 मई बुधवार को शाम 5 बजे श्री जांगिड ब्राह्मण समाज पंचायत तोपखाना इन्दौर पर रखा गया था।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा, महामंत्री सांवरमल जांगिड ने श्री मोहनलाल शर्मा के निधन पर गहरा दु:ख प्रकट करते हुए शोक संतृप्त रोलिवाल परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। शोक सभा में महासभा के पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला, महिला प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती मधु शर्मा, श्रीमती गीता कडवणिया, युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष चिरंजी लाल जांगिड, इन्दौर जिला अध्यक्ष वीरेंद्र शर्मा, युवा प्रकोष्ठ इन्दौर जिला अध्यक्ष महेंद्र पंवार और मध्य प्रदेश के अध्यक्ष प्रभु दयाल बरनेला पूर्व प्रदेश अध्यक्ष प्रभु दयाल दैमण, प्रदीप शर्मा, महामंत्री राजेंद्र रावत, कोषाध्यक्ष गणेश शर्मा, एवं महासभा तथा प्रदेश सभा के कई पदाधिकारीगण/महिला पदाधिकारी सम्मिलित हुए। इस अवसर पर सिकरोदिया परिवार ने स्वर्गीय श्री मोहनलाल शर्मा की स्मृति में महासभा को 1100/- रुपए दान स्वरूप भेंट किये, महासभा परमपिता परमेश्वर प्रार्थना करती है कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान कर स्वर्ग में स्थान दें। ॐशान्ति शान्ति शान्ति

राजेंद्र रावत, महामंत्री प्रदेश सभा मध्यप्रदेश

श्रद्धांजलि

आप सभी को अत्यंत दुःख के साथ सूचित करते हुए पीड़ा का अनुभव हो रहा है कि राधेश्याम, सुभाष, नंदकिशोर, नरेन्द्र रोडवाल के काकाजी, श्री जांगिड ब्राह्मण समाज पंचायत तोपखाना इन्दौर के सचिव अशोक रोडवाल, प्रेमनारायण, श्याम, घनश्याम रोडवाल के पिताजी, पवन, सचिन, चंदन, राहुल, आकाश, अंकित, मोहित, अर्पित, बिट्टु, आंनद, के दादाजी नवीन, अमन देमण के नानाजी, शौर्य, तन्वय, आराध्य, राजवीर, दक्ष, दिव्य, के बड़े दादाजी **श्री नानूराम जी रोडवाल** का स्वर्गवास **30 अप्रैल 2023** रविवार को हो गया। उठावना 2 मई मंगलवार को सायं 5 बजे उनके 1080 निज निवास सुदामा नगर में रखा गया था।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा, महामंत्री सांवरमल जांगिड ने श्री नानूराम जी रोडवाल के निधन पर गहरा दुःख प्रकट करते हुए शोक संतृप्त रोलिवाल परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की।

शोक सभा में महासभा के पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला, महिला प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती मधु शर्मा, श्रीमती गीता कडवणिया, युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष चिरंजी लाल जांगिड, इन्दौर जिला अध्यक्ष वीरेंद्र शर्मा, युवा प्रकोष्ठ इन्दौर जिला अध्यक्ष महेंद्र पंवार और मध्य प्रदेश के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष प्रभु दयाल दैमण, प्रदीप शर्मा, महामंत्री राजेंद्र रावत, रतन लाल शर्मा, कोषाध्यक्ष गणेश शर्मा, एवं महासभा, प्रदेश सभा के कई पदाधिकारीगण/महिला पदाधिकारी सम्मिलित हुए। प्रदेश अध्यक्ष प्रभु दयाल जांगिड बरनेला ने शोक संदेश में कहा कि श्री नानूराम जी रोडवाल मिलनसार एवं सरल स्वभाव और सौम्य तथा शालीनता की प्रतिमूर्ति थे और समाज प्रेम की भावना उनमें कूट-कूट कर भरी हुई थी और ऐसी मिलनसार प्रवृत्ति के संवाहक का इस संसार से चले जाना निश्चित रूप से इस समाज के लिए एक अपुर्णीय क्षति है।

जीवन मरण यह सब विधि के हाथ में है और इस बारे में केवल इतना ही कहा जा सकता है कि उनकी भरपाई नहीं की जा सकती है और भगवान इस परिवार को यह असहनीय दुःख और विषाद को सहन करने की शक्ति प्रदान करे। रोड़वाल परिवार द्वारा स्वर्गीय श्री नानूराम जी की स्मृति में महासभा को 11 हजार रुपए दान स्वरूप भेंट किए हैं। महासभा परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करती है कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान कर अपने श्री चरणों में स्थान दें। **ॐशान्ति शान्ति शान्ति**

राजेंद्र रावत, महामंत्री प्रदेश सभा मध्यप्रदेश

SHARMA
Group of companies

FULFILLING DREAMS.

LATE SHREE
KANHAIYALAL
SHARMA
(CHOYAL)

HYUNDAI

AUTHORISED HYUNDAI DEALER
SHARMA HYUNDAI
Since 1998

Ashram Road
Call : 9099978327

Satellite
Call : 9099978334

Parimal Garden
Call : 9099978328

Naroda
Call : 9099938777

Authorised Toyota Dealer : **NARMADA TOYOTA**
VADODARA : 9099916601 I ANAND : 9099916631/32

earth 0919

MG
MORRIS GARAGES
Since 1924

Authorised MG Dealer :
Kayakalp Cars Pvt. Ltd.
Zorba Complex, Akshar chowk, OP Road, Vadodara.
Ph : 6358800230/31

हार्दिक शुभकामनाओं सहित.......

ओम प्रकाश जांगिड (गोठड़ा तगेलान, सीकर वाले)
प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश सभा, दिल्ली

OMKARA
TRANSPORT PVT. LTD.

The Professional Carriers with Personal Care

Website : www.omkaratransport.com Email- accounts@omkaratransport.com

Head Office: 660, Sanjay Enclave, Opp. G.T.K. Depot., G.T. Karnal Road, Delhi-110033
Ph. (91-11) 27639241,27639341,27630041,27634841,27633841,Fax.27632841,27634841

ANKLESHWAR : Plot No. 432, Asian Paint Chowkdi, Near New Deep Chemical, GIDC–Ankleshwer
Mr. Kailash Jangid 02646-220276, 220797,9376011451, 9426740247

BHIWANDI : BGTA Compound, Opp.Maratha Punjab Hotel, Anjur Phata, Bhiwandi
Mr. Naresh 9320253841

CHANDIGARH : Plot No.-5 Sec-26 Transport Area, Chandigarh
Mr. Santosh 0172-3079441, 5006099, 9356606683, 9357899555

DELHI : AG-468, Sanjay Gandhi Transport Nagar, Delhi – 110042
Mr.Rajender Prasad 9311610041

FARIDABAD : 17/6 Mathura Road, Sarpanch Colony, Faridabad
Mr. Mahaveer Singh 0129-2227534, 9313058799, 9312582741

GANDHIDHAM : 105,Varindavan Complex, Nr. BMCB, Sector-9A, Plot No-20, Gandhidham-Kutch-370201, Mr.Rudramani Sharma 02836-239531,9099674577,9375674577

GURGAON : Naharpur Road, Nr. Anaj Mandi Chowk, Gurgaon
Mr. Gauri Shankar 0124-4031626, 9312403872, 9350584403

VAPI : 15-163A, Near Saiyad paper Mill, Jay shree Chamber 2nd Phase,
GIDC Vapi-396195 Mr. Sonu Singh 0260-3264022, 9377926191

PANT NAGAR : MIG-495 Awas Vikas, Opp:Himshikhar property, Rudrapur-Udhamsingh Nagar
Mr.Trilok Singh 9358865110

PUNE : Supreme House,149B, Transport Nagar, Sec-23, Pradhi Karan, Nigdi PUNE-410044, Mr. Subhash 020-27655987, 9371014573, 932665378

BHIWADI : G-464, Phase-1,Rico Industrial Area, Bhiwadi-301019
Mr. Ratan Singh 01493-223567, 224667, 9214021567, 9549821567

MUMBAI : 105,Sterling Chamber, Pune Street, Mumbai-400009
Mr.Ashok 022-32968650, 022-32968651, 022-23748845, 9321697083

OMKARA CAR ACCESORIES

SIKAR (RAJASTHAN)

Total Page-64
Posted at: L.P.C. DELHI R.M.S., Delhi-06

Registered With The Registrar of News Papers For INDIA, Under Regd. No. 25512/72

D.L.(DG-11)/8009/2021-23
Posted Under Licence No. U(DN)39/2023
of Post without prepayment of postage

Mahindra Rise.

महिन्द्रा का अधिकृत शोरुम एवं वर्कशॉप

भागीरथ मोटर्स (इं) प्रा.लि.

पर्सनल वाहनों के लिए सम्पर्क करें Mob.: 9109154155, 9109154152
कमर्शियल वाहनों के लिए सम्पर्क करें Mob.: 9109154153

शोरुम: सर्वे नं. 379/2, ग्राम-ढाबला, रेवाड़ी, आगर रोड़, आर.डी. गार्डी कॉलेज के पास, उज्जैन (म.प्र.)

Bhagirth & Brothers

Bus & Truck Body Manufacture Since 1960

Organization:

Audi Automobiles, Pithampur
Bhagirath Coach & Metal Fabricators Pvt.Ltd., Pithampur
B & B Body Builders, A.B. Road, Indore
Rohan Coach Builders, 29Nehru park, Indore

Adm. Office:
29, Nehru Park Road, Indore-1(M.P.)
Phone:0731-2431921,Fax:0731-2538841

Works:
Plot No. 199-b, Sector-1,
Pithampur Dist. Dhar (M.P) 454775
Phone: 07292-426150 to 70

Website: www.bhagirathbrothers.com

Posting Date: 22-27 Each Month
Publication Date: 15 June 2023
Weight: 100 gms. Cost: Rs. 240 Yearly

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा
440, हवेली हैदर कुली,
चाँदनी चौक, दिल्ली-110006

Printed, Published by Sh. J.P. Sharma, K-29, Ward-1, Desu Road, Mehrauli, New Delhi-30, on behalf of (Owner) Akhil Bhartiya Jangid Brahmin Mahasabha, 440, Haveli Haider Quli, Chandni Chowk, Delhi-06, Printed at M/s. Kamal Printers, Anand Parbat, N.D.-05, Ph.:9810622239, Published at Delhi, Editor Sh. Ram Bhagat Sharma, 1741 Sector - 23 B Chandigarh (UT)